शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 01 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-180

यूपी के बाद बिहार की बारी, केंद्र की मंजूरी का इंतजार

अब बिहार में भी बनेगा डिफेंस कॉरिडोर

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की तरह अब बिहार में भी डिफेंस कॉरिडोर बनेगा। बिहार के डिफेंस कॉरिडोर में हथियारों के निर्माण की विशेषज्ञता रहेगी। इस कॉरिडोर में बिहार के पांच जिले मुंगेर, कैमूर, बांका, जमुई और अरवल शामिल किए जाएंगे। इस कॉरिडोर में कई तरह की राइफलें, बंदूकें, पिस्तौल और गोला-बारूद बनाने की फैक्ट्रियां लगेंगी। वर्तमान आकलन है कि ऑर्डनेंस कोरिडोर के निर्माण पर लगभग 1500 करोड़ का खर्च आएगा। अलग-अलग हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों के निर्माण की लागत अलग होगी। बिहार के ऑर्डनेंस कॉरिडोर में बने हथियार सेना और पुलिस के काम आएंगे। इसके साथ ही यहां बनने वाले हथियारों को विदेशों में भी निर्यात किया जाएगा। बिहार में डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण को केंद्र सरकार की औपचारिक मंजूरी मिलने ही वाली है।

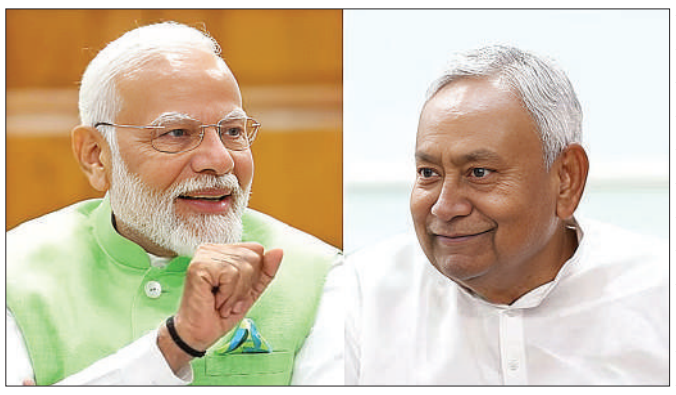

प्रस्ताव पर रक्षा मंत्रालय ने दी सहमति

बिहार का होगा औद्योगिक कायाकल्प

बिहार सरकार का औपचारिक प्रस्ताव केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से होते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुका है। रक्षा मंत्री ने बिहार सरकार के प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है। बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार में डिफेंस कॉरिडोर बनने से रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बिहार का योगदान शामिल होगा और इससे बिहार के लगभग एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। योजना के मुताबिक बिहार के डिफेंस कॉरिडोर में छोटी पिस्टल से लेकर तोप तक बनेगी। यहां राइफलें, मशीनगन, एफएन-मिनिमी, नेगेव एनजी-5 तथा ब्राउनिंग मशीनगन बनाने की योजना है। तोपों के गोले, ग्रेनेड और ग्रेनेड लॉन्चर बनाने की भी योजना है। इसके अलावा सेना के उपयोग आने वाले हेलमेट और सुरक्षात्मक क्लोथिंग भी बनाई जाएगी।

बीते लगभग 3-4 दशकों से पलायन का दंश झेल रहे बिहार के लिए यह नई पहल बड़े स्तर पर कारगर सिद्ध हो सकती है। अंदाजा है कि यहां एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही बड़े उद्योग लगने के चलते यहां का बाकी इन्फ्रा भी सुधरेगा। फैक्ट्रियों में काम करने के अलावा उन लोगों को भी फायदा होगा जो इससे दूसरे तरीकों से जुड़ेंगे। डिफेंस कॉरिडोर बनने से बिहार को पुनः आर्थिक तरक्की के रास्ते पर गतिमान किया जा सकता है। उद्योग विभाग ने बिहार में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोर में मुंगेर, बांका, जमुई, कैमूर और अरवल को शामिल किया है। लेकिन इसमें भागलपुर, मुजफ्फरपुर, शेखपुरा और सारण को भी संभावित स्थल के रूप में चुना गया है।

बिहार में आर्डिनेंस कॉरिडोर का यह प्रयास उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की तर्ज पर होगा। उत्तर प्रदेश के छह जिलों में डिफेंस कॉरिडोर बनाया गया है। यूपी के डिफेंस कॉरिडोर में अब तक 47 हजार करोड़ से अधिक का निवेश हो चुका है। यहां सात कम्पनियां अपना निर्माण कार्य चालू कर चुकी हैं। तमिलनाडु के डिफेंस कॉरिडोर में कई बड़ी टेस्टिंग फैसिलिटी बन रही हैं। बिहार में भी इस तरह का विकास मोदी सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा के एजेंडे को आगे बढ़ाएगा। मोदी सरकार आने के बाद से रक्षा क्षेत्र में निर्माण और रक्षा उत्पादों के निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है।

वर्ष 2014 में भारत में मात्र 46 हजार करोड़ का रक्षा उत्पादों का निर्माण होता था। अब यह बढ़ कर 1.27 लाख करोड़ हो चुका है। भारत का रक्षा उत्पादों का निर्यात 2014 के मुकाबले 34 गुना बढ़ कर 23,622 करोड़ हो चुका है। बिहार का आर्डनेंस कॉरिडोर इसमें और सहायक हो सकता है। बिहार के डिफेंस कॉरिडोर में मुंगेर के बंद पड़े मशहूर बंदूक कारखाने का पुनरुद्धार शामिल होगा। मुंगेर जिले का हथियारों से पुराना नाता रहा है। मुंगेर में वैध और अवैध दोनों तरह के हथियार अपने कारगर काम के लिए विश्व प्रसिद्ध हो चुके हैं। विडंबना यह है कि हथियारों का लाइसेंस जारी नहीं किए जाने के कारण बंदूक कारखाने की चार इकाइयां बंद हो चुकी हैं। पहले यहां 1500 कारीगर और अन्य कर्मचारी काम करते थे। अब उनकी संख्या घटकर दर्जनों में रह गई है। बंदूक उत्पादन में भारी कमी आने से इससे जुड़े कई व्यवसायियों पर भी मंदी का संकट मंडराने लगा है। हुनरमंद कारीगरों के बेरोजगार होने से अवैध बंदूकों और राइफलों के निर्माण में तेजी आई।

बंदूक कारखाने के डीलर शेखर शर्मा ने कहा, ये बहुत अच्छी बात है कि बिहार सरकार और केंद्र सरकार दोनों ने यहां डिफेंस कॉरिडोर बनाने का पहल की है। इसमें हम सभी सहयोग करेंगे। हमें भी इस फैसले से संजीवनी मिलेगी। कलस्टर तो बंद हो गया है, उसे भी चालू करवा दिया जाए तो बेहतर रहेगा। ▶10पर

भाजपा नेतृत्व के अलोकतांत्रिक रवैये के खिलाफ विद्रोह

टी राजा सिंह ने दिया भाजपा से इस्तीफा

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने भाजपा आलाकमान की निरंकुशता से नाराज होकर इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राज्य नेतृत्व के लिए चल रही खींचतान पर नाराजगी जताते हुए राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा है।

टी राजा सिंह ने कहा कि बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं, जो हमारे साथ विश्वास के साथ खड़े थे और जो आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अपने पत्र में राजा सिंह ने स्पष्ट किया कि भले ही वह भाजपा से अलग हो रहे हैं, लेकिन हिंदुत्व विचारधारा और धर्म की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा, मैं अपनी आवाज उठाना जारी रखूंगा और हिंदू समुदाय के साथ और भी अधिक मजबूती से खड़ा रहूंगा। अपने इस्तीफे को एक कठिन लेकिन जरूरी फैसला बताते हुए उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूँ जो आज निराश महसूस कर रहे हैं।

टी राजा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी महासचिव बीएल संतोष समेत केंद्रीय नेतृत्व से भी सीधी अपील की और उनसे तेलंगाना में मौजूदा नेतृत्व की स्थिति पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने पत्र में लिखा है कि भाजपा के लिए तेलंगाना तैयार है, लेकिन हमें उस अवसर का सम्मान करने और उसे हाथ से न जाने देने के लिए सही नेतृत्व चुनना चाहिए।

मनमर्जी का प्रदेश अध्यक्ष थोप रहा भाजपा नेतृत्व

तेलंगाना भाजपा 2018 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली थी, जब टी राजा सिंह गोशामहल से जीते थे, बहुत बाद में एम रघुनंदन राव और पूर्व मंत्री एटाला राजेंद्र क्रमशः दुब्बाक और हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्रों से उपचुनाव के माध्यम से विधानसभा में शामिल हुए थे। ▶10पर

जम्मू कश्मीर में बना नया गठबंधन पीएसी

सज्जाद लोन, यासीन और जमात ने मिलाया हाथ

श्रीनगर, 30 जून (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में एक नया गठबंधन बना है, जो भविष्य में सीएम उमर अब्दुल्ला और उनकी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए चुनौती बन सकता है। सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, हकीम यासीन की पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट और 2024 के जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले जमात-ए-इस्लामी गुट ने केंद्र शासित प्रदेश में एक राजनीतिक गठबंधन बनाने के लिए हाथ मिलाया है। गठबंधन को पीपुल्स अलायंस फॉर चेंज (पीएसी) नाम दिया गया है। सज्जाद लोन ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। उनके साथ यासीन और जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट (जेडीएफ) के संस्थापक अध्यक्ष शमीम अहमद थोकर भी थे। जेडीएफ एक राजनीतिक दल है जिसे जमात-ए-इस्लामी गुट ने बनाया है। इसने पिछले साल के विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार उतारे थे। सज्जाद लोन ने कहा, जम्मू-कश्मीर के ▶10पर

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में जोरदार धमाका

सिगाची फार्मा फैक्ट्री विस्फोट में 12 कर्मचारी मरे, 35 घायल

हैदराबाद, 30 जून (एजेंसियां)।

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पास मैलारम फेज-1 इलाके में सोमवार को एक केमिकल फैक्टरी में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और 35 से अधिक कर्मचारी घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और घटना में मरने वालों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

अधिकारियों ने बताया कि पशम्यलारम औद्योगिक एस्टेट में सिगाची फार्मा कंपनी में जहां विस्फोट हुआ, वहां कई श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। उन्हें बचाने का प्रयास जारी है।

पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का ऐलान

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 35 लोग घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और उनका इलाज जारी है। उनकी हालत के बारे में तत्काल पता नहीं चल पाया है, क्योंकि बचाव अभियान अभी भी जारी है। मल्टी जोन-2 के महानिरीक्षक वी सत्यनारायण ने बताया कि पशम्यलारम में रासायनिक उत्पादन फैक्ट्री सिगाची फार्मा में विस्फोट हुआ। यह घटना सुबह तकरीबन नौ बजे हुई। उन्होंने घटना में 12 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। छह शव बरामद किए गए हैं। चंदा नगर में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक फार्मास्युटिकल कंपनी है, ▶10पर

मणिपुर में फिर से तनाव बढ़ने के आसार

एक महिला समेत चार कुकी विद्रोहियों की हत्या

इंफाल, 30 जून (एजेंसियां)।

मणिपुर में चल रही हिंसक तनातनी के बीच आपसी रंजिश के कारण एक महिला समेत चार कुकी विद्रोहियों की गोली मार कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के पास एक गाड़ी पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने इस घटना को अंजाम दिया। ये हत्याएं राज्य में जातीय तनाव से संबंधित नहीं हैं, बल्कि कुकी विद्रोहियों के बीच आपसी संघर्ष के कारण हुई हैं। हमला दोपहर करीब 2 बजे चुराचांदपुर के मोंगजांग गांव के पास हुआ। एसयूवी से जा रहे कूकी विद्रोहियों पर दूसरी गाड़ी पर सवार बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। टार्गेटेड हमले में मारे गए लोगों की पहचान 48 वर्षीय थेनखोथांग हाओकिप उर्फ थापी, 34 वर्षीय सेखोगिन, 35 वर्षीय लेंगोहाओ और 72 वर्षीय महिला फाल्हिंग के रूप में की गई है। चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि उन्हें बहुत नजदीक से गोली मारी गई थी। घटनास्थल से एक दर्जन से अधिक खाली कारतूस बरामद किए गए हैं, जबकि किसी भी गुट ने अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

घटना के बाद घटनास्थल को सुरक्षित करने और तलाशी अभियान शुरू करने के लिए पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को इलाके में तैनात किया गया। ▶10पर

लोन के बहाने ठगने वाले ऐप और एजेंसियों पर होगी सख्ती

केंद्र सरकार शीघ्र लाएगी 'बुला' कानून

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार लोन देने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले ऐप और एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए नया कानून ला रही है। इस प्रस्तावित कानून का नाम बैनिंग आफ अनरेगुलेटेड लेंडिंग एक्टिविटीज (बुला) है, जिसे जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी मिलने वाली है। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी को रोकना और नागरिकों की सुरक्षा करना है। इससे कर्ज देने वाली उन गतिविधियों पर रोक लगेगी, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक या कोई दूसरी अधिकृत संस्था मंजूरी नहीं देती। साथ ही कम ब्याज पर लोन लेने के लिए संपर्क करें या पांच मिनट में कर्ज लें जैसे विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगेगा।

दरअसल, यह कानून मुख्य रूप से चीन व अन्य देशों से संचालित डिजिटल लेंडिंग ऐप पर रोक लगाने के लिए लाया जा रहा

जल्द ही मिलेगी केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

है। देश में कई लोगों के फर्जी लोन ऐप के चक्कर में फंसकर बर्बाद होने के मामले सामने आए हैं। ये ऐप लोगों को कर्ज देकर उन्हें ब्लैकमेल करते हैं, जिसकी वजह से कई लोग आत्महत्या भी कर चुके हैं। वर्ष 2023 में भोपाल के एक व्यक्ति को लोन रिकवरी के लिए इतना प्रताड़ित किया गया कि उसने दो छोटे-छोटे बच्चों और पत्नी के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। आए दिन ऐसे और भी कई मामले सामने आते हैं जब लोन देनदार समय पर किस्त न मिलने पर ग्राहक या उसके रिश्तेदार को धमकाने लगते हैं। उनके पास रिकवरी एजेंट के फोन आते हैं, उन्हें मानसिक प्रताड़ना या धमकी से गुजरना पड़ता है। गूगल ने सितंबर 2022 से अगस्त 2023 के बीच अपने प्ले स्टोर से 2200 से ज्यादा फर्जी लोन ऐप हटाए थे। सरकार द्वारा भी इस तरह के कई ऐप पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं, आरबीआई ने पहले से ही इन ऐप पर शिकंजा कसने के लिए गाइडलाइंस बना रखी हैं, इसके बावजूद ये लोगों को आसानी से फंसाने में कामयाब हो जाते हैं।

इस कानून के अमल में आने के बाद कई फर्जी डिजिटल लोन ऐप पर लगाम लगेगी और खामियां भी दूर होंगी। ▶10पर

यूपी की दलित लड़कियों को बनाया जा रहा मुसलमान

केरल ले जाकर दलित लड़कियों को बना रहे फिदाईन

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की दलित लड़कियों को केरल ले जाकर उन्हें मुसलमान बनाया जा रहा है। संदेह है कि जबरन मुसलमान बनाई गई लड़कियों को फिदाईन बनाने की तैयारी है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट काफी चौंकाने वाली है। इस गिरोह में कई मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में एक माह के भीतर द केरल स्टोरी की तरह का दो मामले सामने आ चुके हैं। प्रयागराज की एक नाबालिग दलित लड़की का धर्मांतरण करवा के उसे जेहाद के पाप में झोंका गया। यह काम दरकशा बानो नामकी एक मुस्लिम महिला ने किया, जिसने लड़की का ब्रेन वॉश किया।

इस मामले में पुलिस ने विस्तार से जांच की तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। दरकशा बानो दलित नाबालिग लड़कियों को

देशभर में गिरोह सक्रिय जांच में पुलिस निष्क्रिय

इस्लाम अपनाने के लिए ब्रेनवॉश करती है और उनमें हिंदू धर्म के प्रति जहर भरती है। दरकशा बानो ने दलित लड़की को पैसों का लालच दिया और झांसा देकर उसे केरल लेकर चली गई। दरकशा बानो ने दलित बच्ची को केरल ले जाकर उसका इस्लाम में धर्मांतरण करवा भी दिया। इसके बाद दरकशा ने उसे जेहाद में झोंकने का प्रयास किया। दलित बच्ची को आतंकवादी बनाने की साजिश थी। बताया गया कि दरकशा की सहायता मोहम्मद कैफ नाम के एक युवक ने की। पुलिस ने बड़ी मशक्कत करके पीड़ित बच्ची को पाप के संसार से निकाला और उसे प्रयागराज पहुंचाया। पुलिस ने दरकशा बानो और कैफ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दरकशा बानो पहले भी कई नाबालिगों को जेहादी नेटवर्क में शामिल करवा चुकी है। मामले में अब जांच चल रही है। जांच के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं। आगरा के एक परिवार ने भी हाल ही में अपनी दो बेटियों के इस्लामी धर्मांतरण गैंग में फंसने की शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित परिवार ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी 2021 में ही गायब हो गई थी। ▶10पर

नरेश मुनिजी सर्व समाज गौरव पद से अलंकृत

हमारी बुद्धि कभी कभी धोखा दे सकती है, मगर आपसी प्रेम कभी धोखा नही देता:नरेश मुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के तत्वावधान में रविवार को विश्वकर्मा जांगिड भवन में राजस्थानी सर्व समाजों का महाकुंभ संपन्न हुआ। सुबह 9.31 पर नरेश मुनि के मंगल प्रवेश पर पटेल समाज, राजपूत समाज, श्री मरुधरा जैन नवयुवक और महिला मंडल अपने परिधान में पहुँचे व राजस्थानी सर्व समाजों के अध्यक्ष एवं उनकी पूरी कार्यकारिणी की उपस्थिति में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र व कर्नाटका राज्य के ध्वज का ध्वजारोहण किया। ठीक दस बजे दिलखुश जैन एंड पार्टी द्वारा सत्संग व भजन का कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसमें मरुधरा संघ की महिला मंडल ने मंगलाचरण प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। दिलखुश ने सभी समाजों के धर्मगुरु व कुलदेवता पर प्रकाश डालकर भजनों की प्रस्तुतियाँ शुरू की। 11.20 पर नरेश मुनिजी का धर्म सभा में प्रवेश होते ही जैन परंपरा अनुसार पंखे व लाइट को बंद कर दिया गया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डाँ. जवरीलाल लूनावत जैन ने स्वागत भाषण की शुरुआत विमान हादसे में दिवंगत हुए सभी को श्रद्धांजलि देते हुए की। डाँ. लूनावत ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए सभी 17 समाजों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के इस महाकुंभ का श्रेय सभी 36 कौम को समर्पित करता हूँ व धर्म सभा में आपकी उपस्थिति व स्थिरता की सराहना करता हूँ। विश्व कर्मा भवन के अध्यक्ष का विशेष आभार व्यक्त कर कहा कि इस कार्यकम हेतु भवन उपलब्ध करवाया व हम सभी प्रवासी बंधुओं को संगठित होने का यह सुनहरा व स्वर्णिम अवसर नरेश मुनि के आशीर्वाद व उनकी प्रेरणा से मिला है। अतः हम सभी को आज संकल्प लेना है कि हम संगठित होने के लिये तैयार हैं व समय समय पर इस तरह के संतों के सानिध्य व मार्गदर्शन से भविष्य में भी एकजुट होकर आगे बढ़ते रहेंगे। आज की धर्म सभा में चार घंटे अनुशासन व शांति से बैठना यह बहुत बड़ा संदेश देता है कि हम सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास के सिद्धांत पर विश्वास करते हैं। 36 कौम की तरफ से नरेश मुनिजी को सर्व समाज गौरव पद से अलंकृत करना यह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जायेगा कि भारत के इतिहास में 36 कौम की तरफ से पहली बार जैन संतों को अलंकृत कर चादर भेंट की गयी। जैन समाज को भी इस पर गर्व महसूस करना होगा व सर्व समाजों को साथ लेकर चलना होगा। सभा में राजपूत समाज, महाराणा प्रताप नवयुवक मंडल, करनी सेना, राजपुरोहित संघ व राजपुरोहित समाज, आंजणा पटेल कलबी समाज, पटेल नवयुवक मंडल, सिरवी समाज, घांची समाज, रावत समाज, रावणा राजपूत समाज, गौड़ ब्राह्मण समाज, नाथ समाज, गौ स्वामी समाज, दर्जी समाज, जाट समाज, विश्नोई समाज, माली समाज, माहेश्वरी समाज, शर्मा ब्राह्मण समाज, देवासी समाज, जैन समाज, सैन समाज, प्रजापत समाज, कुमावत समाज, वैष्णव समाज, चारण समाज, खत्री समाज के सभी अध्यक्षों का स्वागत प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ की कार्यकारिणी द्वारा दुपट्टा पहनाकर किया गया। महासती ने प्रवचन की शुरुआत भजन से की। मारवाड़ी में प्रवचन देकर सभी का दिल जीत लिया व युवा मनिषी शाली भद्रजी ने भजन से अपनी बात की शुरुआत की व मारवाड़ी समाज को संगठित होने की आवश्यकता पर जोर देकर कहा कि बँटोगे तो कटोगे। प्रत्येक समाज में अनेक गुट हो गये हैं और आज जो परिस्थिति दक्षिण भारत में मारवाड़ी समाज की बनी हुई है उस पर आपको ईमानदारी से मंथन व चिंतन करना होगा। नरेशमुनि ने अपने संबोधन में कहा कि मारवाड़ी पहचान व संस्कृति को आपने इस कार्यक्रम में शालीनता बनाये रखकर किया। आपसी प्रेम व परस्पर सहयोग की भावना पर महाभारत के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत कर कहा कि परिवार व समाज में जब तक संगठन व सहयोग की भावना नहीं होगी तब तक कोई भी कार्य शान्ति के साथ संपन्न नहीं होगा। हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी। जब समाज व परिवार संगठित होता है, तब न केवल एकता स्थापित होती है बल्कि बड़े से बड़े लोगों को भी उस एकता के सामने झूकना पड़ता है।

त्याग की भावना होगी तो ही हम सफल हो सकते है

हमारी बुद्धि कभी कभी धोखा दे सकती है। मगर आपसी प्रेम कभी धोखा नही देता। संघ व समाज व परिवार में एकजूटता एवं अपनत्व बनाये रखने के लिये हमारे भीतर त्याग की भावना होगी तो ही हम सफल हो सकते है। नरेश मुनि ने विभिन्न समाजों की उपस्थिति व अनुशासन व स्थिरता की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी तरह के कार्य को सफल करने के लिये सभी की जरूरत होती है, परंतु शुरु से आगे रहकर व नींव की तरह काम करने वाले व्यक्ति भी सफलता के लिये उतने ही महत्वपूर्ण होते है। नरेश मुनि ने आज के इस समागम के कार्यक्रम की सफलता का श्रेय सभी 36 कौम को देकर कहा कि प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के तत्वावधान में यह कार्यक्रम निश्चय ही सराहनीय है। सभी समाजों के अध्यक्ष ने नरेश मुनिजी को आदर की चादर भेंट कर उनको प्रवासी राजस्थानी सर्व समाज गौरव पद से अलंकृत कर सम्मान पत्र उनकी सेवा में समर्पित किया। मंच का संचालन संग के प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपुरोहित, केलचंद सालेचा व अविनाश गुलेचछा ने किया। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, उत्तम बागमार व कांतीलाल गुलेचछा ने आभार जताया।

अष्टम वार्षिक अधिवेशन में जितेश कुमार दक अध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की अष्टम वार्षिक अधिवेशन तेरापंथ सभा भवन राजाजीनगर में समायोजित हुई। अधिवेशन का आगाज सामूहिक नमस्कार महामंत्र से करते हुए तेयुप द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर समूह ने विजय गीत का संगान किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेयुप परामर्शक एवं संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना द्वारा किया गया। उपाध्यक्ष द्वितीय संजय मांडोत ने गत सप्तम वार्षिक अधिवेशन सत्र 2023-24 का वाचन करते हुए उसे उपस्थित सदन से पारित करवाया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल पूर्ण होने पर गुरुदेव एवं अन्य साधु साध्वीयों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी पदाधिकारीगण एवं कार्यकारीणी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री जयंतीलाल गाँधी ने वर्ष 2024-25 के त्रि-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के अंतर्गत संपादित कार्यों का प्रगती-प्रतिवेदन के माध्यम से सदन को अवगत कराकर उसे पारित करवाया। कोषाध्यक्ष रवि चौधरी ने वर्ष 2024-25 का आय-व्यय का ब्यौरा सदन में प्रस्तुत कर पारित करवाया। तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, सभा मंत्री एवं तेयुप परामर्शक चंद्रेश मांडोत, संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना, तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर, सीपीएस के राष्ट्रीय सलाहकार सतीश पोरवाड़, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, प्रबुद्ध विचारक अरविंद गन्ना एवं कैबिनेट पदाधिकारीगण ने अपने विचार व्यक्त किए। तेयुप परामर्शक, पदाधिकारीगण, कार्यकारणी सदस्य एवं सेवा निवृत्त सदस्यों का मोमेंटम द्वारा सम्मान किया गया। बैठक के दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी चंद्रेश मांडोत ने वर्ष 2025-26 के लिए सर्वसम्मति से जितेश दक को अध्यक्ष के रूप में मनोनीत करने की घोषणा की। इसी के साथ अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने नवमनोनित अध्यक्ष का स्वागत करते हुए आगामी यशस्वी कार्यकाल की मंगलकामनाएं संप्रेषित की। नवमनोनित तेयुप अध्यक्ष जितेश दक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यकाल में सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में पुरजोर कार्य करने हेतु सभी युवा साथियों के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर सभा के निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, शंकर दक, मदनलाल बोराना, विमल पितलीया, उत्तम गन्ना, हंसराज चौधरी, संतोष पोरवार, अशोक श्रीश्रीमाल, संजीवकुमार गन्ना, मनोज मेहता, किरण कोठारी, अनिल भंडारी, रनीत कोठारी, तेयुप पदाधिकारीगण, कार्यकारणी सदस्य, परिषद सदस्य की उपस्थिति रही।

आपका असली जीवन साथी आपका शरीर: साध्वी भव्य गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री नागेश्वर पार्श्व भैरव धाम दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्य गुणा ने कहा कि आपका जीवन साथी कौन है? माँ, पिता, पत्नी, बेटा, पति, बेटी, दोस्त? बिल्कुल नहीं। आपका असली जीवन साथी आपका शरीर है। एक बार जब आपका शरीर जवाब देना बंद कर देता है तो कोई भी आपके साथ नहीं है। आप और आपका शरीर जन्म से लेकर मृत्यु तक एक साथ रहते हैं। जितना अधिक आप इसकी परवाह करते हैं, उतना ही ये आपका साथ निभाएगा। आप क्या खाते हो? फिट होने के लिए आप क्या करते हैं? आप तनाव से कैसे निपटते हैं? आप कितना आराम करते हैं? आपका शरीर वैसा ही जवाब देगा। याद रखें कि आपका शरीर एकमात्र स्थायी पता है जहां आप रहते हैं। आपका शरीर आपकी संपत्ति है, जो कोई और साझा नहीं कर सकता है। आपका शरीर आपकी जिम्मेदारी है। इसलिये आप हो इसके असली जीवनसाथी। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर काईपेट अध्यक्ष पुनमचंद जैन ने बताया कि साध्वीवृंद की सेवा में गुरु राजेंद्र महिला मंडल महिला परिषद ट्रस्टीगण उपस्थित हुए। महावीर संघवी, राजू भंडारी, विकास सोलंकी, बेंगलूरु से भरत कानुगा, नरपत फोलामुथा, अरुणा कानुगा, दिव्या फोलामुथा, सरोज मेहता ने सेवा का लाभ लिया।

बेंगलूरु के प्राचीनतम संघ में गुरुदेवों का मंगल प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट के तत्वावधान में आचार्यदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती तार्किक शिरोमणि, विशिष्ठ ज्ञानी पुरुष, श्रमणी गणनायक, अनेक पुस्तकों के लेखक परम पूज्य आचार्यदेव श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी की निश्रा में पंन्यास प्रवर श्री जयभानुशेखरविजयजी, मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी के साथ साथ श्री चंद्रशेखरविजयजी के सुशिष्य श्री गुणहंसविजयजी एवं परम पूज्य साध्वीजी श्री हर्षज्योतिश्रीजी, श्री अर्हमज्योतिश्रीजी सोमवार को मंगल चातुर्मास प्रवेश निमित्त चिकपेट श्रीसंघ में पधारें। सकल श्री संघ में खूब उत्साह भरा माहौल रहा।

प्रातः 8:30 बजे श्री बी.वी.के. आएंगर रोड अभिनय थिएटर के पास भव्य सामैया के पश्चात विविध राजमार्गों से होते हुए मंदिरजी में गुरुदेवों को वधाकर श्रीसंघ ने मंगल प्रवेश कराया। गुरुभगवंतों के विहार और वैयावच्च का कार्यभार चिकपेट श्रीसंघ के अंतर्गत कार्यरत अर्हम् ग्रुप ने संभाला। चिकपेट श्री संघ के अंतर्गत चल रही भंडारी स्कूल के विद्यार्थियों ने भी खूब उत्साह से बैंड और सलामी के साथ स्वागत किया। धर्मसभा में संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी ने पूज्यश्री के ज्ञान के विशिष्ट गुणों को बताते हुए उनका, पंन्यास जी, मुनिराजों व साध्वीजी भगवंतों और श्रावक श्राविकाओं का स्वागत किया। परम पूज्य मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी का चातुर्मास चिकपेट श्रीसंघ में है। उन्होंने फरमाया की छोटी उम्र में बच्चों को जीवन जीने की कला सिखाने हेतु उन्हें सशक्त करना होगा। संस्कारों से भी और शारीरिक बल से भी। प्रकाश राठौड़ ने सभी को मासक्षमण करने के लिए उत्साहित किया। सभा का संचालन विक्रम गुरुजी ने किया।

सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप क्रिकेट ट्रॉफी का शानदार शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु का सुनील शर्मा चैम्पियंस कप क्रिकेट ट्रॉफी का रविवार को शर्मा ट्रांसपोर्ट के तत्वावधान में गांधीनगर स्थित बेस कैम्प खेल मैदान में शानदार शुभारंभ हुआ। रविवार प्रातः समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने भगवान भास्कर के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलन किया। सर्वप्रथम मैच किंग्स इलेवन एवं टाइटन इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें किंग्स इलेवन विजयी रहा। दूसरा मैच बाहुबली और नाईट राइडर्स के बीच खेला गया। जिसमें नाइट राइडर्स विजयी रहा। तीसरा मैच एवेंजर्स और चैलेंजर बॉयज के बीच खेला गया, जिसमें एवेंजर्स टीम विजेता रही। चौथा मैच किंग्स इलेवन और नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, जिसमें किंग्स इलेवन टीम वेजेता रही। पांचवां मैच बाहुबली एवं चैलेंजर बॉयज के बीच खेला गया, जिसमें चैलेंजर बॉयज विजेता रही। छटा मैच एवेंजर्स और टाइटन इलेवन के बीच खेला गया जिसमें टाइटन इलेवन टीम विजेता रही। अंतिम मैच स्टार इलेवन और बाहुबली के बीच खेला गया जो सबसे रोमांचक मैच रहा, जिसने दर्शको की खूब तालियां बटोरी। खेले गए मैच में सात टीमों के एक सौ पांच खिलाड़ियों ने भाग लिया। सेमीफाइनल और फाइनल मैच आगामी रविवार छह जुलाई को इसी मैदान में खेला जाएगा। इस अवसर जयंतीलाल शर्मा, जे.बाबूलाल, महेंद्र शर्मा, अशोक शर्मा, गोविंद शर्मा, श्रीनिवास शर्मा, जेठमल शर्मा, भरत शर्मा, ललित शर्मा, भवानीशंकर शर्मा एवं माध्यम महिला मंडल की महिलाएं सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
डॉ. शशिलेखा नायर को साउथ इंडिया बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम हाल ही में बेंगलूरु के टाउन हॉल में नृत्यांगना द्वारा आयोजित किया गया था। पूर्व मिसेज ग्रैंड यूनिवर्स, भरतनाट्यम डांसर और उद्यमी डॉ. शशिलेखा नायर ने जयाप्रदा से पुरस्कार प्राप्त करने पर अपनी खुशी व्यक्त की, जो एक प्रमुख अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ हैं।

प्रसन्न धोका बने नए अध्यक्ष, विमल धारीवाल को मिला सेवा कार्यों के लिए सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद्, बेंगलूरु की 42वीं वार्षिक साधरण आम सभा रविवार को प्रातः 10:30 बजे तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में अत्यंत गरिमा, उत्साह और संगठनात्मक समर्पण के साथ संपन्न हुई। साधरण सभा में परिषद् के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, आम सदस्य, आमंत्रित अतिथि की उपस्थिति रही। साधारण सभा का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, तत्पश्चात प्रज्ञा संगीत सुधा व सेवा-निवृत्त सदस्यों द्वारा विजय गीत की प्रस्तुति दी। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन निवर्तमान अध्यक्ष रजत बैद द्वारा किया गया। सहमंत्री प्रथम अंकित छाजेड़ ने पिछले वर्ष की कार्यवाही का वाचन किया। विमल धारीवाल ने अध्यक्षीय स्वागत भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और सेवा कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। मंत्री राकेश चोरड़िया द्वारा प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में परिषद् की सेवा, संस्कार और संगठन से जुड़ी विविध गतिविधियों को रेखांकित किया गया एवं जिसे सभा ने अनुमोदित किया। कोषाध्यक्ष महेन्द्र कोचर ने आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिस सभी ने अनुमोदित किया। साधारण सभा के दौरान सेवा-निवृत्त सदस्यों, कार्यकारिणी सदस्यों, रास्ते की सेवा में अग्रणी 5 कार्यकर्ताओं एवं प्रबंध मंडल का उचित सम्मान मोमेंटो व उपहारों के माध्यम से किया गया। विशेष रूप से प्रज्ञा भक्ति गीत संग्रह पुस्तिका सभी सदस्यों को भेंट की गई, जिसे सभी ने सराहा। चुनाव अधिकारी प्रकाश कुंडलिया, सह चुनाव अधिकारी विनय बैद एवं चंदनमल बोहरा के संचालन में सम्पन्न निर्वाचन में प्रसन्न धोका को सर्वसम्मति से नव अध्यक्ष मनोनीत किया गया। साधारण सभा का समापन सहमंत्री प्रतीक जोगड़ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस बार दशहरा का उद्घाटन मैं खुद करूंगा

मेरी सरकार 5 साल तक चट्टान की तरह मजबूत रहेगी: सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि इस बार दशहरा का उद्घाटन मैं खुद करूंगा। मेरी सरकार 5 साल तक चट्टान की तरह मजबूत रहेगी। कोई कुछ भी कहे, मेरे और डी.के. शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं होगा। मैसूरु एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने में माहिर है। वह जो कुछ भी कहते हैं, वह सच नहीं होता। मैं और डी.के. शिवकुमार ठीक हैं। कोई कुछ भी कहे, हम उसकी बात नहीं सुनेंगे। इस मौके पर डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया ने हाथ पकड़कर और एकजुटता दिखाते हुए आलोचनाओं और विपक्षी दलों पर पलटवार करने की कोशिश की। विपक्षी नेता आर. अशोक और भाजपा के पूर्व मंत्री श्रीरामलु ने भविष्यवाणी की थी कि सिद्धरामैया इस बार दशहरा का

उद्घाटन नहीं करेंगे। इस पर सिद्धरामैया ने तीखी प्रतिक्रिया दी और मीडिया से पूछा। जब मीडिया ने कहा कि शायद आप दशहरा का उद्घाटन कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि मै ही करुंगा। एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलूरु आए हैं। वे विधायकों की राय जानेंगे। उनसे पूछेंगे कि उनकी क्या समस्याएं हैं और पार्टी संगठन पर भी चर्चा करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि वे अपना काम करेंगे। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, जो सिद्धरामैया के करीबी मित्र हैं, ने हाल ही में एक बयान दिया था और कहा था कि सितंबर में राजनीतिक क्रांति होगी। हालांकि उन्होंने इस बात पर स्पष्टता नहीं दी कि यह किस तरह की क्रांति होगी, लेकिन चर्चा थी कि केपीसीसी अध्यक्ष बदल जाएगा, कुछ मंत्रियों की सत्ता चली जाएगी और नए लोगों को मौका मिलेगा। विधायक बी.आर. पाटिल ने सार्वजनिक बयान दिया और आवास विभाग पर मकानों को मंजूरी देने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया। विधायक राजू कागे ने कहा कि सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था बेकार है। उन्होंने कहा था कि वे 2-3 दिनों में विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। ये बयान गंभीर रूप ले रहे हैं और एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलूरु पहुंचे हैं। राजन्ना के सितंबर क्रांति वाले बयान में एक तरफ यह भविष्यवाणी की गई थी कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कांग्रेस अध्यक्ष पद से हट जाएंगे, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में बदलाव की चर्चाएं भी थीं। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार के बीच मतभेद हैं। विपक्षी नेता आर. अशोक और अन्य ने भविष्यवाणी की थी कि सितंबर तक मुख्यमंत्री बदल जाएगा और दशहरा के उद्घाटन में कोई दूसरा मुख्यमंत्री भाग लेगा। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार ने इस तरह के भ्रम को दूर करने के लिए एक-दूसरे का हाथ थामकर और हाथ उठाकर एकजुटता दिखाई है।

सड़क हादसे में वोक्कालिगारा संघ के निदेशक समेत एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुनिगल-बिदनागेरे बाईपास पर तेज रफ्तार कैंटर ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे एक भीषण सड़क हादसे में तालुक वोक्कालिगारा संघ के निदेशक समेत एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में रामनगर जिले के मगदी तालुक के मट्टीकेरे गांव के मूल निवासी सीबे गौड़ा (48), उनकी पत्नी शोभा (42), बेटी दुंबी (16) और बेटा भानु किरण गौड़ा (14) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सीबे गौड़ा परिवार मगदी कस्बे के नटराज लेआउट में रहता था। सीबे गौड़ा की दो बेटियां और एक बेटा है, जबकि उनकी सबसे बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। उनका बेटा भानु किरण गौड़ा कुनिगल के पास अरविंद स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ता था। भानुकिरण गौड़ा शनिवार को स्कूल खत्म करने के बाद मगदी आया था। इसलिए, सीबे गौड़ा रविवार रात अपने बेटे को स्कूल के छात्रावास में छोड़ने के लिए अपने परिवार के साथ कार में जा रहे थे। जब कार कुनिगल बाईपास पर उगीबांडी रेस्तरां के पास यू-टर्न ले रही थी, तब हासन से बेंगलूरु की ओर जा रहे एक कैंटर वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। खबर मिलने पर कुनिगल पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर नवीन गौड़ा और उनके स्टाफ ने घटनास्थल का दौरा किया और शवों को कुनिगल सरकारी अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमार्टम के बाद उन्हें वारिसों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। सीबे गौड़ा की एक और बेटी, रिश्तेदार और परिवार के सदस्य जो दुर्घटना की खबर सुनकर अस्पताल पहुंचे थे, वे आंसुओं से भर गए। तालुक वोक्कालिगरा संघ के निदेशक सीबे गौड़ा मगदी विधायक एच.सी. बालकृष्ण गौड़ा के भतीजे, वे बालकृष्ण द्वारा शुरू की गई भारत गैस एजेंसी में काम करते थे, लेकिन बाद में उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी और राजनीति में आ गए। जैसे ही खबर मिली कि सीबे गौड़ा के परिवार के चार सदस्यों की दुर्घटना में मौत हो गई है, विधायक बालकृष्ण और नगर परिषद सदस्य पुरुषोत्तम सहित कई राजनीतिक नेता अस्पताल के पास एकत्र हो गए।

राजस्व विभाग के सर्वेक्षण नंबर वाली भूमि के लिए

फॉर्म 9-11 जारी करने वाले पीडीओ के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने राजस्व विभाग के सर्वे नंबर वाली जमीनों के लिए फॉर्म 9-11 जारी करने वाले ग्राम पंचायत पीडीओ के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने सोमवार को बेलगावी जिले में विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक करते हुए अधिकारियों के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया। अगर पीडीओ सर्वे नंबर वाली जमीनों के लिए फॉर्म 9-11 जारी कर रहे हैं, तो राजस्व विभाग को वहां क्यों होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण का अधिकार प्राप्त करने के लिए स्पष्ट नियम हैं। अगर यह निजी जमीन है, तो यह दान या खरीद के रूप में होनी चाहिए। अगर यह सरकारी जमीन है, तो इसे मंजूरी दी जानी चाहिए। इसके अलावा किसी अन्य तरीके से स्वामित्व हासिल नहीं किया जा सकता है। उन्होंने सवाल किया कि राजस्व विभाग फॉर्म 9-11 के माध्यम से भूमि

स्वामित्व जारी करने वाले ग्राम पंचायत पीडीओ को कैसे स्वीकार कर सकता है। लोग भी समस्या को नहीं समझते हैं। वे रिश्वत देते हैं और 9-11 फॉर्म प्राप्त करते हैं। अधिकारी दुकान के दरवाजे बंद करके बैठे रहते हैं और सोचते हैं कि पैसा कहां से आए। वे आंखें मूंद कर ऐसा करते हैं। उनका उद्देश्य हर चीज को वैध बनाना और लोगों के लिए शांतिपूर्ण माहौल बनाना है। इसलिए मैंने कई बार समझाया है। वे चौंक गए और कहा कि उन्हें नहीं पता कि मैं इसे किस अन्य भाषा में समझाऊं। संयुक्त आरटीसी को लेकर कई विवाद हैं। विभाग का उद्देश्य उन्हें अलग करना और पोडिमुक्ता अभियान में संबंधित मालिकों को अधिकार प्रदान करना है। संयुक्त सर्वेक्षण संख्या को वैसे ही नहीं छोड़ा जा सकता है। इस बारे में सभी को सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीबों को अधिकार देने के लिए बहस करना सही नहीं है। बेलगावी जिले में जेजेएम के तहत 2004 गांव होने की जानकारी है। राजस्व विभाग में केवल 1800 गांव गिने जाते हैं। 70 नए गांवों को राजस्व गांव घोषित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। लेकिन इसके दायरे में और गांवों को लाना जरूरी नहीं लगता। अधिकारियों ने राजस्व गांवों को दिशा-निर्देशों को ठीक से पढ़ने और अपना काम करने की सलाह दी। इस बार सामान्य से अधिक बारिश हुई है। कृष्णा नदी में 1 लाख क्यूसेक पानी की आवक है। महाराष्ट्र में 50 प्रतिशत जलाशय भर गए हैं। फिलहाल वहां से पानी का बहाव नहीं हो रहा है। इसलिए बाढ़ का डर नहीं है। लेकिन आने वाले दिनों में उचित सावधानी बरतने की जरूरत है। आपदा आने पर राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। लेकिन समस्याओं को रोकने के लिए सावधानी बरतना पहली प्राथमिकता है। कृषि को होने वाले नुकसान से बचाना मुश्किल है। लेकिन आबादी वाले इलाकों में समस्याओं को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को हटाना चाहिए, भले ही ऐसा करना मजबूरी हो। इसके लिए जागरूकता के लिए जरूरी फंड मुहैया कराए जाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्राम पंचायत की टास्क फोर्स को सक्रिय किया जाना चाहिए।

दलितों के खिलाफ अभियान तत्काल बंद किया जाना चाहिए: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मंत्री ईश्वर खंड्रे पर दलितों का गला घोंटने का आरोप लगाया है। वे सोमवार को विधान सौधा में गांधी प्रतिमा के पास अपने नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान बोल रहे थे। वन विभाग बेंगलूरु सिटी जिले के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र के बिदराहल्ली होबली के कडुगोडी के दिन्नूर गांव में दलितों द्वारा खेती की जा रही कीमती भूमि पर कब्जा करने जा रहा है। उन्होंने मंत्री ईश्वर खंड्रे के इस कदम की आलोचना करते हुए इसे दलितों का गला घोंटने वाला बताया। मुख्यमंत्री को दलितों के खिलाफ चल रहे अभियान तत्काल बंद करने चाहिए। वन विभाग ने अपना काम छोड़कर कीमती भूमि पर कब्जा करना शुरू कर दिया है। कई प्रयासों के बावजूद मुख्यमंत्री उनसे नहीं मिल पाए हैं। इसलिए, हम मुख्य सचिव से अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने मुख्यमंत्री के सचिव कैयाल से भी अपील की है। दिन्नूर में 711

एकड़ जमीन थी। इसमें से 278 एकड़ रेलवे विभाग को, करीब 3 एकड़ मंदिर को, 13 एकड़ सड़क को, 13 एकड़ इंदिरा कैंटीन को, 20 एकड़ दिन्नूर कॉलोनी में मकान बनाने के लिए दी गई। ढाई एकड़ कब्रिस्तान, 32 एकड़ बस्ती बनाने के लिए और साढ़े चार एकड़ पुलिस थाने को दी गई। 125 एकड़ पर कृषि कार्य हो रहा है। इसमें से 45 एकड़ मेट्रो को दी गई। सरकार ने 1950 में ही वहां किसानों को जमीन आवंटित कर दी थी। उन्होंने कहा कि तब से किसान वहां खेती कर रहे हैं और दलितों पर हमले बंद होने चाहिए। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर रही है और गुमराह कर रही है, उन्हें भी यह बंद करना चाहिए। जमीन खाली करने के खिलाफ स्थगन आदेश है। हालांकि उन्होंने कहा कि जमीन खाली करने का प्रयास निंदनीय है। उन्होंने बताया कि केआईएडीबी ने 1982 में किसानों से जमीन अधिग्रहित कर मुआवजा दिया था। पूर्व सांसद एस मुनीस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार दलित किसानों की जमीन खाली कराने की कोशिश कर रही है। उन पर अत्याचार, मारपीट और झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं, जो निंदनीय है। उन्होंने पूछा कि क्या सिर्फ दलित किसान ही कानून के दायरे में आते हैं। अगर वह सब वन विभाग का है तो रेलवे को दी गई जमीन भी खाली कराई जाए। केआईएडीबी को दी गई जमीन भी खाली कराई जाए। मेट्रो, पुलिस स्टेशन आदि के लिए दी गई जमीन भी खाली कराई जाए। विरोध प्रदर्शन में विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधान परिषद सदस्य केशव प्रसाद, विधायक सीमेंट मंजूनाथ, पूर्व सांसद एस. मुनीस्वामी, पूर्व विधायक वाई. संपांगी, वाई. रामक्का, एस. बलाराजू आदि नेता मौजूद थे।

सड़क हादसे में व्यक्ति घायल

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मणि-मैसूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुकरमपडी के पास रविवार शाम को एक जीप और लॉरी के बीच टक्कर हो गई, जिसके परिणामस्वरूप जीप चालक घायल हो गया। घायल चालक मनोज है, जो देवस्या का निवासी है। उसी मार्ग पर यात्रा कर रहे युवा कांग्रेस के राज्य महासचिव श्रीप्रसाद पनाजे और पुत्तूर निर्वाचन क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष फारूक पेरने ने घायलों को तुरंत अपनी कार में पुत्तूर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

शिवमोग्गा के पास कुमसी में 32 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा तालुक के कुमसी में लगभग 32 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान वासु के रूप में हुई है। स्थानीय पुलिस को हत्या में गांव के ही दो लोगों की भूमिका पर संदेह है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हत्या का कारण गांव की ही एक महिला के साथ वासु का अवैध संबंध हो सकता है। शिवमोग्गा के एसपी जी.के. मिथुन कुमार ने मीडिया को बताया कि कुमसी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

दिल के दौरे से मौतों का सिलसिला

सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कार्रवाई करेगी और समाधान ढूंढेगी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले 40 दिनों में हासन जिले में दिल के दौरे से 23 से अधिक युवाओं की मौत के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया है कि सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कार्रवाई करेगी और समाधान ढूंढेगी। यहां हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने दिल के दौरे के मामलों की श्रृंखला को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि दिल के दौरे के कारणों का पता लगाने और समाधान खोजने का प्रयास किया जाएगा। मौत के सभी मामलों की जांच करना संभव नहीं है। लेकिन सरकार समस्या और समाधान पर चर्चा करेगी। महाराष्ट्र सरकार ने द्विभाषी फॉर्मूले को लागू किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी द्विभाषी फॉर्मूले के पक्ष में है। कावेरी न्यायाधिकरण-2018 के फैसले के अनुसार तमिलनाडु को 177.25 टीएमसी पानी छोड़ने पर हमें कोई आपत्ति

नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में अच्छी बारिश हुई है और तमिलनाडु को निर्धारित मात्रा से अधिक पानी छोड़ा गया है।

2023-24 में पानी कम बहेगा। पिछले साल 177.25 टीएमसी की जगह 305 टीएमसी छोड़ा गया था। इस महीने 9 टीएमसी की जगह 22 टीएमसी छोड़ा गया है। संकट के समय तमिलनाडु को भी समस्या साझा करनी चाहिए। ट्रिब्यूनल के फैसले के अनुसार निर्धारित पानी छोड़ने पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को अतिरिक्त पानी को संग्रहित करने के लिए मेकेदातु संतुलित बांध के निर्माण में सहयोग करना चाहिए। इस बीच, डी.के. शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मेकेदातु बांध के निर्माण को लेकर कनकपुरा में एक कार्यालय पहले ही खोला जा चुका है। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया और वन विभाग को वैकल्पिक भूमि आवंटन सहित विभिन्न प्रक्रियाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने कोर्ट पर भी दबाव बनाया है। सिद्धरामैया ने मांग की कि केंद्र सरकार को मेकेदातु के लिए अनुमति देनी चाहिए। तमिलनाडु सरकार ने सिंचाई क्षेत्र में 14 फीसदी का विस्तार किया है। कर्नाटक राज्य न्यायाधिकरण के फैसले में आवंटित पानी का पूरा उपयोग करने के लिए कदम उठाए गए हैं या नहीं, इस सवाल के जवाब में सिद्धरामैया ने कहा, हमने सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। वहीं, डीके शिवकुमार ने कहा कि मांड्या समेत केआरएस इलाकों में सिंचाई विस्तार के लिए बजट में 1,000 करोड़ रुपये और वरुणा इलाके के लिए 400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम हिस्से तक पानी पहुंचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

नंदी हिल्स पर पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला कलेक्टर रवींद्र ने कहा कि 2 जुलाई को नंदीगिरी धाम में होने वाली 14वीं कैबिनेट बैठक के मद्देनजर हिल स्टेशन पर आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, सभी कैबिनेट मंत्री, विधायक, विधानसभा सदस्य, विभाग प्रमुख और पत्रकार शामिल हो रहे हैं, जिसे देखते हुए यह प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि नंदीगिरी धाम आने-जाने के लिए एक ही सड़क होने के कारण यातायात बढ़ने के कारण एहतियात के तौर पर सोमवार से 3 जुलाई तक पर्यटकों और वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। दो जुलाई को नंदीगिरी धाम में होने वाली कैबिनेट बैठक के मद्देनजर आम लोगों के प्रवेश पर चार दिन का प्रतिबंध लगाया गया था और इसी पृष्ठभूमि में रविवार को हिल स्टेशन पर पर्यटकों का हुजूम उमड़ पड़ा। नंदी हिल्स की सड़कें और पार्किंग भी भरी हुई थीं, करीब 5 किलोमीटर तक

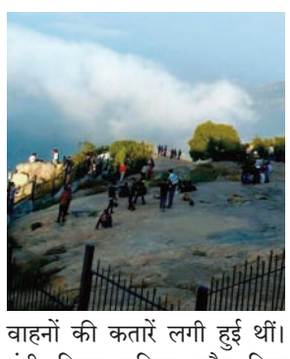

वाहनों की कतारें लगी हुई थीं। नंदी हिल्स पुलिस और हिल स्टेशन के कर्मचारियों को जाम को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान बोलने वाले कुछ पर्यटकों ने कहा कि वे प्रकृति की खूबसूरती का आनंद लेने आए थे, क्योंकि दफ्तर बंद थे और बच्चे भी थे। इसका मतलब है कि आज वीकेंड पर आने वाले पर्यटकों से ज्यादा लोग आए थे। कुछ अन्य लोगों ने यह कहकर अपनी खुशी साझा की कि उन्हें सप्ताह के दिनों में आने की छुट्टी नहीं है, इसलिए वे वीकेंड पर आते हैं। पुलिस नंदी हिल्स के प्रवेश द्वार पर सीमित वाहनों को ही जाने दे रही थी। कुछ वाहनों को वापस जाने के बाद जाने दिया गया।

अमरनाथ यात्रा के लिए ऑन-स्पॉट पंजीकरण शुरू

जम्मू, 30 जून (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के कारण इस बार की अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण में कमी को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने यात्रा शुरू होने से तीन दिन पहले ही आज से ऑन-स्पॉट पंजीकरण की शुरूआत कर दी। निर्दिष्ट पंजीकरण केंद्रों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि श्रद्धालु पवित्र तीर्थयात्रा के लिए अपने परमिट सुरक्षित करने के लिए सुबह से ही कतार में लग गए थे। दूर-दराज के राज्यों से आए कुछ श्रद्धालुओं ने आशा और भक्ति के साथ अपनी बारी का इंतजार किया, जिससे माहौल मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक उत्साह से भर गया।

तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। इसमें शामिल होने के लिए जम्मू से पहला जत्था दो जुलाई को यात्री निवास भगवतीनगर से रवाना होगा। विभिन्न प्रदेशों से शिव भक्त जम्मू पहुंचना शुरू हो गए हैं।

तत्काल पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है पर सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम में आम लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई है। पहलगाम आतंकी हमले के बावजूद तीर्थयात्री पवित्र यात्रा करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं। जम्मू पहुंची एक श्रद्धालु माया कौल ने कहा, हम यहां छह लोग हैं और पहलगाम से होकर जाएंगे। हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है और किसी भी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों से बड़ी संख्या में अमरनाथ यात्रा

पर आने का आग्रह करती हूं।

15 श्रद्धालुओं के समूह के साथ मुंबई से आए शकलदीप झा ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। हम पहलगाम मार्ग से यात्रा जारी रखेंगे।

जब उनसे हाल ही में हुए हमले के बाद किसी भी आशंका के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दृढ़ता से जवाब दिया कि हमें किसी बात का डर नहीं है। हमारी सेना हमारी रक्षा के लिए मौजूद है। जब तक हमारे पास हमारी सेना है, हम बिना किसी डर के कहीं भी जा सकते हैं।

लोगों को बिना किसी डर के बड़ी संख्या में यहां आना चाहिए। इसी तरह से उत्तर प्रदेश के एक अन्य तीर्थयात्री दीपक शर्मा ने बारिश के मौसम के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प के बारे में बताया।

38 दिनों तक जम्मू झेलेगा रोडबंदी

जम्मू, 30 जून (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा की कुशलता के लिए जम्मू की जनता 38 दिनों तक रोडबंदी की असुविधाएं झेलेगी। अमरनाथ यात्रा यात्रा को लेकर यातायात पुलिस ने जम्मू शहर के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत जम्मू के भगवती नगर से लेकर नगरोटा तक वाया एशिया क्रासिंग, बिक्रम चौक, बीसी रोड, रिहाड़ी, अम्फला और नगरोटा तक श्रद्धालुओं के जत्था गुजरते समय आम वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। यहां तक कि इस मार्ग को जोड़ने वाले लिंक रोड भी बंद रहेंगे।

जम्मू के भगवतीनगर से बालटाल आधार शिविर के लिए सुबह चार बजे और पहलगाम के लिए सुबह 4.30 बजे जत्था रवाना किया जाएगा। यात्रा रवाना होने के आधा घंटा पहले ही तय रूट पर अन्य वाहनों की आवाजाही बंद कर जाएगी और जत्था गुजरने के 10 मिनट बाद आवाजाही बहाल होगी। जम्मू से श्रीनगर जाने वाले वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह छह बजे से दोपहर तक ही जाने की अनुमति होगी। रात 10 बजे के बाद भारी वाहन एवं 12 बजे के बाद छोटे वाहनों को नगरोटा से आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। शहर में छह कट आफ प्वाइंट भी बने हैं। यहां से भी रात 10 बजे से भारी वाहनों और 12 बजे के बाद छोटे वाहनों को जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। पुलिस ने ये भी स्पष्ट किया कि उक्त तय समय हर दिन की स्थिति पर निर्भर करेगा। यात्रा रवाना होने के समय में यदि कुछ बदलाव होता है तो ये अवधि बढ़ भी सकती है या फिर आवाजाही होगी ही नहीं। इसी तरह से इंदिरा चौक से केसी क्रासिंग, महेशपुरा चौक से शकुंतला चौक, विजिलेंस रोटरी से शकुंतला क्रासिंग, सरवाल व सुभाष नगर से रिहाड़ी चौक, एक्सचेंज रोड से रिहाड़ी, अम्फला जेल रोड से अम्फला चौक, जानीपुर से वेद मंदिर अम्फला चौक में भी आम जनता के लिए रोडबंदी लागू की जा रही है।

मौजूदा राजनीतिक माहौल लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं : धनखड़

नई दिल्ली 30 जून (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा दौर चल रहा है जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति को भी घसीट लिया जाता है और यह भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति से मेल नहीं खाता।श्री धनखड़ ने राजस्थान के जयपुर में राज्य के पूर्व विधायकों के संगठन राजस्थान प्रगतिशील मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश का मौजूदा राजनीतिक परिवेश भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा, राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका

मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार पैदा हो जाए। दुश्मन सीमापार हो सकते हैं। देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता।उप राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है। बेलगाम होकर वक्तव्य दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जब राज्य में होता है, तो उस पर आसानी से वार किया जा सकता है। राज्य की सरकार यदि केंद्र की सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है। समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति को भी इस दायरे में ले लिया गया है।उन्होंने कहा, यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है। ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है।श्री धनखड़ ने कहा कि प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है और प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। यह प्रजातंत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो, संवाद हो। वैदिक तरीके से, जिसको अनंतवाद कहते हैं। अभिव्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है और प्रजातंत्र की जान है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति कुंठित होती है या उस पर कोई प्रभाव डाला जाता है या अभिव्यक्ति इस स्तर पर पहुँच जाती है कि दूसरे के मत का कोई मतलब नहीं है, तो अभिव्यक्ति अपना अस्तित्व खो देती है।

रेलवे के यात्री किराये बढ़े

नई दिल्ली 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे के लंबी दूरी के यात्री किरायों में एक जुलाई से वृद्धि की गयी है। बड़े शहरों की उपनगरीय तथा मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे ने एक जुलाई से मेल-एक्सप्रेस गाड़ियों के अनारक्षित द्वितीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं गैर वातानुकूलित प्रथम श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा सभी प्रकार की वातानुकूलित श्रेणियों में दो पैसे प्रति किलोमीटर की एक समान वृद्धि की है।

सूत्रों के अनुसार साधारण पैसेंजर श्रेणी की ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी के टिकट की दरों में 500 किलोमीटर तक की दूरी की यात्रा के लिए कोई वृद्धि नहीं की गयी है, जबकि 501 किलोमीटर से 1500 किलोमीटर तक दूरी के टिकट पर पांच रुपये, 1501 से 2500 किलोमीटर के टिकट के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर तक किराये पर 15 रुपये बढ़ाये गये हैं। इन्हीं गाड़ियों के स्लीपर श्रेणी और प्रथम श्रेणी के किरायों में आधा पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाया गया है। उपनगरीय और मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।रेल मंत्रालय के वाणिज्यिक परिपत्र में कहा गया है कि तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दूरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, तेजस, महामना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, गैर उपनगरीय पैसेंजर गाड़ियों, अनुभूति कोच एवं विस्टाडोम कोच आदि के मूल किराये नयी दरों के हिसाब से होंगे। आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट आदि शुल्क पूर्ववत रहेंगे और उनमें कोई वृद्धि नहीं की गयी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी पूर्ववत लागू रहेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले रेलवे के यात्री किरायों में वर्ष 2014 में वृद्धि की गयी थी। सभी श्रेणियों के यात्री किराये में 14.2 प्रतिशत और माल भाड़े में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की गयी थी, जो उस साल 25 जून से प्रभावी हो गयी थी। वर्ष 2019 में मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी में यात्रियों को प्रति किलोमीटर दो पैसे बढ़ाये गये थे। स्लीपर श्रेणी के किराये में दो पैसे और प्रथम श्रेणी के किराये में भी दो पैसे की बढ़ोतरी की गयी है। साधारण ट्रेनों के द्वितीय श्रेणी के किराये में प्रति किलोमीटर एक पैसे और स्लीपर श्रेणी के लिए भी किराये में एक पैसे की बढ़ोतरी की गयी थी। प्रथम श्रेणी के किराये में एक पैसे की बढ़ोतरी की गयी थी। सभी वातानुकूलित श्रेणियों में एक समान चार पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गयी थी। यह वृद्धि जनवरी 2020 से लागू हुई थी।

पांच वर्ष में हर गांव में सहकारी संस्था होगी , सरकार राष्ट्रीय सहकारी नीति भी लायेगी : अमित शाह

नई दिल्ली 30 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों में हर गांव में सहकारी संस्था के गठन का लक्ष्य रखा है और जल्द ही राष्ट्रीय सहकारी नीति की भी घोषणा की जायेगी।

श्री शाह ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के उपलक्ष्य में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता में यह बात कही।

सहकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक में देशभर के सहकारिता मंत्रियों, अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और सहकारिता विभागों के सचिवों ने भाग लिया। मंथन बैठक का उद्देश्य भारत में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए योजनाओं की समीक्षा, उपलब्धियों का आंकलन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करना है।श्री शाह ने कहा कि भारत में लगभग 60 से 70 करोड़ लोग ऐसे थे जिनके पास कई पीढ़ियों तक जीवन जीने की मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थीं। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक के दस वर्ष के कालखंड में ही मोदी सरकार ने इन करोड़ों लोगों का जीवनस्वप्न पूरा कर इन्हें घर, शौचालय, पीने का पानी, अनाज, स्वास्थ्य, गैस सिलिंडर आदि सुविधाएं मुहैया करायी हैं।उन्होंने कहा कि ये करोड़ों लोग अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए उद्यम करना चाहते हैं लेकिन इनके पास पूंजी नहीं है और इनकी छोटी-छोटी पूंजी से बड़ा काम करने का एकमात्र रास्ता सहकारिता है। उन्होंने कहा कि देश के हर व्यक्ति के लिए काम के सृजन के लिए सहकारिता के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है और इसीलिए चार वर्ष पहले बहुत दूरदर्शिता के साथ सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। श्री शाह ने कहा कि हमें संवेदनशीलता के साथ देश के करोड़ों छोटे किसानों और ग्रामीणों के कल्याण के लिए सहकारिता को पुनर्जीवित करना ही होगा क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।श्री शाह ने कहा कि इस चिंतन और मंथन से तभी भला हो सकता है जब देश के 140 करोड़ लोग रोज़गार प्राप्त कर परिश्रम के साथ अपना जीवन व्यतीत करें और इसे सफल बनाने के लिए सरकार ने 60 पहल की हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल है राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का निर्माण जिसकी मदद से हम कमियां ढूंढ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस इसीलिए बनाया गया है कि राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला और तहसील स्तर की सहकारी संस्थाएं मिलकर ये देख सकें कि किस राज्य के किस गांव में एक भी सहकारी संस्था नहीं है।उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अगले 5 वर्ष में देश में एक भी गांव ऐसा न रहे जहां एक भी सहकारी संस्था न हो और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहकारी डेटाबेस का उपयोग करना चाहिए।केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत में सहकारिता आंदोलन के छिन्न-भिन्न होने के पीछे तीन मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि हमने समय के साथ कानून नहीं बदले, जो अब मोदी सरकार ने बदल दिए हैं। हमने सहकारिता की गतिविधियों को जोड़ा या समय के साथ बदला नहीं था। उन्होंने कहा कि पहले सहकारिता में सारी भर्तियां भाई-भतीजावाद से होती थीं और इसीलिए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का विचार किया गया।केन्द्रीय मंत्री ने आग्रह किया कि हर राज्य की कम से कम एक सहकारिता प्रशिक्षण संस्था, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के साथ जुड़े और राज्य के कोऑपरेटिव आंदोलन की ट्रेनिंग की पूरी हॉलिस्टिक व्यवस्था त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के माध्यम से ही हो। श्री शाह ने कहा कि कुछ ही समय में राष्ट्रीय सहकारिता नीति की घोषणा भी होगी जो 2025 से 2045 तक, यानी लगभग आजादी की शताब्दी तक अमल में रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सहकारिता नीति के तत्वाधान में ही हर राज्य की सहकारिता नीति वहां की सहकारिता की स्थिति के अनुरूप बने और इसके लक्ष्य भी निर्धारित हों। उन्होंने कहा कि तभी आज़ादी की शताब्दी तक हम एक आदर्श सहकारी देश बन सकेंगे।

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कई मारे गए

जम्मू, 30 जून (ब्यूरो)। भारतीय सेना ने पुंछ-राजौरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सेना प्रवक्ता ने कहा कि कई आतंकवादियों को मार गिराया गया, जबकि घुसपैठ में मदद कर रहे एक गाइड को पकड़ लिया गया और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा भी बरामद किया गया।

हालांकि मारे गए आतंकियों के शवों को फिलहाल बरामद नहीं किया जा सका है। सेना का कहना है कि उनके शवों को उनके साथियों द्वारा पाक कब्जे वाले कश्मीर में खींच ले जाने की संभावना है।प्रवक्ता का कहना था कि सैनिकों ने 29 जून को राजौरी के केरी सेक्टर में संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया, जो घुसपैठ का एक ज्ञात मार्ग है। यह अमरनाथ यात्रा शुरू होने से कुछ दिन पहले हुआ। सैनिकों ने भारी हथियारों से लैस जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादियों के घुसपैठ करने वाले समूह को तुरंत घेर लिया। दोनों तरफ से गोलीबारी हुई जिसमें सेना ने कम से कम दो आतंकियों को मार गिराया। इसी ऑपरेशन के दौरान घुसपैठियों की सहायता करने वाले एक स्थानीय गाइड को पकड़ा गया है। घटनास्थल से हथियार, विस्फोटक और अन्य युद्ध सामग्रियां बरामद की गई हैं, जो योजनाबद्ध आतंकवादी गतिविधि का इशारा करती हैं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्ष 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे मोदी

नई दिल्ली 30 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सात जुलाई को रियो डि जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्ष 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे।

श्री मोदी दो जुलाई से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह घाना, नामीबिया और त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के विदेश सत्रों को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही उन्हें कुछ देशों द्वारा अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी अलंकृत किये जाने की संभावना है।

विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दामू रवि ने कहा , प्रधानमंत्री 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 वर्षों के बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने अभी-अभी भारी जीत के बाद पदभार संभाला है। घाना के साथ भारत के संबंध ऐतिहासिक हैं। हमारे संबंधों के कई दशकों के दौरान, यह बहुआयामी रहा है।दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। आर्थिक एजेंडा वार्ता पर हावी होगा। भारत और घाना के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग तीन अरब डॉलर है,

मुख्य रूप से बड़े सोने के आयात के कारण। इस यात्रा के दौरान कृषि, पश्चिम अफ्रीका में टीका विकास केंद्र, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कुछ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

सचिव (दक्षिण) नीना मल्होत्रा ने कहा, प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के निमंत्रण पर श्री मोदी 3-4 जुलाई, 2025 से त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह श्री मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में त्रिनिदाद और टोबैगो की पहली यात्रा है, और 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। यह यात्रा एक उपयुक्त समय पर हुई है, क्योंकि इस वर्ष, 2025 में, देश त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों के आगमन के 180 वर्ष पूरे होने की याद में है। बताया गया है कि वर्तमान में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों भारतीय मूल के हैं, संयोग से, दोनों महिलाएं हैं, दोनों वकील हैं, और दोनों को अपनी भारतीय जड़ों और विरासत पर गर्व की गहरी भावना है, और वे खुद को भारत की बेटियों के रूप में वर्णित करते हैं।

श्री रवि ने कहा, सत्रहवां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन छह और सात जुलाई को रियो, ब्राजील में हो रहा है। रियो शिखर सम्मेलन का विषय 'समावेशी और सतत शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना' है। भारत अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा।

सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने कहा, प्रधानमंत्री की यात्रा का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन खंड 6-7 जुलाई को होगा और द्विपक्षीय यात्रा खंड आठ जुलाई को होगा। राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री राष्ट्रपति लूला के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि अनुसंधान और सुरक्षा सहयोग पर द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। श्री मोदी चार जुलाई को आधिकारिक यात्रा पर अर्जेंटीना का दौरा कर रहे हैं। दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आर्थिक और व्यापारिक हितों पर बातचीत करेंगे।श्री रवि ने कहा, प्रधानमंत्री नौ जुलाई को नामीबिया का दौरा करेंगे। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 27 वर्षों के बाद आती है। यह व्यापार 60 करोड़ डॉलर का है, जो मामूली रूप से भारत के पक्ष में है। इसमें 80 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया है।

भारत ने नामीबिया से कुछ चीता लिए थे और कुनो राष्ट्रीय उद्यान में फिर से बसा हुआ था। उस स्थान को विकास सहयोग क्षेत्र, क्षमता निर्माण, रक्षा सहयोग और नामीबिया के कर्मियों के रक्षा प्रशिक्षण में बहुत सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जो सूचना प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता का केंद्र है जिसे हमने स्थापित किया है। दोनों देशों के बीच एकीकृत भुगतान अंतरसंचालनीयता प्रौद्योगिकी समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। नामीबिया प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों से भरपूर है। इसमें यूरेनियम, तांबा, कोबाल्ट, बड़ी संख्या में दुर्लभ खनिजों, लिथियम, ग्रेफाइट के प्राकृतिक संसाधन

पाकिस्तान से जुड़े लखनवी हकीम की अवैध फैक्ट्री से खुलासा

गजवा-ए-हिंद के बारूद से देश में चल रहे असलहों के कारखाने

पीएफआई की साजिश में शामिल था हकीम सलाउद्दीन

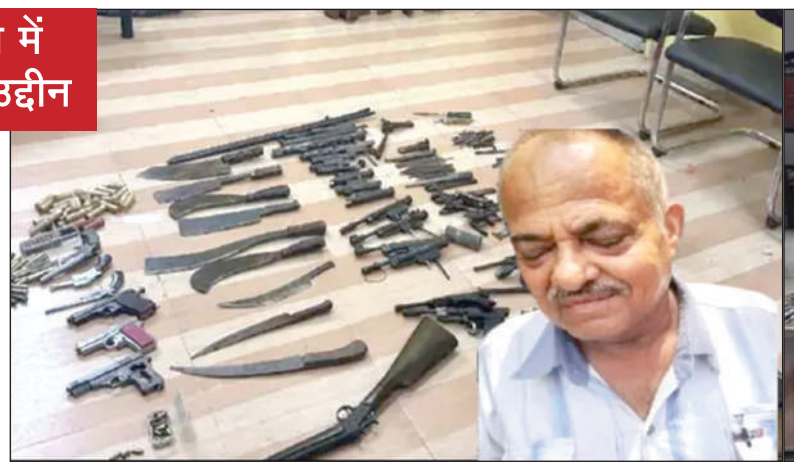

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।
लखनऊ में मलिहाबाद के मिर्जागंज गांव से पुलिस ने पाकिस्तान से सीधे जुड़े हकीम सलाहुद्दीन उर्फ लाला को गिरफ्तार किया है। हकीम के घर से भारी मात्रा में असलहा और बारूद बरामद किया गया। पुलिस को उसके घर से एक राइफल, तीन पिस्टल, तीन तमंचा, नौ एयर गन और 140 कारतूस सहित कई अन्य हथियार मिले। इसके अलावा उसके घर से प्रतिबंधित हिरन की खाल भी बरामद की गई है। मलिहाबाद डाकघर के सामने पहले वह अपना क्लिनिक चलाता था। हकीमी की आड़ में सलाहुद्दीन अवैध हथियारों का धंधा और दुर्लभ वन्यजीवों की पोचिंग का धंधा चलाता था। हकीम के पाकिस्तानी लिंक मिले हैं और यह भी खुलासा हुआ है कि वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के साथ मिल कर गजवा ए हिंद की साजिश में लगा था और अवैध हथियारों का धंधा फैला रहा था।

डीसीपी गोपाल चौधरी के अनुसार उसके घर पर भारी संख्या में असलहा और कारतूस रखने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मलिहाबाद, माल और रहीमाबाद थाने की पुलिस ने हकीम के घर छापा मारा था। पुलिस का कहना है कि उसकी बातचीत पाकिस्तान के कई लोगों से लगातार होती रहती थी। पुलिस ने उसका कॉल रिकॉर्ड निकाल कर उसकी गहन छानबीन शुरू की है। पड़ोसियों का कहना है कि हकीम ने असलहा बनाने के लिए कारीगर भी रखे थे। हकीम से असलहा खरीदने के लिए लोग लग्जरी गाड़ियों से आते थे। पुलिस ने आर्-पेी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 9/51 दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद थाने से बमुश्किल 100 मीटर दूर हकीम सलाउद्दीन उर्फ लाला का घर है। उसी जगह अवैध हथियार बनाए जाते थे और उसी जगह से अवैध हथियारों का धंधा चल रहा था। पुलिस अपनी अन्य प्राथमिकताओं में व्यस्त थी। 27 जून 2025 को इस घर पर पड़े छापे से पहले तक इस घर की पहचान एक हकीम के निवास के तौर पर थी। लेकिन वहां जिस तरह हथियारों का जखीरा मिला। वह खुद ही गंभीर षडयंत्र के संकेत दे रहा था। उसके घर से अवैध शस्त्र बनाने वाले एक कारीगर को भी गिरफ्तार किया गया। वहां से पुलिस ने 14 निर्मित अवैध शस्त्र, अर्धनिर्मित शस्त्र, शस्त्र बनाने के उपकरण और प्रतिबंधित पशु (हिरन) की खाल बरामद की। यानि, हकीम दुर्लभ वन्यजीवों की पोचिंग के काले धंधे में भी मुब्तिला था।

हकीम के घर से पुलिस को एक लाल पर्ची भी मिली, जिसमें उर्दू और फारसी में कुछ नंबर लिखे हुए हैं। वे नंबर पाकिस्तान के हैं। उन नंबरों की छानबीन की जा रही है। हकीम सलाउद्दीन के लैपटॉप में एक दुबई का नंबर मिला है। इस नंबर पर वह रोज बात करता था। पुलिस को पता चला है कि वह कश्मीर तक हथियारों की सप्लाई करता था। हकीम ने अपने घर में ही हथियार बनाने वाले कारीगर को किरा-एदार बनाकर रख रखा था। हकीम के पीएफआई और पाकिस्तान के लिंक मिलने के बाद मामले की छानबीन में यूपी पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) और केंद्रीय खुफिया एजेंसी को भी साथ लिया गया है। जिस गोपनीय तरीके से सलाउद्दीन हथियारों का निर्माण कर रहा था, उससे साफ है कि यह केवल अवैध हथियार फैक्ट्री चलाने का ही मामला नहीं है। प्राथमिक जांच में ही उसके पीएफआई और पाकिस्तानी लिंक सामने आए। अब उसकी गहराई से जांच हो रही है।

जांच में हकीम के वाराणसी में पकड़े गए आतंकी मोहम्मद तुफैल से भी संबंध पाए गए हैं। तुफैल के फोन में भी पाकिस्तान के 600 नंबर मिले थे। वह बाबरी मस्जिद का बदला लेने के लिए मुस्लिमों को उकसा रहा था। वह भारत में शरिया लागू के एजेंडे पर काम कर रहा था। इसी तरह मुरादाबाद से पकड़ा गया शहजाद पाकिस्तान के इशारे पर भारत में बड़े इस्लामी आतंकी हमले की साजिश रच रहा था। इन सब लोगों के आपस में लिंक पाए गए हैं। यह सब भारत को इस्लामी मुल्क बनाने को लेकर साजिश कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के ट्रेनिंग सेंटर पर बिहार के फुलवारीशरीफ में हुई छापेमारी में आठ पन्नों का दस्तावेज बरामद किया गया। इसका नाम इंडिया विजन 2047 था। इसमें भारत को इस्लामी मुल्क बनाने के पूरे रोडमैप का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में भारतीय सेना से लेकर कोर्ट तक में इस्लामी घुसपैठ का खाका खींचा गया था। कायर हिंदुओं की हत्या के लिए मुस्लिम युवाओं को हथियारों का प्रशिक्षण देना भी शामिल था। हकीम सलाउद्दीन जैसे तमाम लोग पीएफआई की उसी साजिश के तहत हर हाथ तक हथियार पहुंचाने के लिए तेज रफ्तार से अवैध हथियार बना रहे हैं।

एक लाख का इनामी साइको किलर संदीप मुठभेड़ में ढेर

यूपी से महाराष्ट्र तक ट्रक ड्राइवरों की हत्या कर लूटता था

बागपत, 30 जून (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में रविवार 29 जून की देर रात एक लाख का इनामी बदमाश संदीप लोहार मुठभेड़ में मारा गया। संदीप को साइको किलर के नाम से भी जाना जाता था। वह हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों की हत्या करता था और उनका सामान लूटकर फरार हो जाता था। संदीप हरियाणा के रोहतक जिले के भैणी महाराज गांव का रहने वाला था। पहले वह एक पहलवान था। 2013 में एक ट्रक एक्सिडेंट में उसकी बेटी की मौत हो गई थी। जिसके बाद से बेटी की मौत का बदला लेने के लिए उसने ट्रक ड्राइवरों को अपना निशाना बनाना शुरू किया।

पुलिस को बागपत के मवीकलां इलाके में संदीप के होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद बागपत पुलिस और एसटीएफ की नोएडा यूनिट की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। इस दौरान संदीप ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में संदीप गोली लगने से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। संदीप लोहार के खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में हत्या, लूट और डकैती के 15 से अधिक मामले दर्ज थे। सरकार ने उस पर एक लाख का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने संदीप के पास से एक पिस्तौल, कारतूस और कई अन्य सामान बरामद किया है।

यूपी में पंचायत चुनाव

16 जुलाई से शुरू होगा मतदाता सूची में संशोधन का काम

मई-जून में हो सकते हैं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।
यूपी में पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग 16 जुलाई से मतदाता सूची संशोधित करने का प्रदेशव्यापी अभियान प्रारंभ कर सकता है। हालांकि, इस बारे में अभी तक आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है। यूपी में पंचायत चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होंगे। इसके मद्देनजर पंचायतीराज विभाग और राज्य निर्वाचन आयोग ने परिसीमन, आरक्षण और मतदाता सूची को लेकर अपना काम शुरू कर दिया है। सोमवार तक ग्राम पंचायतवार जनसंख्या के निर्धारण का काम पूरा हो जाएगा।

नए नगर निकाय बने या पुराने निकायों की सीमा विस्तार के चलते जो ग्राम पंचायतें प्रभावित हुई हैं, उन ग्राम पंचायतों और सबंधित क्षेत्र पंचायतों व जिला पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) की प्रस्तावित सूची का प्रकाशन 1 जुलाई से 3 जुलाई के मध्य होगा। प्रस्तावित वार्डों पर 4 जुलाई से 8 जुलाई तक आपत्तियां ली जाएंगी और 9 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इनका निस्तारण किया जाएगा। अंतिम सूची का प्रकाशन 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच होगा।परिसीमन की यह प्रक्रिया पूरी होते ही राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को अपडेट किए जाने का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर देगा। इसके तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाए या हटवाए जा सकते हैं। प्रस्तावित संशोधनों पर आपत्तियां भी आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए आयोग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

3000 की बंदूक की बरामदगी में खपा दिए 50 हजार

26 साल पहले लुटेरे गए जेल, फिर भी नहीं मिली बंदूक

अलीगढ़, 30 जून (एजेंसियां)।
26 वर्ष पहले लूटी गई तीन हजार की बंदूक की बरामदगी के लिए भागदौड़ में पुलिस ने 50 हजार रुपए खर्च कर दिए, उसके बावजूद बंदूक नहीं मिली। पुलिस ने लूट के आरोप में तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया। उन पर लूट की चार्जशीट भी दे दी, लेकिन आज तक बंदूक का पता नहीं चल सका।

अकराबाद के गांव जुझारपुर के रहने वाले योगेंद्र प्रताप यादव की लाइसेंसी बंदूक नवंबर 1999 में लूट ली गई थी। योगेंद्र बताते हैं कि वे अपने रिश्-तेदार सुनहरी सिंह के साथ बरला के गांव पहाड़ीपुर स्थित अपनी ससुराल से साले की शादी से वापस लौट रहे थे। उनकी लाइसेंसी बंदूक कंधे पर लटकी थी। आधी रात में करहला रोड पर कुआं गांव के रजबहे के पुल पर सात-आठ बदमाशों ने उनके रुपए-पैसे और बंदूक लूट ली। योगेंद्र ने एक बदमाश को पहचान भी लिया, जो पास के ही गांव का रहने वाला था। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। रात तक पूछताछ हुई, लेकिन पुलिस बंदूक बरामद नहीं कर पाई। अगली सुबह सियासी दबाव में पुलिस ने जेल भेजने के बजाय उसे छोड़ दिया।

पुलिस द्वारा आरोपी को छोड़ दिए जाने पर बवाल मचा। इसको लेकर विपक्षी दल के नेताओं और सिकंदराराऊ के तत्कालीन निर्दल विधायक अमर

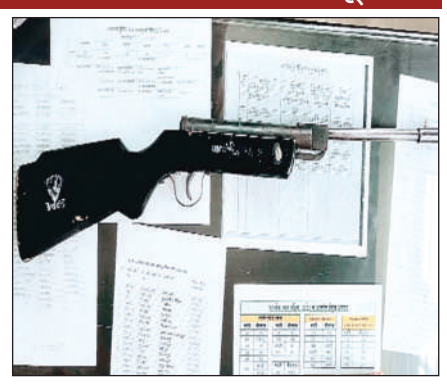

सिंह यादव ने थाने में धरना दिया। पुलिस पर सत्ता के पक्ष में लूट को दबाने का आरोप लगा। लेकिन पुलिस के नाकारेपन के कारण बंदूक मिलने की उम्मीद जाती रही। जबकि बंदूक की बरामदगी के नाम पर पुलिस ने खूब भागदौड़ की और सरकारी पैसे खर्च किए। अलीगढ़ के साथ-साथ हाथरस, कासगंज, एटा तक के बदमाशों के यहां दबिश दी गई। तत्कालीन थाना प्रभारी ने अकराबाद बॉर्डर के विजयगढ़ क्षेत्र के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा। उन्होंने लूट की बात भी स्वीकारी, लेकिन पुलिस बंदूक बरामद नहीं कर सकी। कुछ दिन थाने का चक्कर लगाने के बाद योगेंद्र यादव ने बंदूक मिलने की उम्मीद और पुलिस से कार्रवाई की उम्मीद दोनों छोड़ दी है।

04 से 06 जुलाई तक अवध शिल्पग्राम में होगा आम महोत्सव

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।
यूपी आम महोत्सव-2025 में अधिक से अधिक आम की विशिष्ट किस्मों को प्रदर्शित किया जाय। किसानों, किसानों के आम को महोत्सव तक लाने एवं ले जाने की व्यवस्था की जाय, जिससे किसाने को किसी प्रकार की समस्या न हो। विशिष्ट किस्म के आम उत्पादकों, विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों द्वारा तकनीकी सत्र के माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित किया जाय। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने सोमवार को लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में बैठक एवं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिये।उद्यान मंत्री ने कहा कि 04 से 06 जुलाई तक चलने वाले तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 में विशेष सत्रों के माध्यम से निर्यात, प्रसंस्करण और आधुनिक बागवानी तकनीकों को बढ़ावा दिया जाय। महोत्सव में देश-विदेश के निर्यातक, आम उत्पादक, बागवान, वैज्ञानिक और आम प्रेमी के विचारो को किसानों के बीच साझा किया जाय। ताकि प्रदेश के किसान अपनी फसलों में नवाचार कर कम लागत में निर्यातयुक्त फसल पैदा कर सके।उद्यान मंत्री ने आम महोत्सव कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण किया। आम प्रदर्शनी, आम व्यंजन प्रतियोगिता, बागवानी नवाचार स्टॉल, किसानों के लिए तकनीकी सत्र तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां समय से पूरी कर ली जाय। आम की प्रजातियों की प्रदर्शनी को अधिक आकर्षक और जनरुचिकर बनाया जाए।

मनरेगा श्रमिकों का बीबीडब्ल्यू बोर्ड में पंजीयन जरूरी

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।
उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों का नियमानुसार बिल्डिंग एण्ड अदर कन्स्ट्रक्शन वेलफेयर बोर्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाए। बीओसीडब्ल्यू बोर्ड के तहत मिलने वाले लाभ से श्रमिक वंचित न रहें, इसलिए मनरेगा योजना अतंर्गत जॉबकार्ड धारकों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिये गये हैं। भवन एवं अन्य

सन्निर्माण प्रक्रिया से जुड़े श्रमिकों एवं मनरेगा श्रमिकों का पंजीयन किया जा रहा है। पंजीकृत श्रमिक को ही उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं का हित लाभ देने की कार्यवाही की जा रही है। पंजीकरण के बाद श्रमिकों को सुविधाएं व योजना का लाभ देने की कार्यवाही की जाती है।ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसाअतंर्गत पात्र से जुड़े प्रत्येक वह श्रमिक जो 90 दिन का कार्य पूर्ण कर चुके हों, उनका बोर्ड में रजिस्ट्रेशन कराये जाने के निर्देश पूर्व मे ही दिये गये हैं। प्रदेश में 14.47 लाख से ज्यादा मनरेगा श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन बोर्ड मे कराया जा चुका है, शेष श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन कराने हेतु निर्देशित किया गया है।बोर्ड की योजनाएं श्रमिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए चलाई जा रही हैं। इनमें मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना,अटल आवासीय विद्यालय योजना, आवासीय विद्यालय योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना और महात्मा गांधी पेंशन योजना,आपदा राहत सहायता योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना,पं. दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना शामिल हैं।

मऊ की मुस्कान बनेगी अब मऊ की पहचान

लखनऊ/मऊ, 30 जून (एजेंसियां)।
नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ पहुंचकर वहां घोसी में मझवारा मोड स्थित परिषदीय जूनियर हाई स्कूल परिसर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह एवं हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावी छात्रों को साइकिल वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर कार्यक्रम को संबोधित किया और मधुबन एवं घोसी तहसील के 24 विद्यालयों के 176 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया और साइकिल वितरित की। इसमें 56 छात्र और 120 छात्राएं हैं, जिसमें हाई स्कूल के 103 और इंटरमीडिएट के 73 मेधावी छात्र है।मंत्री ने कार्यक्रम की शुरुआत किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मऊ की पहचान अब मऊ की मुस्कान बनेगी। अब भय से नहीं,माफिया से नहीं, गुंडों से नहीं, हथियारो से नहीं बल्कि मेधा से, गुण से, हुनर से मऊ की पहचान होगी। 2021 में राजनीति में आने के बाद से 'मऊ की मुस्कान' उनका सपना रहा है।

इस दिशा में मऊ में चौतरफा कार्य और सुधार करवाये जा रहे हैं। मऊ के विकास के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। इस भावना को और बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लोगों का सम्मान करने की परंपरा की शुरुआत भी कराई। हाई स्कूल ,इंटरमीडिएट 2025 की परीक्षा में मऊ जिले के 176 मेधावी छात्र छात्राओं की मेधा का सम्मान करने व उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया और अवादा फाउंडेशन के सौजन्य से साइकिल वितरण किया गया। हाई स्कूल परीक्षा में जनपद स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 27 टॉपटेन विद्यार्थियों में शुभम सिंह प्रथम, सूरज मौर्य एवं नैंसी जायसवाल द्वितीय, आंसू चौहान, सुकृति यादव, सान्या राय तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा विभिन्न स्कूलों के 76 मेधावी छात्र भी हैं।

यूपी सरकार ने बदले पांच इंजीनियरिंग कॉलेजों के नाम

तकनीक और संस्कार दोनों जरूरी : सरकार

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के पांच इंजीनियरिंग कॉलेजों का नाम बदल दिया है। इन्हें देश की प्रमुख हस्तियों के नाम पर रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लिए गए फैसले को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंजूरी दे दी है। ये इंजीनियरिंग कॉलेज गोंडा, बस्ती, प्रतापगढ़, मिर्जापुर और मैनपुरी में हैं। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संस्कार एवं नैतिक जिम्मेदारी से भी जोड़ना है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने इंजीनियरिंग कॉलेज के नाम बदले जाने की

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा निर्णय है, जिसके तहत राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, प्रतापगढ़ का नाम बदलकर भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, प्रतापगढ़ कर दिया गया है। मिर्जापुर कॉलेज अब सम्राट अशोक राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के नाम से जाना जाएगा। बस्ती में इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम बदलकर भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कर दिया गया है। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, गोंडा का नाम बदलकर मां पाटेश्वरी देवी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज कर दिया गया है जबकि मैनपुरी में कॉलेज अब लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के नाम से जाना जाएगा। विशेष सचिव विनोद कुमार की ओर से इस मामले में औपचारिक अधिसूचना जारी की गई। सरकार का कहना है कि गोंडा, बस्ती, प्रतापगढ़, मिर्जापुर और मैनपुरी में स्थित कॉलेजों को सामाजिक जागरूकता, न्याय, सद्भाव और प्रेरणा के मूल्यों को दर्शाने के लिए ये नए नाम दिए गए हैं।

ऐसे डिवाइस का इस्तेमाल खतरनाक

इन दिनों तकनीक की मदद से हमारे कई काम आसान होते जा रहे हैं। लेकिन, कई बार तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हमारे लिए खतरनाक भी साबित हो जाता है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, ड्राइविंग के वक्त हैंड्स-फ्री डिवाइस का इस्तेमाल भी काफी खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर ड्राइविंग के वक्त मोबाइल फोन पर बात करने के लिए कई लोग हैंड्स-फ्री का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन, इस अध्ययन में कहा गया है कि हैंड्स-फ्री डिवाइस के इस्तेमाल से भी ड्राइवर का ध्यान भंग हो सकता है। भारत में भी ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत करना गैरकानूनी है लेकिन, ज्यादातर लोग ड्राइविंग के दौरान हैंड्स-फ्री पर बात करते हैं। भारत में सड़क दुर्घटना में कई लोगों को जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में इस अध्ययन के सामने आने से इस मुद्दे पर और गंभीर रूप से विचार करने की जरूरत है।

ड्यूक 390 अगले साल तक

ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम अपना ड्यूक 390 नेक्स्ट-जनेरेशन मॉडल अगले साल तक भारत में लॉन्च करेगी। हाल ही में इस ड्यूक की तस्वीरें यूरोप में टेस्टिंग के दौरान सामने आई है। केटीएम ड्यूक 390 के इस नए मॉडल में कई बदलाव नजर आ रहे हैं, साथ ही बाइक की स्टाइलिंग में काफी बदलाव किए गए हैं। बाइक के फ्यूल टैंक को बिल्कुल नया डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा हेडलाइट क्लस्टर को भी बदला है। नए केटीएम ड्यूक 390 में ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, नया स्विचगियर और एलईडी इंडिकेटर लगाए गए हैं। बाइक में सिंगल सिलिंडर इंजन लगा है, बताया जा रहा है कि इस बाइक के इंजन को भी पहले की तुलना में थोड़ा स्मूथ बनाया गया है ताकि ज्यादा वाइब्रेशन ना हो। इस नई ड्यूक 390 में पहले से बेहतर कूलिंग सिस्टम भी मौजूद है।

बीएमडब्ल्यू की स्टंट बाइक...

बीएमडब्ल्यू आगामी जी310आर बाइक भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के लिए उतार चुकी है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के दो मॉडलों को चेन्नई-बेंगलुरू हाइवे पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। आगामी मोटरसाइकिल बीएमडब्ल्यू की पहली बाइक है जिसको भारत में तैयार किया जा रहा है। इस बाइक को होसुर में टीवीएस मोटर्स के कारखाने में तैयार किया जाएगा। बीएमडब्ल्यू जी310आर को पहली बार 2016 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। उम्मीद है कि इस बाइक भारतीय बाजार में अक्टूबर, 2016 तक लॉन्च किया जाएगा। टेस्टिंग के दौरान एक दिलचस्प बात यह सामने आई कि बाइक बिना एंटी ब्रेक सिस्टम के दिखाई दी। दरअसल कंपनी किफायती दाम में बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। इसलिए भारतीय बाजार में इसके दो वेरिएंट लॉन्च हो सकते हैं। इसके अलावा परीक्षक सवार के अनुसार, बीएमडब्ल्यू जी310आर की टॉप स्पीड 170 किलोमीटर प्रति घंटा है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के माइलेज की बात करें तो यह 25 से28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। हालांकि यह आंकड़े अभी केवल अटकलें हैं। यह एक स्टंट बाइक है जिसको चार बार विश्व स्टंट बाइक चैंपियन रहे चुके क्रिस फीफर के सुझाव के साथ तैयार किया गया है। इस बाइक के ज्यादातार फीचर्स स्टंट के ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

ये नियम हैं फायदे के...

शास्त्रों के अनुसार निर्धारित नियमों का पालन करने से घर-परिवार को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें करते रहने से घर में ऊपरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती। सर्वप्रथम तुलसी को घर में स्थापित करें क्योंकि तुलसी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और भारत के हर भाग में सहज उपलब्ध हैं। जिस घर में तुलसी का पौधा नहीं, वह घर सूना समझा जाता है। तुलसी का स्पर्श कर घर में प्रवेश करने वाली वायु साक्षात अमृत होती है। दैहिक स्वास्थ्य को सिद्ध करती है। प्रतिदिन तुलसी को जल चढ़ाने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है अपितु इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि करते हैं। घर में मंदिर की स्थापना करने से पूर्व ध्यान रखें की वहां सूर्य की रोशनी और ताजी हवा आसानी से आ जा सके। ऐसा करने से ऊपरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। जिस घर में एकाक्षी नारियल की पूजा होती है, वहां लक्ष्मी जी की कृपा होती है, अन्न व धन की कभी कमी नहीं आती। गोबर में लक्ष्मी का वास होने से इसे गोवर अर्थात गौ का वरदान कहा जाना ज्यादा उचित होगा। गोबर से लीपे जाने पर ही भूमि यज्ञ के लिए उपयुक्त होती है। गोबर से बने उपलों का यज्ञशाला और रसोई घर, दोनों जगह प्रयोग होता है। मान्यता है जिस जगह को प्रतिदिन गाय के गोबर से लीपा पोता जाता है वह जगह हमेशा पवित्र रहती है और उस स्थान में मां लक्ष्मी सर्वदा निवास करती हैं। ऐसे घर को धन-दौलत से समृद्ध करती हैं मां लक्ष्मी।

मलेशिया की एक लीडिंग यूनिवर्सिटी ने भारत में रहने वाले हिंदुओं को डर्टी और अनक्लीन बताया है। यूनिवर्सिटी के इस टीचिंग मॉड्यूल के ऑनलाइन पब्लिश होने के बाद इसे लेकर विवाद हो गया है। इसमें दावा किया गया है कि हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। सच तो यह है कि किसी भी धर्म का मर्म जाने बिना उसके बारे में कोई भी टिप्पणी करना, कोई निष्कर्ष निकालना सतही ज्ञान का प्रदर्शन करना है। यूनिवर्सिटी के विद्वानों ने गंदगी कहकर हमारी भस्म की अवधारणा के बारे में अपनी अज्ञानता का परिचय दिया है।

सृष्टि का सार है भस्म...

मलेशिया की लीडिंग यूनिवर्सिटी के मुताबिक भारत के हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। इस यूनिवर्सिटी की बात हिंदुओं द्वारा शरीर पर भस्म लगाने की ओर इशारा करती है। यूनिवर्सिटी के विद्वान भस्म को गंदगी और इसे शरीर पर लगाने को अवैज्ञानिक करार दे रहे हैं। ये विद्वान न तो भस्म के विज्ञान को समझ पाए हैं, न भस्म के अध्यात्म को औ न ही भस्म के दर्शन को। दरअसल शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है। एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाया जाता है। भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म धारण करने वाले भगवान शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

नश्वरता का आभास

भस्म यानी कुछ जलाने के बाद बची हुई राख। शिव जली हुई चिताओं के बाद बची हुई राख को भी अपने तन पर लगाते थे। इसका अर्थ पवित्रता में छिपा है, वह पवित्रता जिसे भगवान शिव ने एक मृत व्यक्ति की जली हुई चिता में खोजा है। इसे अपने तन पर लगाकर वे उस पवित्रता को सम्मान देते हैं। कहते हैं शरीर पर भस्म लगाकर भगवान शिव खुद को मृत आत्मा से जोड़ते हैं। उनके अनुसार मरने के बाद मृत व्यक्ति को जलाने के बाद बची हुई राख में उसके जीवन का कोई कण शेष नहीं रहता। न उसके दुख, न सुख, न कोई बुराई और न ही उसकी कोई अच्छाई बचती है। इसलिए वह राख पवित्र है, उसमें किसी प्रकार का गुण-अवगुण नहीं है, ऐसी राख को भगवान शिव अपने तन पर लगाकर सम्मानित करते हैं। विभूति, भस्म या पवित्र राख के इस्तेमाल के कई पहलू हैं। पहली बात, वह ऊर्जा को किसी को देने या किसी तक पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है। इसमें 'ऊर्जा-शरीर'

को निर्देशित और नियंत्रित करने की क्षमता है। इसके अलावा, शरीर पर उसे लगाने का एक सांकेतिक महत्व भी है। वह लगातार हमें जीवन के नश्वरता की याद दिलाती रहती है, मानो आप हर समय अपने शरीर पर नश्वरता ओढ़े हुए हों। 'भस्म' शब्द में 'भ' अर्थात 'भर्त्सनम्' अर्थात 'नाश हो'। 'स्म' अर्थात स्मरण। भस्म के कारण पापों का निर्दालन होकर ईश्वर का स्मरण होता है। शरीर नाशवान है । इसे निरंतर स्मरण रखने का जो प्रतीक है, वह भस्म है; ऐसा भस्म शब्द का भावार्थ है। विभूति, रक्षा एवं राख ये भस्म के समानार्थी शब्द है। अपनी आहुति देकर मनुष्य का भस्म होना, अर्थात अपनी इच्छा-आकांक्षा, दोष, अज्ञान एवं अहं का त्याग करना एवं मन की शुद्धता प्राप्त करना इसका मर्म है। मनुष्यदेह नश्वर है, इसलिए मरणोपरांत उस देह को जलकर राख होना है। इसलिए कोई भी देहासक्ति न रखें । मृत्यु किसी भी क्षण हो सकती है, यह भान रख मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए प्रत्येक क्षण को पवित्र तथा आनंदमय बनाने में प्रयत्नरत रहें, यही भस्म सूचित करती है।

शरीर मूल पदार्थ नहीं

आम तौर पर योगी श्मशान भूमि से उठाई गई राख का इस्तेमाल करते हैं। अगर इस भस्म का इस्तेमाल नहीं हो सकता, तो अगला विकल्प गाय का गोबर होता है। इसमें कुछ दूसरे पदार्थ भी इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन मूल सामग्री गाय का गोबर होती है। अगर यह भस्म भी इस्तेमाल नहीं की जा सकती, तो चावल की भूसी से भस्म तैयार की जाती है। यह इस बात का संकेत है कि शरीर मूल पदार्थ नहीं है, यह बस भूसी या बाहरी परत है। सुबह घर से निकलने से पहले, हम कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि हम अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। अगर भस्म को सही तरीके से तैयार किया जाए और हमको पता हो कि उसे कहां और कैसे लगाना है तो भस्म हमें और ग्रहणशील बनाती है। हम उसे अपने शरीर पर जहां भी लगाते हैं, वह अंग अधिक संवेदनशील हो जाता है और परम प्रकृति की ओर अग्रसर होता है। उस समय हमारा जो भी पहलू ग्रहणशील होगा, उसके आधार पर हम अलग-अलग रूपों में और अपने विभिन्न आयामों से जीवन को ग्रहण कर सकते हैं।

कहां और क्यों लगाते हैं भस्म

आपने ध्यान दिया होगा कभी आप किसी चीज को देखकर एक खास तरीके से उसका अनुभव करते हैं, फिर किसी और समय आप उसी चीज का अनुभव बिल्कुल अलग रूप में करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप जीवन को किस रूप में ग्रहण करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके उच्च पहलू ग्रहणशील हों, न कि निम्न पहलू। हमारे शरीर में, सात मूल केंद्र हैं जो जीवन का अनुभव करने के सात आयामों को दर्शाते हैं। इन केंद्रों को चक्र कहा जाता है। चक्र, ऊर्जा प्रणाली के भीतर एक खास मिलन बिंदु होते हैं। इन चक्रों की प्रकृति भौतिक नहीं, बल्कि सूक्ष्म होती है। आप इन चक्रों को अनुभव से जान सकते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को काटकर देखें, तो आपको कोई चक्र नहीं दिखेगा। जब आप तीव्रता के उच्च स्तरों की ओर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा एक चक्र से दूसरे चक्र की ओर बढ़ती है। अगर आप नीचे स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करते हैं तो जो आपका अनुभव होगा उसकी तुलना में तब आपके अनुभव और आपकी स्थिति बिल्कुल अलग होगी जब आप शरीर में ऊपर की ओर स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करेंगे। पारंपरिक रूप से थोड़ी भस्म भौंहों के बीच लगाना है, जिसे आज्ञा चक्र कहा जाता है, गले के गड्ढे में लगाना है, जिसे विशुद्धि चक्र कहा जाता है और छाती के मध्य में लगाना है, जिसे अनाहत चक्र के नाम से जाना जाता है। भारत में आम तौर पर माना जाता है कि आपको इन बिंदुओं पर विभूति जरूर लगानी चाहिए। इन खास बिंदुओं का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि विभूति उन्हें अधिक संवेदनशील बनाती है। भस्म आम तौर पर अनाहत चक्र पर इसलिए लगाई जाती है ताकि हम जीवन को प्रेम के रूप में ग्रहण कर सकें। उसे विशुद्धि चक्र पर इसलिए लगाया जाता है ताकि हम जीवन को शक्ति के रूप में ग्रहण करें, शक्ति का मतलब सिर्फ शारीरिक या मानसिक शक्ति नहीं है, इंसान बहुत से रूपों में शक्तिशाली हो सकता है। इसका मकसद जीवन ऊर्जा को बहुत मजबूत और शक्तिशाली बनाना है ताकि सिर्फ हमारी मौजूदगी ही हमारे आस-पास के जीवन पर असर डालने के लिए काफी हो, हमें बोलने या कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस बैठने से ही हम अपने आस-पास की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। एक इंसान के भीतर इस तरह की शक्ति विकसित की जा सकती है। विभूति को आज्ञा चक्र पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि हम जीवन को ज्ञान के रूप में ग्रहण कर सकें। यह बहुत गहरा विज्ञान है लेकिन इसकी आलोचना इसलिए हो रही है कि उन्होंने इसे समझा ही नहीं।

विकास का उपकरण

वास्तव में भस्म शिव या किसी और भगवान की दी हुई चीज नहीं है। यह विश्वास का प्रश्न नहीं है। भारतीय संस्कृति में, उसे गहराई से किसी व्यक्ति के विकास के उपकरण के रूप में देखा गया है। सही तरीके से तैयार विभूति की एक अलग गूंज होती है। इसके पीछे के विज्ञान को पुनर्जीवित करने और उसका लाभ उठाने की जरूरत है। हमारे देश की संस्कृति में राख के बहुत से संदर्भ और अर्थ है राख एक वह जो जीवन का कटु सत्य है। प्राणांत के बाद यह देह भी भस्मसात होगी ही। कई बार तीर्थ स्थानों में गुफाओं में धूनी रमाए तपस्या करते साधु देखे जा सकते हैं। हमारे लोकगीतों और शास्त्रीय संगीत में अनेक प्रसंगो में भस्म का जिक्र आया है जैसे भस्म अंग गौरी संग अधिक सुहाय है...। कवियों ने अपनी कविताओं में भी भस्म का खूब प्रयोग किया हैं श्रीचन्द्रकुंवर बर्त्वाल ने 'ज्योति ओंकार' कविता में लिखा है ''शोभित चन्द्र कला मस्तक पर, भष्म विभूषित नग्न कलेवर कटि पर कृष्ण गजानिन सा घन गिरती घोर घोष कर पद पर वज्र छटा सी दीप्त सुरधुनि। तथा शिव पंचाक्षर स्तोत्र में लिखा है- नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय विभूषिताय..।

राख से उपचार

आयुर्वेद में भी राख का विशेषकर पहाड़ी गाय के गोबर से बने उपले की राख का कई प्रकार से उपयोग किया जाता है। किसी बच्चे के पेट में दर्द होने पर गांवों में जब डाक्टर और दवा नहीं होती थी तो बुजुर्ग लोग दादी-नानी बच्चे के पेट में जलती अंगीठी से गर्म राख निकालकर मल देते और सेक करते थे तो आराम आता था। कई बार जब बच्चे की तकलीफ का पता नहीं चलता था और लगातार रोता था तो उसे गोद में लेकर सयाने लोग मंत्र बोल-बोल कर राख का स्पर्श करते हुए कभी मां दुर्गा का, कभी हनुमान चालीसा का, कभी भगवान शंकर के, या अन्य देवी देवताओं का पाठ करते और बालक के माथे पर राख का तिलक लगाते और बच्चे दर्द मुक्त हो कर सो जाते। भारतीय संस्कृति में गो माता तो पूजनीय है ही तथा उसके त्याज्य गोमूत्र और गोबर की सर्वोत्तम जैविक खाद तो है ही इसके अतिरिक्त गाय से प्राप्त दूध, दही, घी, मक्खन आदि पदार्थों का भी आरोग्यता के लिए प्रयोग किया जाता है। गाय के गोबर के उपले की राख के भी अनेक प्रयोग है संक्रमण से जब कभी गंज रोग हो जाता है और सर पर गोल चकते बन जाते व सिर के बाल उड़ जाते हैं तो उसके उपचार के लिए भी राख की आवश्यकता होती जो एक अलग विधि है। गाय के गोबर के उपले की राख में अत्यधिक औषधीय तत्व हैं। यों तो स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से संक्रामक रोगों पर काफी नियन्त्रण कर लिया गया है। फिर भी कभी-कभार कहीं न कहीं रोगों के दर्शन हो ही जाते हैं। बड़ी माता भयानक संक्रामक रोग है। जो शरीर पर निकले फफोलों के सूखने पर खुरण्ड से फैलता है उससे चेहरा कुरूप हो जाता है कहीं बार आंखों की रोशनी भी चली जाती हैं जिस समय उसके फफोले सूखने लगे तो उस समय उस स्थान पर कपड़े से छनी हुई गाय के गोबर के उपले की राख मलने से दाग नहीं पड़ते। यह अनुभूत सत्य है।

भस्म तिलक का आकार

देवता के तत्वानुसार मस्तक पर लगाए तिलक का आकार निर्धारित होता है। मस्तक पर बनाए भस्म के पट्टों में शिवतत्व आकर्षित होता है और शिव लय से संबंधित देवता होने से शिवतत्व आकर्षित करने वाली सीधी रेखाएं मस्तक पर बनाई जाती हैं। सीधी रेखा शांति एवं स्थिरता दर्शाती है। उसी प्रकार मस्तक के ये तीन पट्टे त्रिगुण, तथा उत्पत्ति, स्थिति एवं लय से संबंधित होते हैं। तिलक से निर्मित स्पंदन देह में कार्यरत होते हैं। तिलक के आकारानुसार व्यक्ति की प्रकृति तथा साधनामार्ग की पहचान होती है। विशेषज्ञों ने उत्तराखण्ड के सभी सिद्धपीठों का का वर्णन किया है। उत्तराखण्ड में लगभग सभी सिद्धपीठों में भस्म को अति पवित्र मानकर प्रसाद दिया जाता है और भक्तजन कुंकुम, रोली तथा चन्दन की तरह उसे शिरोधार्य करते है, अपनी आस्था और विश्वास के फलस्वरूप। भारतवर्ष के महान दार्शनिक विद्वान चार्वाक ने कहा था जब तक जीना है सुखपूर्वक जीना चाहिए कर्ज करके भी घी पीना चाहिए भस्म होने वाली यह देह भला फिर कहां से आएगी।

किस दिशा में सिर रख कर सोएं...?

पारंपरिक रूप से उत्तर दिशा में सिर रख कर सोने के लिए अकसर हमें मना किया जाता है। क्या यह नियम पूरी दुनिया में सभी स्थानों पर लागू होता है? क्या है इसका विज्ञान? कौन सी दिशा सोने के लिए सबसे अच्छी है? किस दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए? यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

आपने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों यानी मैगनेटिक फील्ड के बारे में सुना होगा। कई रूपों में अपनी चुंबकीयता के कारण पृथ्वी बनी है। इसलिए इस ग्रह पर चुंबकीय शक्तियां शक्तिशाली हैं। अगर हम उत्तर की ओर सिर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उस तरह रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। जब शरीर क्षैतिज अवस्था में होता है, तो हम तत्काल देख सकते हैं कि हमारी नाड़ी की गति धीमी हो जाती है। शरीर यह बदलाव इसलिए लाता है क्योंकि अगर रक्त उसी स्तर पर पंप किया जाएगा, तो हमारे सिर में जरूरत से ज्यादा रक्त जा सकता है और हमें नुकसान हो सकता है। अब अगर हम अपना सिर उत्तर की ओर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उसी अवस्था में रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। अगर कोई व्यक्ति एक उम्र से आगे निकल चुका है और उसकी रक्त शिराएं कमजोर हैं तो उसको रक्तस्राव और लकवे के साथ स्ट्रोक हो सकता है। अगर हमारा शरीर मजबूत है और ये चीजें हमारे साथ नहीं होतीं, तो हम उत्तेजित या परेशान होकर जाग सकते हैं क्योंकि सोते समय दिमाग में जितना रक्त संचार होना चाहिए, उससे ज्यादा होता है। ऐसा नहीं है कि एक दिन ऐसा करने पर हम मर जाएंगे। मगर रोजाना ऐसा करने पर हम परेशानियों को दावत दे रहे हैं। हमारे साथ किस तरह की परेशानियां हो सकती हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि हमारा शरीर कितना मजबूत है।

पूर्व सबसे अच्छी दिशा: तो किस दिशा में सिर करके सोना सबसे अच्छा होता है? पूर्व सबसे अच्छी दिशा है। पूर्वोत्तर ठीक है। पश्चिम चलेगा। अगर कोई विकल्प नहीं है तो दक्षिण। उत्तर बिल्कुल नहीं। जब तक आप उत्तरी गोलार्ध में हैं, यही सही है। उत्तर के अलावा किसी भी दिशा में सिर करके सोया जा सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में, दक्षिण की ओर सिर करके न रखें।

सुबह ऐसे उठें

अपनी दायीं तरफ घूमें: जब आप उठें, तो अपनी दायीं तरफ घूमें और फिर बिस्तर से बाहर आएं, क्योंकि नींद से उठते समय मेटाबोलिक प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। ऐसे में अचानक से बिस्तर छोड़ने पर दिल पर दबाव पड़ेगा।

अपने हाथों को मसलें: सुबह बिस्तर से उठने से पहले अपने हाथों को मसलें और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर लगाएं। हथेलियों को मसलने से हाथों में स्थित सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और हमारा सिस्टम जल्दी से सजग हो जाता है।

मुस्कुराएं: सुबह उठ कर मुस्कुराएं! किसे देख कर? किसी को नहीं! क्योंकि आपका सुबह उठना अपने आप में एक बड़ी बात है। लाखों ऐसे लोग हैं जो कल रात सोए और आज सुबह नहीं उठे, लेकिन आप सुबह उठ गए। क्या यह बड़ी बात नहीं है? इसलिए मुस्कुराएं।

उठने के बाद यह करें

पारंपरिक रूप से यह भी कहा जाता है कि सुबह उठने से पहले हमें अपनी हथेलियां रगड़नी चाहिए और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर रखना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने पर हमें भगवान दिख सकते हैं। इसका संबंध भगवान के दिखने से नहीं है। हमारे हाथों में नाड़ियों का एक भारी जाल है। अगर हम अपनी हथेलियां रगड़ते हैं, तो सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और शरीर तत्काल सजग हो जाता है। सुबह जगने पर भी अगर सुस्त महसूस करते हैं, तो ऐसा करके देखिए, आपका पूरा शरीर तत्काल सजग हो जाएगा। तत्काल आपकी आंखों और आपकी इंद्रियों के दूसरे पहलुओं से जुड़ी सारी नाड़ियां सजग हो जाती हैं। शरीर को हिलाने से पहले आपका शरीर और दिमाग दोनों सक्रिय होने चाहिए। आपको सुस्त नहीं उठना चाहिए, इसका मकसद यही है।

खादी की लहर है...

केवीआईसी यानी खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग ने मंगलावर को कहा कि देश में खादी की लहर है और कई मंत्रालयों व संस्थानों ने दैनिक आधार पर हाथ से बुने परिधान का उपयोग शुरू किया है। खादी उत्पादों के लिए मांग बढ़ रही है और खादी दस्तकारों के लिए अधिक मानव श्रम सृजित कर रही है। जब 1920 के दशक में भारत में हाथ से बने खादी वस्त्रों की शुरुआत हुई तो यह केवल एक ढर्रा नहीं था, यह एक विचारधारा के रूप में सामने आया था। इसके सबसे बड़े प्रशंसक महात्मा गांधी थे और सूती भारत की आत्मनिर्भरता, ब्रितानी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले कपड़ों से आजादी का प्रतीक बन गया था। आज भी यह कई नेताओं की पहली पसंद है। अब इसे लगातार फैशनेबल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय मौसम के लिए यह सबसे दुरुस्त पहनावा है, जो पसीने और गर्मी से राहत देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी खादी पहनने का सुझाव दिया था। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया अनुसार यह बहुत ज्यादा संभावना वाला बाजार है, खादी के कपड़े सस्ते हैं. भारतीय डिजाइनर जनता के साथ काम करना चाहते हैं, न कि कुछ खास लोगों के लिए। इस समय भारतीय कपड़ा बाजार में इसकी महज एक या दो फीसदी हिस्सेदारी है। यह अभी भी एक सवाल है कि खादी की छवि को बदलने की ये कोशिशें क्या वाकई कोई बदलाव ला सकेंगी। हालांकि, इसकी व्यापक लोकप्रियता में समय लग सकता है लेकिन खादी में बदलाव इससे जुड़े लाखों कारीगरों की जिंदगी को बदल सकता है।

संपादकीय

आतंक पर छद्म नीति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल, भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। उन्होंने कहा कि भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। निस्संदेह, संगठन ने भारतीय पक्ष पर ध्यान न देकर अपने मंसूबों को उजागर किया है। ऐसे में संगठन के सदस्य देशों में विश्वास, मित्रता और संबंधों को मजबूत बनाने के लक्ष्य पूरा होना संदिग्ध ही है। दरअसल, रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था, जिसने 'आतंकवाद विरोधी' प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की थी। साथ ही उसके सेना प्रमुख के लिये लाल कालीन बिछाया था। वही संदेश एससीओ की बैठक में रक्षामंत्री ने चीन को दिया है। भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपने कूटनीतिक प्रयासों को धार देनी चाहिए।

रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया।

आंतरिक सुरक्षा तथा नैरेटिव के संदर्भ में जबरदस्त उपलब्धियों एवं परिणामों वाली मानी जाएगी

प्रधानमंत्री द्वारा ट्रंप से दो टूक बात के बाद झूठा नैरेटिव ध्वस्त हुआ

अवधेश कुमार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत में सीधे ऑपरेशन सिंदूर और भारत पाकिस्तान सैनिक टकराव रुकने संबंधी अमेरिकी दावे का ऐसा खंडन किया जाएगा? ऐसा नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप आगे भारत पाकिस्तान के संदर्भ में श्रेय लेने के लिए मध्यस्थता करने का दावा नहीं करेंगे। उन्होंने किया भी है। किंतु विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर 35 मिनट की हुई बातचीत का जो ब्यौरा दिया उसका ट्रंप प्रशासन द्वारा खंडन न किया जाना ही बताता है कि वक्तव्य पूरी तरह सच है। दो नेताओं की बातचीत में सामने वाले को कहा जाए कि आपने जो दावा किया वैसी बातचीत हमारे आपके बीच कभी हुई नहीं तो उस पर क्या गुजरेगी? विदेश सचिव विक्रम मिश्री की इन पंक्तियों को देखिए–, "प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की ओर से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जी 7 के लिए कनाडा, उसके पहले साइप्रस और फिर क्रोएशिया तक की यात्रा अनेक अनेक अर्थों में विदेश नीति, समर-नीति से लेकर रक्षा, आंतरिक सुरक्षा तथा नैरेटिव के संदर्भ में जबरदस्त उपलब्धियों एवं परिणामों वाली मानी जाएगी। भारत के अंदर और बाहर विरोधियों को भी इस तरह सफलता को प्रतिध्वनित करने वाली यात्रा की कल्पना नहीं रही होगी। शायद इन शब्दों में किसी को अतिवाद दिखे किंतु क्या आपने कल्पना की थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत में सीधे ऑपरेशन सिंदूर और भारत पाकिस्तान सैनिक टकराव रुकने संबंधी अमेरिकी दावे का ऐसा खंडन किया जाएगा? ऐसा नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप आगे भारत पाकिस्तान के संदर्भ में श्रेय लेने के लिए मध्यस्थता करने का दावा नहीं करेंगे। उन्होंने किया भी है। किंतु विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर 35 मिनट की हुई बातचीत का जो ब्यौरा दिया उसका ट्रंप प्रशासन द्वारा खंडन न किया जाना ही बताता है कि वक्तव्य पूरी तरह सच है। दो नेताओं की बातचीत में सामने वाले को कहा जाए कि आपने जो दावा किया वैसी बातचीत हमारे आपके बीच कभी हुई नहीं तो उस पर क्या गुजरेगी? विदेश सचिव विक्रम मिश्री की इन पंक्तियों को देखिए–, "प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की ओर से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुई। दोनों सेनाओं की बात मौजूदा चैनल्स के माध्यम से हुई थी। पाकिस्तान के ही आग्रह पर ये बातचीत हुई थी।" ट्रंप ने क्या उत्तर दिया यह सामने नहीं है। जरा सोचिए, अगर ट्रंप जी 7 बैठक बीच में छोड़ अमेरिका नहीं लौटे होते और आमने-सामने बातचीत होती तो कैसा दृश्य होता? कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेवर का आभास ट्रंप को हो और उन्होंने वहां से तत्काल निकल जाने में नहीं उचित समझा। निश्चित रूप से देश में कांग्रेस सहित सारी पार्टियों और झूठे नैरेटिव से नकारात्मक इकोसिस्टम खड़ा करने वाले समूहों को धक्का पहुंचा होगा। भारत-पाकिस्तान के सैनिक टकराव रुकने के संबंध में ट्रंप के लगातार वक्तव्यों को आधार बनाकर संकुचित राजनीति के लिए जिस तरह का उपहास प्रधानमंत्री, भारतीय विदेश नीति व रक्षा नीति का उड़ाया जा रहा था उन सब पर तुषारापात हुआ है। सामान्य शिष्टाचार है कि ट्रंप अंकल का एक फोन आते ही मोदी ने युद्ध रोकने का आदेश दे दिया का नैरेटिव चलाने वाले कम से कम अफसोस प्रकट करें। किसी ने नहीं सोचा कि जब भारत की वर्षों पुरानी नीति कश्मीर को द्विपक्षीय मामला मानने तथा तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप न करने देने

की है तो सरकार इससे परे नहीं जा सकती। वैसे भी नरेंद्र मोदी सरकार ने तो पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादी हमलों का प्रतिकार किया और नीतिगत बयान यही है कि केवल पाक अधिकृत कश्मीर को सुलझाना ही बचा हुआ है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में ही पाकिस्तान से किसी स्तर की बातचीत या तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को सीधे-सीधे नकारा। विदेश सचिव के वक्तव्य से यह धारणा भी खंडित हुआ कि इस बीच मोदी और ट्रंप के बीच कोई बातचीत हुई। वे कह रहे हैं कि उसके बाद दोनों नेताओं की पहली बातचीत थी। पूरे घटनाक्रम की स्थिति में यह तथ्य काफी महत्वपूर्ण है। यानी 9 मई को केवल अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत हुई जिन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत पर बड़े हमले की जानकारी दी थी और जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत उससे बड़ा जवाब देगा और दिया गया। यानी युद्धविराम की उसमें भी कोई बात नहीं। साफ है कि ऑपरेशन सिंदूर पर विरोधियों द्वारा बनाया नैरेटिव शर्मनाक तौर पर झूठा था। ट्रंप को भी सीधे प्रधानमंत्री से यह सुनने के बाद कि भारत अब आतंकवाद को प्रॉक्सी वार नहीं, युद्ध के रूप में ही देखता है और "ऑपरेशन सिंदूर" अभी भी जारी है, हमारी नीति और तैयारी का स्पष्ट आभास हो गया होगा। यानी आप क्या सोचते और चाहते हैं वह नहीं हमारी सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण है और यही नीति का मुख्य आधार है। सामान्य तौर पर यह व्यवहार भी हैरत भरा है कि एक ओर ट्रंप पाकिस्तान के फिल्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को रात्रि भोज दे रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी से अमेरिका आने का आग्रह कर रहे हैं। यह अमेरिका की कैसी रणनीति है? मोदी सरकार ने ट्रंप प्रशासन के साथ सही रणनीति अपनाया और दूसरी प्रतिबद्धताओं की बात कह मोदी ने ट्रंप के निमंत्रण को ठुकरा दिया। यह भी ट्रंप और उनके प्रशासन के लिए सामान्य धक्का नहीं था। कनाडा से अमेरिका जाकर कुछ घंटे बातचीत करते हुए क्रोशिया जा सकते थे। इसका आभास भी ट्रंप और उनके प्रशासन को होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा कर भारत की नाराजगी प्रकट कर दिया है। मोदी को ट्रंप का आज्ञाकारी और न जाने क्या-क्या शब्द देने वाले कभी यह भी नहीं सोचते कि वह किसी व्यक्ति का नहीं 140 करोड़ भारतीयों के नेता और इस नाते भारत को छोटा दिखा रहे हैं। विचार इस पर होना चाहिए कि ट्रंप के व्यवहार में बदलाव आया क्यों? सब कुछ जानते हुए डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन पाकिस्तान के साथ सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार कैसे करने लगा? तत्काल ऐसा लगता है कि अमेरिका ने ईरान के अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता समाप्त करने की रणनीति काफी पहले बना ली। पाकिस्तान किसी स्तर पर ईरान की ठोस मदद न कर सके इसकी तैयारी के तहत उसे पुचकारा गया। मुद्रा कोष से कर्ज दिलाने में मदद की, फिर भारत के साथ समानता का व्यवहार करते हुए उसे भी महान देश बताया और अब पहलगाम आतंकवादी हमले के मुख्य खलनायक तथा सरेआम मुसलमान को विशेष संस्कृति बताने वाले जनरल को इतना महत्व। इसके पहले किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने अन्य जनरलों को ऐसा महत्व नहीं दिया। पाकिस्तान ईरान की सीमा लगभग 900 किलोमीटर मिलती है। ईरान के रक्षा मंत्री का वह बयान उपलब्ध है कि आवश्यकता पड़ने पर पाकिस्तान अपना न्यूक्लियर हथियार मदद में देगा। इस्लाम के नाम पर ऐसी भयानक स्थिति पैदा न हो इसका ध्यान रखते हुए ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान से संपर्क बढ़ाया होगा। संभव है इसी से आत्मविश्वास बढ़ा और पाकिस्तान भारत के विरुद्ध भौंहें टेढ़ी किया हो। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री को इसका खंडन करना पड़ा। इसे भारतीय विदेश नीति की विफलता करार देना भी अनुचित है। भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो हैसियत है वह बनी हुई है। ऐसा नहीं होता तो जी7 के देश ही मांग नहीं करते कि सम्मेलन में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री ने वहां आतंकवाद पर खड़ी-खरी सुनते हुए कहा भी आतंकवाद पर हमारा रवैया नहीं बदला तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। एक ओर तो हम अपने अनुसार किसी पर प्रतिबंध हैं और दूसरे आतंकवाद के मुख्य केंद्र को समर्थन करते हैं। अमेरिका , यूरोप पाकिस्तान की भूमिका के बारे में पूरी जानकारी रखते हैं। किंतु उनकी सोच है कि पाकिस्तान अलग-थलग होकर पूरी तरह चीन के पाले में चला जाएगा और एक उग्रवादी अराजकतावादी देश बन जाएगा। ये नहीं चाहते कि पाकिस्तान को अलग-थलग कर उसे पूरी तरह चीन के पाले में जाने और उग्रवादी अराजकतावादी देश बनने की ओर धकेल दें। एक समय पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय जेहादी आतंकवाद का मुख्य केंद्र था। आज वह उसी रूप में उनके लिए खतरा नहीं है जैसा भारत के लिए है। अमेरिका की उसके पड़ोसी अफगानिस्तान और ईरान से उपस्थिति भी खत्म है। भारत को इसका ध्यान रखते हुए ही नीतियां बनानी है और बना भी रहा है। आतंकवादी हमले होंगे तो सब साथ होने का बयान देंगे, लेकिन पाकिस्तान पर हमले में साथ नहीं मिलेगा। तो सबक यही है कि विरोधी मोदी विरोध के नाम पर भारत को छोटा दिखाने के लिए इस तरह झूठ नैरेटिव से बचें।

देश दुनिया से

नाम नहीं नीतियां बदलने से बदलेंगे हालात

ऐसा नहीं है कि राज्य में सबको रोज़गार मिल गया है। हुआ यह है कि राज्य सरकार को अचानक यह इलहाम हुआ है कि बेरोज़गारी की इस समस्या से निपटने का सबसे कारगर तरीका यह है कि रोजगार की तलाश में सड़कों पर भटकते, नारे लगाते युवाओं का नाम ही बदल दिया जाये। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी! इसलिए सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में राज्य के बेरोज़गार युवाओं को 'रोज़गार खोजने वाला युवा' कहा जायेगा। ऐसे में युवाओं को एक अच्छा-सा नाम भी दे दिया गया है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास मंत्री ने यह घोषणा कर दी है कि अब इन युवाओं को 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। शेक्सपियर ने भले ही कुछ भी माना या कहा हो, हमारी सरकार यह मानती है कि बेरोज़गारी शब्द युवाओं का मनोबल गिराता है, इस शब्द का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब युवाओं पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका मनोबल बना रहेगा। इस निर्णय के परिणाम स्वरूप सरकारी नौकरियों में कार्यरत युवा उच्च पद पाने की आकांक्षा रखेंगे और बेरोज़गार युवा नौकरी की आकांक्षा रखेंगे। बेरोजगारी की समस्या का इससे अच्छा भला और क्या समाधान हो सकता है? सरकारी आंकड़ों और मान्यता के अनुसार मध्य प्रदेश में 'आकांक्षी युवाओं' की संख्या दिसंबर 2024 में 26 लाख थी अब यह बढ़कर 29 लाख हो गयी है। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन 2020 से सन 2024 के दौरान राज्य में 27 रोज़गार मेले लगाये गये थे, इनमें तीन लाख युवाओं को रोज़गार के प्रस्ताव मिले थे। अब सरकार यह मान रही है कि बेरोजगारों का नाम बदलने से रोज़गार मिलने की गति में तेजी आयेगी और जल्दी ही बेरोजगारी का खात्मा हो जायेगा। निश्चित रूप से देश के अन्य राज्य भी

मध्य प्रदेश से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और समस्याओं के समाधान का यह नाम बदलू तरीका अपनाकर देश में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने में अपना योगदान देंगे। राज्य सरकार के इस कदम को सार्थक परिणति तक पहुंचाने के काम को गति देने के लिए जनता के सुझाव भी आने लगे हैं। ऐसे सुझावों में एक सुझाव गरीबों को 'अर्ध धनवान' नाम देने का भी है। इसी तरह भिखारियों को 'सड़क के स्टार्टअप खोजी' कहकर देश की इस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है। शुतुरमुर्ग के बारे में यह कहा जाता है कि संकट आने पर वह अपना सर रेत में छुपा लेता है और मान लेता है कि क्योंकि संकट उसे नहीं दिख रहा, इसलिए वह मिट गया है। कुछ ऐसी ही प्रवृत्ति हमारी सरकारों में दिख रही है। अन्यथा यह कैसे संभव है कि बेरोज़गार को आकांक्षी युवा कहने से उसका संकट मिट जायेगा? किसी भी समस्या का समाधान समस्या की आंख से आंख मिलाकर उसका सामना करने से होता है, न कि यह मान लेने से कि समस्या है ही नहीं। हमें यह मानना ही होगा कि बेरोज़गारी और गरीबी हमारी बहुत बड़ी समस्या है– और चुनौती भी। इस समस्या का समाधान चुनौती को स्वीकार करके ही किया जा सकता है। अक्सर वक्त की सरकारें लोकलुभावनी नारों से जनता को भरमाने की कोशिश करती हैं, और अक्सर जनता इन नारों के जाल में फंस जाती है। 'इंडिया शाइनिंग' से लेकर 'अच्छे दिन' तक के नारों के शोर हम सुनते रहे हैं। इस तरह के नारे समय-विशेष की आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सांत्वना भले ही देते हों, पर अक्सर यह देखा गया है कि सरकारें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने वादों और दावों को बदलती रहती हैं और अक्सर उन्हें जनता को भरमाने के अपने उद्देश्य में सफलता भी मिल जाती है। आधी सदी से ज़्यादा समय हो गया है जब देश में 'गरीबी हटाओ' का नारा चला था। तब से लेकर आज तक अलग-अलग दलों की सरकारें आती-जाती रहीं, पर देश की गरीबी नहीं मिटी। आंकड़ों से भले ही गरीबी के कम होने की दुहाई दी जा रही हो, पर यह तथ्य अपने आप में परेशान करने वाला है कि आज देश की 80 करोड़ आबादी, यानी आधी से कहीं ज़्यादा आबादी, पांच किलो अनाज के सहारे जी रही है! उस पर तुर्रा यह कि हमारी सरकार इसे अपनी उपलब्धि के रूप में गिनाती-जताती है! आज़ादी प्राप्त करने के 78 साल बाद भी यदि देश की 80 करोड़ आबादी को सरकारी सहायता के रूप में मिलने वाले मुफ्त अनाज के सहारे जीना पड़ रहा है तो यह किसी भी सरकार के लिए गर्व की नहीं, चिंता की बात होनी चाहिए, और इसे सरकार की एक उपलब्धि के रूप में गिनाया जा रहा है! हर साल दो करोड़ बेरोज़गारों को रोज़गार देने का वादा करके सत्ता में आने वाली सरकार देश के बेरोज़गारों को 'आकांक्षी युवा' का नाम देकर अपने वादों को भुलाने की कोशिश कर रही है, इसे राष्ट्रीय चिंता के रूप में ही स्वीकारा जाना चाहिए। जिस तरह सुलझाने के लिए पहले समस्या के अस्तित्व को स्वीकारना ज़रूरी होता है, उसी तरह मौजूद स्थितियों को भी स्वीकारना होता है। तभी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कुछ सार्थक किया जा सकता है। पर हमारी सरकारें तो जनता की समस्याएं सुलझाने के बजाय जनता को भरमाने की नीति में विश्वास करती हैं।

आप का नजरिया

फिर अंतरिक्ष में दस्तक

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततः अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आईएसएस पर वैज्ञानिक अध्ययन व अनुसंधान की गतिविधियों में दुनिया के लगभग तीस देश शामिल होंगे। निस्संदेह, भारत को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए। ताकि भविष्य में स्वदेशी मिशनों में ये अनुभव लाभदायक साबित हो सके। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे किस तरह उगते हैं, पर भी अध्ययन करेगी। साथ ही यह जानने की कोशिश होगी कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण शून्य होने पर पौधे कैसे उगते हैं। साथ ही इन पौधों में धरती के पौधों से इतर कई विशेषताएं होंगी। दरअसल, इस मिशन के दौरान साठ से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किये जाने हैं। भारत के वैज्ञानिकों ने सात प्रयोगों का सुझाव दिया है। भारत पहली बार एस्ट्रो-बायोलॉजी के प्रयोग करेगा।

गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंतत: अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है।

कुछ अलग

बेटियां संवेदनशील

देशकाल -परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है... दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है।

दृष्टि कोण

समाज की चुप्पी से मजबूत होता नशा बाजार

नशे की त्रासदी केवल इसके शारीरिक या मानसिक नुकसान तक सीमित नहीं है; इसकी असली ताकत उस सामाजिक स्वीकार्यता में है, जो इसे धीरे-धीरे हमारे जीवन में घुसने देती है। स्कूल के किशोर से लेकर कॉरपोरेट ऑफिस में काम करने वाले प्रोफेशनल तक, नशा अब एक 'पर्सनल च्वॉइस' का लबादा ओढ़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की विश्व ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग 29.6 करोड़ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। एनसीआरबी और अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में 15 से 34 वर्ष की आयु के बीच के लाखों युवा नशे की चपेट में हैं। इनमें से कई स्कूली बच्चे और कॉलेज छात्र हैं, जो ड्रग्स, शराब, और तंबाकू के जाल में फंस रहे हैं। नशे की यह महामारी केवल एक व्यक्ति की कमजोरी नहीं है; यह एक सामाजिक संरचना की खामी है। जब नशा 'कूल' होने का पर्याय बन जाता है, जब फिल्मों में सिगरेट का धुआं या शराब का ग्लास 'हीरोइज्म' का प्रतीक दिखाया जाता है, तो हमारी युवा पीढ़ी को गलत संदेश मिलता है। आज का युवा नशे को स्टेटस, स्टाइल, और स्वतंत्रता से जोड़ता है। यह एक ऐसी भ्रांति है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक ढांचे को कमजोर करती है। नशा केवल शरीर को नहीं खोखला करता; यह सपनों, रिश्तों, और आत्मविश्वास को भी नष्ट करता है। नशे के पीछे कई कारण गिनाए जाते हैं—तनाव, बेरोजगारी, सामाजिक दबाव, या फिर दोस्तों का प्रभाव। लेकिन क्या हमने कभी यह पूछा कि हमारी व्यवस्था इस समस्या को रोकने में कितनी नाकाम रही है? नशा विरोधी कानून, जैसे नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985, भारत में मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन कहां है? स्कूलों में नशे के खिलाफ जागरूकता के नाम पर साल में एक बार भाषण या पोस्टर प्रतियोगिता करवा दी जाती है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी और नशे की आसान उपलब्धता इस समस्या को और बढ़ा रही है। हाल के वर्षों में भारत में सस्ते और खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स, जैसे मेफेड्रोन की तस्करी में वृद्धि हुई है। ये नशीले पदार्थ न केवल सुलभ हैं, बल्कि इनका प्रचार सोशल मीडिया और डार्क वेब के जरिए भी हो रहा है। नशे का प्रभाव केवल शारीरिक या मानसिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। नशे की लत के कारण लोग अपनी नौकरी, शिक्षा, और सामाजिक प्रतिष्ठा खो देते हैं। परिवार टूटते हैं, बच्चे अनाथ होते हैं, और समाज में अपराध बढ़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाली बीमारियों और अपराधों का वैश्विक आर्थिक बोझ अरबों डॉलर में है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां पहले ही संसाधनों की कमी है, नशे की यह महामारी एक और बड़ी चुनौती है। इस समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों या कानूनों तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है, जिसमें हर व्यक्ति, हर परिवार, और हर समुदाय की जिम्मेदारी बनती है। माता-पिता को अपने बच्चों से खुलकर बात करनी होगी—न कि डर या ताने के साथ, बल्कि प्यार और विश्वास के साथ। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार पर नजर रखें और उन्हें नशे के खतरों के बारे में शिक्षित करें। स्कूलों और कॉलेजों में नशा निषेध पर नियमित कार्यशालाएं और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। सरकार को नशा तस्करी के खिलाफ सख्ती बरतनी होगी और नशामुक्ति केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ानी होगी। मीडिया और सिनेमा की भूमिका भी अहम है। जब तक फिल्में और वेब सीरीज नशे को 'ग्लैमराइज' करती रहेंगी, तब तक युवाओं के दिमाग से यह भ्रांति नहीं निकलेगी कि नशा 'कूल' है। असली हीरो वही है, जो नशे की लत को ठुकराकर अपने सपनों को हकीकत में बदलता है। सामाजिक स्तर पर भी हमें नशे के शिकार लोगों को हाशिए पर धकेलने के बजाय, उन्हें मुख्यधारा में लाने की कोशिश करनी होगी।

हिंदू महिला से रेप: पूरे बांग्लादेश में आक्रोश मोहम्मद यूनुस के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन

ढाका, 30 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में एक हिंदू महिला के साथ हुए दुष्कर्म का मामला अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के गले की हड्डी बनता जा रहा है। आम जनता में आक्रोष है और उनके खिलाफ हजारों लोग सड़क पर उतर आए हैं।

जगह जगह प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकार विरोधी नारे लग रहे हैं। ऐसे में बैकफुट पर आई बांग्लादेश की अंतरिम सरकार लोगों का गुस्सा कम नहीं कर पा रही है।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ढाका विश्वविद्यालय के छात्र विरोध प्रदर्शन करने लगे। विश्वविद्यालय के जगन्नाथ छात्रावास के छात्रों ने जुलूस निकाले। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के हासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सजा की मांग की है। बांग्लादेश के एक हाई कोर्ट ने प्रशासन से कहा है कि तत्काल वीडियो को सोशल मीडिया से हटवाया जाए। दो जजों की बेंच ने सरकार से कहा है कि पीड़िता को सुरक्षा दिलवाई जाए और उसका इलाज करवाया जाए। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वीडियो वायरल होने और बवाल के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक पहले आसपास के लोगों ने आरोपी की पिटाई की और फिर उसे अस्पताल ले गए। वहां से आरोपी भाग निकला। उन लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले नहीं किया था।

बताया गया कि पीड़िता अपने मायके आई थी। वहीं आरोपी जबरन उसके घर में घुस गए और रेप किया। शेख हसीना के बेटे सजीब अहमद ने आरोप लगाया है कि मोहम्मद यूनुस की सरकार में भीड़ के हमले और रेप और हत्याएं की घटनाएं बहुत बढ़ गई है। उन्होने कहा कि बांग्लादेश में इस समय अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। बता दें कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार आम बात हो गई है। बांग्लादेश के कूमिला में हिंदू महिला के साथ रेप की घटना के बाद भी प्रशासन कानों में उंगली डाले रहा। इसके बाद महिला के यौन उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने लगा। विरोध प्रदर्शनो और बवाल के बाद प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि रेप के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्रिटेन के स्लॉ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की धूम

लंदन। ब्रिटेन के स्लॉ हिन्दू मंदिर से निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में 1,000 से अधिक भक्त शामिल हुए। इसमें भारतीय उच्चायोग लंदन के उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने पवित्र छेरा पहारना अनुष्ठान किया। भारतीय उच्चायोग लंदन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की सचित्र संक्षिप्त सूचना साझा की है। श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके के तत्वावधान में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साह और आस्था के साथ हिस्सा लिया। सभी ने पवित्र रथ को खींचा। स्लॉ हिन्दू मंदिर में भगवान जगन्नाथ के जयकारे गूंजे। पवित्र छेरा पहारना रथयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान होता है। इस अनुष्ठान में देवताओं के सामने रथ को साफ किया जाता है। यह भगवान के सम्मुख विनम्रता और समानता का प्रतीक है। श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके अनुसार, इस दौरान भारत के पुरी के मां गुंडिचा मंदिर का दृश्य जीवंत हो उठा।

यूएई में 49 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है तापमान

दुबई। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। केंद्र ने कहा कि आंतरिक क्षेत्रों में 44 डिग्री सेल्सियस से 49 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहने की उम्मीद है। तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में भी काफी गर्मी रहेगी। यहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। गल्फ न्यूज ने राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के हवाले से अपनी खबर में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि आसमान में कुछ समय के लिए आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। पूर्वी तट पर सूरज आग उगलेगा। दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पश्चिम की ओर हवा 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चल सकती है। अरब की खाड़ी और ओमान सागर दोनों में हलचल सामान्य रहने का अनुमान है। केंद्र ने लोगों को लंबे समय तक बाहर रहने से बचने की सलाह दी है।

नेपाल में 321 अरब के टेलीकॉम घोटाले में जेल में बंद पूर्व मंत्री मोहन बस्नेत 25 लाख की जमानत पर रिहा

काठमांडू। नेपाल की विशेष अदालत ने 321 अरब रुपये से अधिक के हाई प्रोफाइल टेलीकॉम भ्रष्टाचार मामले में नेपाली कांग्रेस के सांसद और पूर्व सूचना तथा संचारमंत्री मोहन बस्नेत को 25 लाख रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। एंटी करप्शन ब्यूरो ने 15 मई को नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) के इस घोटाले का मामला अदालत में दायर कराया था। इसमें बस्नेत और 15 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। विशेष अदालत के न्यायमूर्ति तेज नारायण सिंह राई, न्यायमूर्ति राम बहादुर थापा और न्यायमूर्ति बिदुर कोइराला की पीठ ने पहले बस्नेत का बयान दर्ज किया। इसके बाद उनकी रिहाई का आदेश जारी किया। एंटी करप्शन ब्यूरो का आरोप है कि नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के लिए टेरामॉक्स प्रणाली की खरीद के दौरान बड़े पैमाने पर गबन किया गया है। अन्य आरोपितों में एनटीए के पूर्व अध्यक्ष दिगंबर झा, धनराज झवाली, टिका प्रसाद उप्रेती, सुरेंद्र लाल हाडा, दीपेश आचार्य, संदीप अधिकारी अधिकारी, अच्युतानंद मिश्रा, विजय कुमार राया, पुरुषोत्तम प्रसाद खनाल, रेवती राम पंथ, सुरेश बस्नेत, हिरण्य प्रसाद बस्ताकोटी, तेज प्रसाद खरेल, दिलीप कुमार गुरुंग और दो निजी कंपनियां शामिल हैं।

अमेरिका के उत्तरी इडाहो में स्नाइपर की गोलीबारी में दो फायर फाइटर की मौत

वाशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी इडाहो में रविवार दोपहर जंगल की आग बुझाते समय फायर फाइटर्स पर घात लगाकर किए गए स्नाइपर के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। एक फायर फाइटर जख्मी है। गोलीबारी अभी रुकी नहीं है। उत्तरी इडाहो के कोयूर डी%एलेन के पूर्वी हिस्से में 24 एकड़ के पार्क कैनफील्ड माउंटेन नेचुरल एरिया में रुक-रुक कर गोलियों की आवाज आ रही है।

खबर में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कोयूर डी%एलेन के पास कानून प्रवर्तन एजेंसियां हर सप्ताहांत पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए आवारागर्दी करने वालों को खदेड़ती हैं। अधिकारियों ने ऐसे लोगों को दबोचने की कोशिश की। इस दौरान गोलीबारी शुरू हो गई।

कूटेनाई काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट नॉरिस ने शाम लगभग 4:30 बजे संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम निश्चित रूप से स्नाइपर की गोलीबारी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कितने लोग गोलियों की चपेट में आए हैं, यह साफ नहीं है, लेकिन दो फायर फाइटर की मौत हो चुकी है।

खबरों के अनुसार, पार्क कैनफील्ड माउंटेन नेचुरल एरिया में घने जंगलों से ढके हाइकिंग और बाइकिंग रूट में फायरिंग हो रही है। अमेरिकी कृषि विभाग वन सेवा के हैंडआउट के अनुसार, इस पार्क में 25 मील से ज्यादा लंबी पगडंडियां हैं। स्थानीय निवासी मार्क लेथ्रोप के अनुसार, उनकी पत्नी हफ्ते में तीन-चार बार कैनफील्ड माउंटेन नेचुरल एरिया में हाइकिंग करती हैं। यहां अपराधियों के छुपने के लिए बहुत सारी जगह है।

कूटेनाई काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट नोरिस ने कहा कि बेगुनाहों की जान वाले स्नाइपर की तलाश कानून प्रवर्तन एजेंसियां कर रही हैं। पर्वतारोही अभी पहाड़ से नीचे उतर रहे हैं। नॉरिस ने कहा कि वह रविवार को स्थानीय समयानुसार रात 9:30 बजे (सोमवार को दोपहर 12:30 बजे ईडीटी) संवाददाता सम्मेलन में घटना की विस्तार से जानकारी देंगे। यह मीडिया ब्रीफिंग काउंटी के हेडन स्थित आपातकालीन प्रबंधन संचालन केंद्र में होगी। कोटेनई काउंटी आपातकालीन प्रबंधन की फेसबुक पोस्ट के अनुसार, गोलीबारी के मद्देनजर कैनफील्ड माउंटेन पर नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इस प्रतिबंध में ड्रोन भी शामिल है। इडाहो का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकी सीनेटर जिम रिश ने एक्स पोस्ट में रविवार को हुए भयावह हमले की निंदा की। पूर्व एफबीआई एजेंट और अनुभवी फायर फाइटर जेसन पैक ने कहा कि कैनफील्ड माउंटेन नेचुरल एरिया में सक्रिय शूटर या शूटरों को पकड़ना कानून प्रवर्तन के लिए अधिक कठिन हो सकता है, क्योंकि यह इलाका दुर्गम है और आग बहुत तेजी से फैल रही है। अधिकारियों का कहना है कि शूटरों की तलाश के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फायर फाइटर्स का कहना है कि रविवार की गोलीबारी में दो फायर फाइटर की मौत हो गई। एक की सर्जरी चल रही है। अस्पताल के प्रवक्ता किम एंडरसन ने इसकी पुष्टि की है।

उल्लेखनीय है कि उत्तरी इडाहो को पैनहैंडल भी कहा जाता है। यह क्षेत्र कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत, वाशिंगटन राज्य और मोंटाना राज्य की सीमा से सटा है। उत्तरी इडाहो में खूबसूरत झीलें, पहाड़ और जंगल हैं। उत्तरी इडाहो के मुख्य आकर्षण में कोइर डीएलेन झील है।

चीन को दो बार झटका देने वाले दलाई लामा जल्द करेंगे उत्तराधिकारी का ऐलान!

ल्हासा,30 जून (एजेंसियां)।

6 जुलाई को दलाई लामा 90 साल के हो जाएंगे। इस दौरान धर्मशाला के मैक्लॉडगंज में आयोजन शुरू हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, सीटीए यानी केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के कई मंत्रियों ने कहा है कि 90वां जन्मदिन मनाने के दौरान दलाई लामा उत्तराधिकारी की घोषणा कर सकते हैं।

इन मंत्रियों में पेन्पा सेरिंग, सिक्योंग, डिप्टी स्पीकर डोलमा सेरिंग का नाम शामिल है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन जानकार संभावनाएं जता रहे हैं। खास बात है कि दलाई लामा पहले ही इस रेस में किसी भी चीनी नागरिक का पत्ता काट चुके हैं।

फिलहाल, चीन इस आयोजन पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऐसा माना जा रहा है कि चीन इस बात पर जोर देता है कि वह दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चुनाव करेगा, ताकि तिब्बत पर धार्मिक नियंत्रण हासिल किया जा सके। जबकि, तिब्बत में ऐसे शख्स को स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिसे चीन चुनेगा।मीडिया से बातचीत में निर्वासित तिब्बती सरकार के स्पीकर खेन्पो सोनम तेन्फेल ने कहा कि 2 जुलाई से धार्मिक आयोजन शुरू हो जाएंगे।

उस दौरान दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, कॉन्फ्रेंस के एजेंडा में यह शामिल नहीं है, लेकिन इस बात की काफी संभावनाएं हैं कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी के प्रश्न पर चर्चा हो सकती है और हमें जवाब मिल सकता है। उन्होंने कहा, दलाई लामा का उत्तराधिकारी चीन के बाहर आजाद दुनिया का होना चाहिए। जैसा वह चाहते हैं। किसी भी हाल में तिब्बती सिर्फ उसी नाम को स्वीकार करेंगे, जो दलाई लामा खुद बताएंगे। नाम की किताब में दलाई लामा पहले ही बता चुके हैं कि उनका उत्तराधिकारी आजाद दुनिया में पैदा हुआ होना चाहिए और चीन से बाहर का होना चाहिए।

ईरान के शिया धर्मगुरु ने ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया फतवा

ईरान-इजरायल की जंग के बाद ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने दुनिया के सभी मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की है। इसके साथ उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी किया है। बता दें 12 दिनों तक चलते ईरान और इजरायल के बीच जंग के बाद ट्रंप ने 24 जून को संघर्ष विराम का ऐलान किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, अयातुल्लाह नसीर मकरम शिराजी ने फतवा जारी किया है, जिसमें ट्रंप और नेतन्याहू को दुश्मन बताया है। उन्होंने लिखा, यह साफ है कि इस्लामिक व्यवस्था के किसी व्यक्ति और खासतौर से सुप्रीम लीडर को जान से मारने की धमकी देना मना है और धार्मिक रूप से निषेध है। उन्होंने कहा, उनका बचाव करना और ऐसी धमकियां देने वाले आरोपियों को जवाब देना जरूरी है। साथ ही पवित्रता का उल्लंघन करना सबसे बड़े पापों में से एक है।

ईरान के एविन जेल पर इजराइली हमले में 71 लोगों की जान गई

तेहरान, 30 जून (एजेंसियां)।

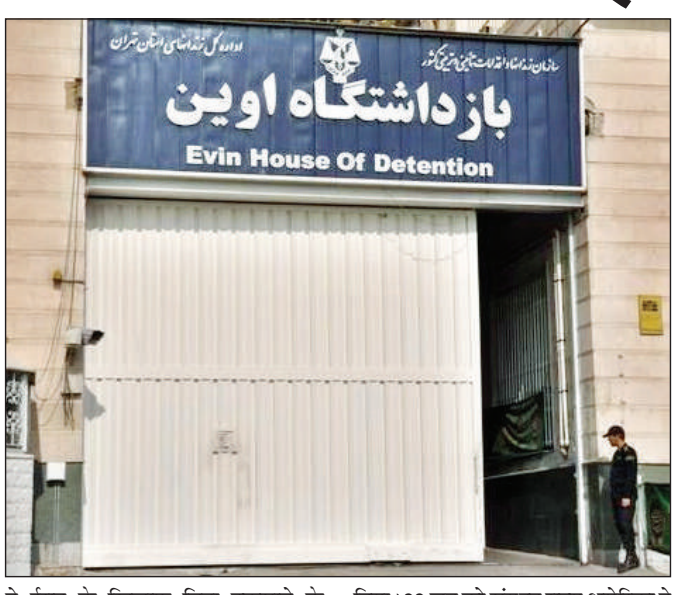

इजराइल के एविन जेल पर किए गए हमले में मारे गए ईरानियों में प्रशासनिक कर्मचारी, स्वैच्छिक सैन्य सेवी युवा, कैदी, उनसे मिलने आए परिवार के सदस्य और जेल के पास रहने वाले पड़ोसी शामिल हैं। न्यायपालिका के प्रवक्ता असगर जहांगीरी ने कहा है कि यह जेल उत्तरी तेहरान में है। इस जेल पर इजराइली हमले में 71 लोगों की जान चली गई। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना की खबर में यह जानकारी दी गई।

इरना ने न्यायपालिका के मीडिया सेंटर की विज्ञप्ति में असगर जहांगीरी के हवाले से कहा कि 29 जून को यह आंकड़ा घोषित किया। इजराइल ने यह हमला 23 जून को किया था। जहांगीरी ने कहा कि इजराइली हमले में भारी भौतिक क्षति भी हुई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह हमला आपराधिक है। न्यायपालिका प्रमुख गलाम हुसैन मोहसेनी-एजेई ने पहले ही इस बर्बर हमले की निंदा करते हुए कहा कि ईरान इस मामले को अंतरराष्ट्रीय कानूनी निकायों के सामने रखेगा।

इरना के अनुसार, 13 जून को इजराइल ने ईरान के खिलाफ बिना उकसावे के आक्रामण किया। इसमें शीर्ष सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और नागरिकों सहित 600 से अधिक लोग मारे गए। ईरानी सशस्त्र बलों ने शक्तिशाली तरीके से जवाब दिया। 22 जून को संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजराइल का साथ दिया और शासन के साथ समन्वय में, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर हमला किया।

ट्रंप की धमकी काम आई, कनाडा ने डिजिटल सेवा कर रद्द किया

ओटोवा, 30 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को दी गई धमकी आखिरकार काम आ गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार रात डिजिटल सेवा कर को रद्द कर दिया। डिजिटल सेवा कर की वजह से अमेजन, गूगल, मेटा, उबर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों पर कनाडाई उपयोगकर्ताओं से होने वाले राजस्व पर तीन फीसदी का कर लगना था। इससे अमेरिकी कंपनियों को महीने के आखिर में दो बिलियन अमरीकी डॉलर का भुगतान करना पड़ता।

खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि यह ट्रंप के अमेरिकी व्यापार वार्ता को रद्द करने की घोषणा का असर है। कार्नी ने डिजिटल सेवा कर को भुगतान से एक दिन पहले रद्द किया है। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका के साथ अमेरिकी व्यापार वार्ता (पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक व्यापार व्यवस्था) शुरू होगी।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बयान में कहा, घोषणा इस महीने के कनानास्किस में जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में निर्धारित 21 जुलाई, 2025 की समयसीमा के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने का समर्थन करेगी। कनाडा के वित्तमंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने बयान में कहा, डिजिटल सेवा कर को समाप्त करने से अमेरिका के साथ एक नए आर्थिक और सुरक्षा संबंधों की बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

ओटावा का यह निर्णय इस महीने की शुरुआत में कनाडाई अधिकारियों के लिए गए निर्णय से उलट है। उन्होंने कहा था कि वे अमेरिका के कड़े विरोध के बावजूद डिजिटल सेवा कर को रोकेंगे नहीं। डिजिटल सेवा कर को पहली बार 2020 में कराधान अंतर को दूर करने के लिए पेश किया गया था।

महत्वपूर्ण यह है कि कनाडा और अमेरिका के रिश्ते ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही अच्छे नहीं रहे। ट्रंप ने देश के कनाडा पर अनेक बार कटाक्ष किया। यह तक कहा कि कनाडा को अमेरिकी राज्य के रूप में शामिल किया जाए। इसके बाद कनाडा को भारी अमेरिकी टैरिफ की मार झेलनी पड़ी। ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और ऑटो पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया। हालांकि, इस टैरिफ पर नौ जुलाई तक रोक है। फिर भी कनाडा और मैक्सिको को 25 प्रतिशत तक के अलग-अलग टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

लग्जरी बिजनेस क्लास एडिशन में बदला टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस को

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस को ऑटोराउंडर्स कंपनी ने एक लग्जरी बिजनेस क्लास एडिशन में तब्दील कर दिया है। कंपनी ने न केवल इस एमपीवी के इंटीरियर को पूरी तरह से नया रूप दिया है, बल्कि इसके एक्सटीरियर में भी कई बदलाव किए हैं। इस वजह से यह गाड़ी अब आम एमपीवी न लगकर किसी हाई-एंड लग्जरी कार जैसी दिखाई देती है। यह कस्टमाइजेशन इनोवा जैसे पारिवारिक वाहन को प्रीमियम लुक और फील देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। ऑटोराउंडर्स पहले भी बीएमडब्ल्यू, ऑडी, मर्सिडीज, पोर्श और बेंटले जैसी ब्रांड्स की कारों को कस्टमाइज कर चुकी है। इस बिजनेस क्लास एडिशन में स्टैंडर्ड सीट्स को हटा कर हाई-कम्फर्ट कैप्टन सीट्स लगाई गई हैं, जिनमें 150-डिग्री रिक्लाइनिंग, मसाजर, वेंटिलेशन, हीटिंग, काफ सपोर्ट, यूएसबी चार्जिंग और फोन होल्डर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इन सीटों को फर्स्ट-क्लास एयरलाइन सीट्स की तरह डिजाइन किया गया है। गाड़ी की छत पर रोल्स रॉयस से प्रेरित गैलेक्सी स्टार लाइट्स लगाई गई हैं जो इसे खास बनाती हैं। वहीं, स्काई रूफ, एंबिएंट लाइटिंग और कार्बन फाइबर फिनिश वाला स्टीयरिंग भी इस लक्जरी टच को और निखारता है। एक्सटीरियर में मेबैक-स्टाइल ग्रिल, नए प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स, कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट्स और कलर-कोटेड अलॉय व्हील्स जोड़े गए हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हरियाणा में 43 एकड़ जमीन अधिग्रहण की

मुंबई। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हरियाणा स्थित पानीपत में 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया है जिससे उसे 1,250 करोड़ रुपये से अधिक आय होने की संभावना है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने: भूखंड विकास के लिए 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिससे 1,250 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षमता होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हालांकि सौदे के वित्तीय विवरण की जानकारी नहीं दी। यह भूमिखंड पानीपत के सेक्टर 40 में स्थित है।

न्यूज ब्रीफ

अडानी पावर को बांग्लादेश ने चुकाए 384 मिलियन डॉलर, 500 बकाया

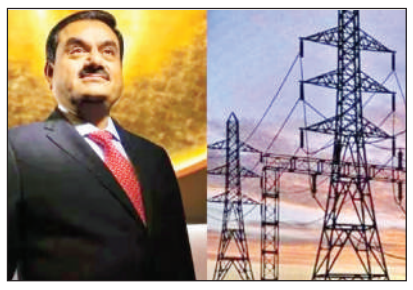

नई दिल्ली। बांग्लादेश को बिजली सप्लाई करने वाली भारत की अडानी पावर को अब तक 1.5 अरब डॉलर का भुगतान मिल चुका है, जबकि कुल बिलिंग करीब 2 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी है। हाल ही में बांग्लादेश ने मार्च 2025 से नियमित मासिक भुगतान फिर से शुरू किया, जिसके बाद अडानी ने बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया। इससे पहले नवंबर 2024 में भुगतान में देरी के चलते सप्लाई आधी कर दी गई थी। बांग्लादेश ने 437 मिलियन डॉलर के मासिक भुगतान में से अब तक 384 मिलियन डॉलर चुका दिए हैं, और शेष इस महीने के अंत तक चुकाने की संभावना है। हालांकि, कुल मिलाकर अब भी करीब 500 मिलियन डॉलर का बकाया रह जाएगा। अडानी ग्रुप ने जनवरी से जून 2025 के बीच के लेट पेमेंट सरचार्ज (करीब 20 मिलियन डॉलर) को माफ करने पर सहमति दी है, बशर्ते भुगतान तय समय पर होते रहें। 2017 में अडानी और बांग्लादेश सरकार के बीच 25 साल का बिजली आपूर्ति समझौता हुआ था, जिसके तहत झारखंड के गोड्डा प्लांट से 100 फीसदी बिजली बांग्लादेश को दी जानी थी। लेकिन 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध और राजनीतिक अस्थिरता के चलते विदेशी मुद्रा संकट उत्पन्न हुआ और भुगतान रुक गए।

वित्त मंत्री 30 जून से 5 जुलाई तक स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की यात्रा पर

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 30 जून से 5 जुलाई तक स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक दौरे पर जाएंगी। इस दौरान वे वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वित्त मंत्री स्पेन के सेविले की अपनी यात्रा के दौरान संयुक्त राष्ट्र की ओर से आयोजित विकास के लिए वित्तपोषण पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगी। इस शिखर सम्मेलन का विषय एफएफडी4 के परिणाम से कार्यान्वयन तक: सतत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता का दोहन होगा। इस दौरान सीतारमण जर्मनी, पेरू और न्यूजीलैंड के वरिष्ठ मंत्रियों और यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी) के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगी। मंत्रालय के मुताबिक पुर्तगाल के लिस्बन की अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण पुर्तगाल के वित्त मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। इसके अलावा वह प्रमुख निवेशकों और भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत भी करेंगी। रियो डी जेनेरियो में केंद्रीय वित्त मंत्री भारत के गवर्नर के रूप में न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की 10वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करेंगी और ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक (एफएमसीबीजी) में भी भाग लेंगी।

रेनो इंडिया का फोकस अब एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट पर

नई दिल्ली। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में रेनो इंडिया कंपनी का फोकस अब एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट पर है, जहां वह अपनी लोकप्रिय कार क्विड का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में टेस्टिंग के दौरान क्विड ईवी को तमिलनाडु में रेड रंग की अस्थायी नंबर प्लेट के साथ देखा गया, जिससे संकेत मिलता है कि इसे रेनो-निसान के चेन्नई स्थित प्लांट में विकसित किया जा रहा है। डिजाइन की बात करें तो क्विड ईवीका लुक काफी हद तक यूरोपीय मार्केट में उपलब्ध डासिया स्प्रिंग ईवी जैसा है। रेनो क्विड ईवी और डासिया स्प्रिंग ईवी असल में बैज इंजीनियरिंग के उदाहरण हैं। संभावना है कि भारतीय वर्जन में 26.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी जा सकती है जो एक बार चार्ज होने पर करीब 220 किलोमीटर की रेंज दे सकती है। हालांकि, लागत कम रखने के लिए कंपनी इसमें लोकल कंपोनेंट्स का इस्तेमाल भी कर सकती है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त तेजी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,173.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 105.55 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,273.46 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 266.07 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,085.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,798.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 134.24 अंक यानी 1.75 प्रतिशत उछल कर 7,691.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 383.92 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,033.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में फिलहाल मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,738 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 136.22 अंक यानी 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 24,147.93 अंक के स्तर तक और ताईवान वेटेड इंडेक्स 137.66 अंक यानी 0.61 प्रतिशत टूट कर 22,442.42 अंक के स्तर तक गिर गए हैं।

दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,080.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,916.62 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 601.55 अंक यानी 1.50 प्रतिशत की छलांग लगा कर 40,752.34 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,092.52 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,431.18 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 3,967.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

यूपीआई से लेनदेन पर मिलेगा तीन फीसदी कैशबैक

नई दिल्ली। देश में यूपीआई पेमेंट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। अब आपको यूपीआई पेमेंट करने पर आपको हर लेनदेन पर तीन फीसदी का कैशबैक कमाने का मौका मिल सकता है। इसके लिए आपको एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाना होगा। इस क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप्स से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के छोटे से दुकान पर लगे मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर इस कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। यह कार्ड एक्सिस बैंक और फ्लिपकार्ट ग्रुप की फिनटेक कंपनी सुपर मनी का को-ब्रांडेड कार्ड है। इसे हाल ही में लॉन्च किया गया है। यह एक लाइफटाइम फ्री क्रेडिट कार्ड है। एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाने पर मिलेगी सुविधा इसका मतलब हुआ कि इस कार्ड के लिए आपको कोई जॉइनिंग और एनुअल फीस नहीं देनी होगी। यह कार्ड आपको वर्जुअल के साथ-साथ फिजिकल फॉर्म में भी मिलेगा। सुपरमनी ऐप के जरिए इस कार्ड से किए गए पेमेंट पर आप 3 फीसदी कैशबैक कमा सकते हैं। इस कार्ड के जरिए दूसरे सभी एलिजिबल खर्च पर 1 फीसदी कैशबैक पा सकते हैं। दोनों कैटेगरी मिलाकर आप हर महीने मैक्सिमम 500 रुपये कैशबैक कमा सकते हैं।

भारत के 9 तकनीकी सेक्टर 2030 तक कमा सकते हैं 738 अरब डॉलर: रिपोर्ट

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 9 उभरते टेक्नोलॉजी सेक्टर 2030 तक देश को 588 से 738 अरब डॉलर की कमाई दिला सकते हैं। यह 2023 के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना बढ़ोतरी होगी, जब इनसे 164 से 206 अरब डॉलर की कमाई हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ भारत की तेज आरएंडडी क्षमता, पेटेंट्स और नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की शक्ति से संभव हो सकती है। भारत के 9 संभावनाशील सेक्टर इस प्रकार हैं- ई-कॉमर्स, सेमीकंडक्टर, क्लाउड सर्विसेज़, साइबरसिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी, एआई सॉफ्टवेयर और सर्विसेज, अंतरिक्ष तकनीक (स्पेस), न्यूक्लियर फिज़न और रोबोटिक्स।

2023 के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना बढ़ोतरी होगी

इन सेक्टरों को उनके उच्च पेटेंट ग्रोथ और भारी आरएंडी निवेश के आधार पर चुना गया है। 2030 तक ई-कॉमर्स मार्केट 240 से 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो इन नौ सेक्टरों की कुल कमाई का 40 फीसदी होगा। एआई टूल्स को अपनाने से यह सेक्टर 5 से 8 गुना और क्लाउड सर्विसेज 4 से 5 गुना बढ़ सकते हैं। ईवी सेक्टर 2030 तक 60 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वहीं स्पेस और न्यूक्लियर फिज़न में भी 4 से 5 गुना ग्रोथ की संभावना जताई गई है।

यूपी से बिहार तक बदले पेट्रोल और डीजल के भाव

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों की वजह से देशभर में तेल की खुदरा कीमतों पर इसका असर दिख रहा है। क्रूड एक समय गिरकर 65 डॉलर तक चला गया था, जो फिर 70 की तरफ बढ़ रहा है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में इसका असर नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 9 पैसे चढ़ा और 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे गिरकर 94.44 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 1.09 पैसे नीचे आकर 87.51 रुपये लीटर बिक रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.13 डॉलर प्रति बैरल बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे गिरावट के साथ 105.23 रुपये लीटर हो गया ।

हिंद रेक्टिफायर्स को रेलवे से मिला 101 करोड़ का ऑर्डर

Hirect
Hind Rectifiers Limited

रेलवे और पावर सेक्टर के लिए इलेक्ट्रिकल उपकरण बनाने वाली कंपनी हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड को इंडियन रेलवे से 101 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर न केवल कंपनी की राजस्व वृद्धि में मदद करेगा, बल्कि उसकी तकनीकी क्षमता और बाजार में भरोसे को भी और मजबूत करता है। कंपनी ने 27 जून को स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि यह ऑर्डर वित्त वर्ष 2025-26 से 2026-27 के बीच पूरा किया जाएगा। इस डील के अंतर्गत हिंद रेक्टिफायर्स रेलवे को इलेक्ट्रिकल कॉम्पोनेंट्स की आपूर्ति करेगी। यह ऑर्डर रेलवे के मानक नियमों और शर्तों के तहत दिया गया है। इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत होगी, और आगामी वर्षों में राजस्व और नकदी प्रवाह में स्थायित्व आएगा।

भारत में जीनोमिक जांच की मांग: 2030 तक 2066 करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

2024 में भारतीय जीनोमिक डायग्नोस्टिक बाजार का मूल्य 55 करोड़ डॉलर था

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।

भारत में जीनोमिक जांच की मांग में बीते दो-तीन वर्षों में तेजी देखी जा रही है। इसके पीछे क्लीनिकल जागरूकता में इजाफा, तकनीकी नवाचार और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को बढ़ावा मिलना जैसे कई कारण बताए गए हैं।

पहले महानगरों तक सीमित यह सेवा अब मझोले और छोटे शहरों तक भी विस्तार कर रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवा के परिदृश्य मे बदलाव देखा जा रहा है। 2024 में भारतीय जीनोमिक डायग्नोस्टिक बाजार का मूल्य 55 करोड़ डॉलर था। उद्योग अनुमानों के अनुसार, यह बाजार 18 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 2030 तक 2066 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। एजिलस डायग्नोस्टिक्स, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर, डॉ. लाल पैथलैब्स, महाजन इमेजिंग और रेडक्लिफ लैब्स जैसी कंपनियों ने इस क्षेत्र में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। अब केवल दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु ही नहीं, बल्कि लखनऊ, भुवनेश्वर, पुणे, कोच्चि और सूरत जैसे शहरों में भी मांग में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। आम जीनोमिक जांच जैसे बीआरसीए1/2 टेस्ट (स्तन और गर्भाशय के कैंसर की जांच) और एनआईपीटी (गर्भावस्था में भ्रूण संबंधी आनुवंशिक जोखिम आकलन) अब 5,000 से 20,000 की रेंज में उपलब्ध हैं। हालांकि ऑन्कोलॉजी पैनल और एक्सोम सीक्वेंसिंग जैसी जटिल जांच की कीमत अभी भी 2 लाख तक हो सकती है, लेकिन तकनीकी प्रगति के चलते ये जांच अब अधिक सुलभ हो रही हैं।

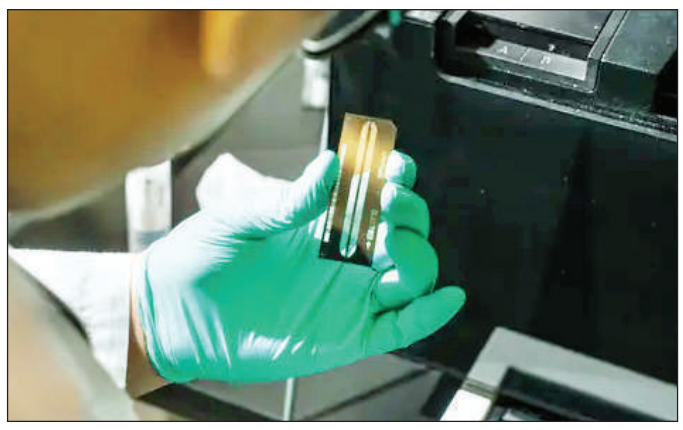

भारतीय आईटी कंपनियां पहली तिमाही में सुस्त रहेंगी

टीसीएस, इन्फोसिस समेत अधिकतर बड़ी कंपनियों की ग्रोथ धीमी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय आईटी सेवा कंपनियों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में मामूली वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। हालांकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक अस्थिरता के चलते इन कंपनियों के सामने कई चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन कंपनियों ने खर्च के माहौल में किसी बड़ी गिरावट से इनकार किया है। विश्लेषकों का मानना है कि यह तिमाही मार्च से बेहतर, लेकिन जनवरी जैसी मजबूत नहीं होगी। एक अंतरराष्ट्रीय शोध फर्म के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं। हालांकि बजट में कटौती नहीं हुई है, फिर भी मौजूदा माहौल में राजस्व वृद्धि हासिल करना आसान नहीं है। लार्ज कैप आईटी कंपनियों के लिए वृद्धि अनुमान 2 फीसदी से कम है, जबकि छोटे स्तर पर कुछ कंपनियों की क्रमिक वृद्धि 1.5 फीसदी तक नकारात्मक हो सकती है। एक रिपोर्ट में यह संकेत दिया है कि टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल जैसी बड़ी कंपनियों के लिए राजस्व परिदृश्य अपेक्षाकृत बेहतर रहेगा।

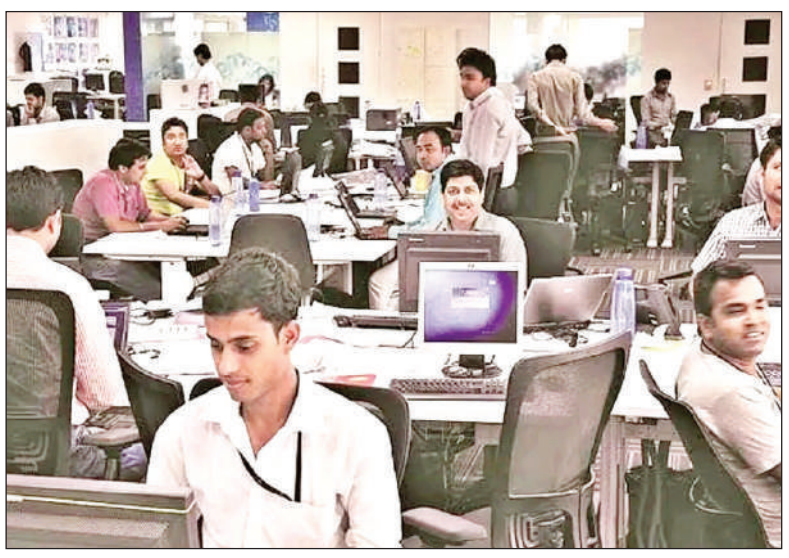

मारुति सुजुकी ने की 24.5 लाख वाहनों की सर्विस

नई दिल्ली। मई 2025 में कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। कंपनी ने एक ही महीने में 24.5 लाख से अधिक वाहनों की सर्विस की। आंकड़ों के अनुसार, मई में कंपनी ने हर मिनट औसतन 170 गाड़ियों की सर्विस और डिलीवरी की, यानी लगभग हर सेकंड तीन वाहन। यह न केवल सेवा की गति को दर्शाता है, बल्कि ग्राहकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और तकनीकी दक्षता का भी प्रमाण है। देशभर में मारुति सुजुकी का सर्विस नेटवर्क अब 5,400 से अधिक टचपॉइंट्स तक फैल चुका है, जिसमें शहरी से लेकर ग्रामीण इलाकों तक की पहुंच शामिल है। कंपनी पेड सर्विस, फ्री सर्विस और रनिंग रिपेयर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। इस अवसर पर कंपनी के एमडी और सीईओ हिसाशी टेकेउची ने इसे सेवा टीम और डीलर्स के अथक प्रयासों का नतीजा बताया। भविष्य को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2030-31 तक टचपॉइंट्स की संख्या 8,000 तक पहुंचाई जाए। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 1,500 ईवी-समर्थित वर्कशॉप्स स्थापित करने की योजना भी तैयार है। सेवा क्षेत्र में सुधार के लिए मोबाइल वर्कशॉप, डोरस्टेप सर्विस और एआई-आधारित चैटबॉट जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। सिर्फ सेवा ही नहीं, कंपनी की बिक्री में भी मई 2025 में 3.2प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 1,80,077 यूनिट्स बिकीं, जबकि निर्यात में 79.8 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया।

खेल को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेगा एसएलआई : श्रियंका साधांगी

नई दिल्ली,30 जून (एजेंसियां) ।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में देश की पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की घोषणा के बाद शूटिंग खेल को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस नई पहल को लेकर खेल जगत में चर्चाएं जोरों पर हैं।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय शूटर श्रियंका साधांगी ने इस लीग के पहले संस्करण को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। हम सभी लंबे समय से चाहते थे कि एक शूटिंग लीग हो और अब देखना दिलचस्प होगा कि यह कैसे आगे बढ़ती है। यह सभी के लिए एक शानदार अवसर है। एसएलआई युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

श्रियंका मानती हैं कि यह लीग खिलाड़ियों को पहचान दिलाने और खेल को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा, यह खेल और हमारे लिए एक बेहतरीन अवसर है। हमारे पास कई अच्छे, अंतरराष्ट्रीय स्तर के शूटर हैं जो इस लीग का हिस्सा बनने जा रहे हैं। भारतीय शूटिंग टीम का स्तर अब बहुत ऊंचा हो चुका है। मैं चाहती हूं कि उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। इस खेल में जितनी सटीकता, मेहनत और कौशल लगता है, वह लोगों को जानना चाहिए। उन्होंने कहा, एसएलआई लोगों को यह समझने में मदद करेगा कि खिलाड़ी कैसे तैयारी करते हैं, उनके ट्रेनिंग के तरीके क्या हैं और प्रतियोगिताओं का प्रारूप कैसा होता है। इस लीग से लोगों को खिलाड़ियों को गहराई से जानने का मौका मिलेगा और इससे खेल को नई पहचान मिलेगी।

30 वर्षीय श्रियंका ने यह भी बताया कि शूटिंग को आम दर्शकों के लिए ज्यादा रोचक कैसे बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम शूटर्स की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी बातें दिखा सकते हैं, क्योंकि लोग इससे जुड़ाव महसूस करते हैं। जैसे कि खिलाड़ी अपने खाली समय में क्या करते हैं या उनके जीवन की झलक दिखाना – इससे दर्शक जुड़ेंगे और प्रेरित भी होंगे। अगर इसे रोचक और मनोरंजक ढंग से पेश किया जाए, तो यह लोगों को बहुत पसंद आएगा।

न्यूज ब्रीफ

एवर्टन के स्ट्राइकर कैल्वर्ट-लेविन नौ साल बाद क्लब से होंगे विदा

लंदन। एवर्टन फुटबॉल क्लब के स्टार स्ट्राइकर डोमिनिक कैल्वर्ट-लेविन ने रविवार को घोषणा की कि

वह जून के अंत में अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब को छोड़ देंगे। वह अब फ्री एजेंट के रूप में उपलब्ध होंगे। 28 वर्षीय कैल्वर्ट-लेविन ने नौ सीजन तक क्लब का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने कुल 274 मैचों में 71 गोल किए। उन्होंने यह फैसला सोशल मीडिया पर एक ओपन लेटर के जरिए साझा किया। उन्होंने लिखा,एवर्टन फुटबॉल क्लब और एवर्टोनियंस को — पिछले नौ शानदार वर्षों के बाद मैंने अपने परिवार के साथ मिलकर करियर में एक नया अध्याय शुरू करने का कठिन निर्णय लिया है। उन्होंने आगे लिखा, यह निर्णय लेना मेरे लिए आसान नहीं था। 19 साल की उम्र में जब मैंने इस क्लब में कदम रखा था, तभी से यह मेरा घर बन गया। इस क्लब ने मुझे निखारा, चुनौती दी और एक खिलाड़ी के साथ-साथ एक इंसान के रूप में भी तराशा। उन्होंने लिखा, यह फैसला केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे परिवार के साथ मिलकर लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। हमें लगता है कि अब एक नई चुनौती को अपनाने और खुद को आगे बढ़ाने का सही समय है। हालांकि इससे एवर्टन से मेरा जुड़ाव कभी कम नहीं होगा। कैल्वर्ट-लेविन ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सीजन 2019-20 और 2020-21 में बिताए थे। हालांकि इसके बाद से वह चोटों से जूझते रहे और केवल 34 लीग मैचों में सात गोल ही कर सके। बीते सीजन में उन्होंने प्रीमियर लीग में 26 मैच खेले जिनमें से 19 बार वह शुरुआती एकादश में शामिल रहे। एवर्टन और उसके प्रशंसकों के लिए यह एक भावनात्मक विदाई होगी, जिन्होंने कैल्वर्ट-लेविन को एक युवा खिलाड़ी से लेकर अनुभवी स्ट्राइकर तक का सफर तय करते देखा।

शमी होते तो बुमराह को मिलता एक अनुभवी जोड़ीदार !

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आराम दिया जाएगा। ऐसे में टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की याद आई है। शमी को इस सीरीज के लिए इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं थी। इससे पहले आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल न करने के लिए प्रबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आईपीएल 2025 में वह नौ मैचों में 56 की औसत से केवल छह विकेट ले पाये थे। वहीं इसके बाद भी शमी को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 25 की औसत से 9 विकेट लिए। इंग्लैंड दौरे पर 34 वर्षीय तेज गेंदबाज शमी को ना चुने जाने से उनके टेस्ट करियर के समाप्त होने की भी आशंका लगायी गयी पर ये सही नहीं है। अभी भी शमी बुमराह के लिए एक अच्छे सहयोगी हैं। जबकि बुमराह केवल तीन टेस्ट खेल कसते हैं तो सभी को शमी की याद आ रही है। ये भी कहा जा रहा है कि शमी को कम से कम दो टेस्ट के लिए तो शामिल किया जा सकता था। वह भी उनक मैचों में जिनमें बुमराह नहीं होते। शमी ने इंग्लैंड में 14 मैचों में 42 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते थे। शमी के नहीं होने से टीम इंडिया अभी तक बुमराह के लिए सही जोड़ीदार तलाशने में असफल रही है। युवा मोहम्मद सिराज फॉर्म में नहीं हैं। वहीं आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा भी अनुभवी नहीं हैं।

डुप्लेसिस एमएलसी में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने

टेक्सास। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस ने टेक्सास सुपर किंग्स की कप्तानी करते हुए मेजर लीग

क्रिकेट (एमएलसी) में आक्रामक शतक लगाने के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। डुप्लेसिस अपनी इस पारी के साथ ही दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिसने पेशेवर टी20 क्रिकेट में 40 से ज्यादा की उम्र में दो शतक लगाये हैं। इसके अलावा ही कुछ अन्य रिकार्ड भी डुप्लेसिस के नाम हुए हैं। डुप्लेसिस ने न्यूयॉर्क के खिलाफ 53 गेंदों में 103 रन बनाए। 41 साल के होने जा रहे फाफ डुप्लेसिस ने कुछ ही दिनों में दो शतक जड़े हैं। अब वे पहले ऐसे क्रिकेटर बन गये हैं, जिन्होंने 40 से ज्यादा उम्र के बाद दो शतक टी20 क्रिकेट में लगाये हैं। इसके अलावा टी20 क्रिकेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भी वे अब पहले बल्लेबाज बन चुके हैं। इतना ही नहीं, मेजर लीग क्रिकेट में वे तीन शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए।

उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट से किया करार

16 वर्षीय शटलर के नाम कई अंतरराष्ट्रीय पदक, भविष्य में बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली,30 जून (एजेंसियां) ।

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने अब आधिकारिक रूप से आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ विशेष अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। पंजाब के होशियारपुर से ताल्लुक रखने वाली 16 वर्षीय तन्वी देश की सबसे होनहार शटलरों में शुमार हैं और पहले ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर खुद को साबित कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने सुपर 300 यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर एक और बड़ा मुकाम हासिल किया।

तन्वी गर्ल्स/वीमेंस सिंगल्स इवेंट में खेलती हैं और कम उम्र में ही एशियाई स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनके प्रमुख उपलब्धियों में 2023 एशिया यूथ बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक, 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2023 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में रजत पदक शामिल हैं— जो इस उम्र में सीनियर खिलाड़ियों के बीच में जीतकर हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के सीओओ राहुल त्रेहान ने कहा, हम तन्वी शर्मा का आईओएस परिवार में स्वागत कर बेहद उत्साहित हैं। कम उम्र में उनके बेहतरीन प्रदर्शन, लगन और मेहनत ने हमें काफी प्रभावित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करेंगी और हम उनके सफर में हर कदम पर साथ रहेंगे।

यह साझेदारी तन्वी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल को और निखारने तथा नए मुकाम हासिल करने में मदद करेगी। आईओएस का उद्देश्य उनके खेल और करियर को सही दिशा देने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक मंच के लिए तैयार करना है।

तन्वी शर्मा के बारे में:

उम्र: 16 वर्ष,
खेल: बैडमिंटन
इवेंट: गर्ल्स/वीमेंस सिंगल्स
प्रशिक्षण केंद्र: होशियारपुर (पंजाब)

प्रमुख उपलब्धियां:

रजत पदक – बैडमिंटन एशिया यूथ चैंपियनशिप 2023
स्वर्ण पदक – बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप 2024
रजत पदक – सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 2023
फाइनलिस्ट – सुपर 300 यूएस ओपन 2025।

तन्वी अब उन खास खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्हें आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट विशेष रूप से प्रबंधित करता है। इस सूची में विजेंदर सिंह, अंजू बॉबी जॉर्ज, मीराबाई चानू, लवलीना बोरगोहेन, मनप्रीत सिंह, अमन सहरावत और मणिका बत्रा जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

यूएस ओपन 2025: आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब, तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं

काउंसिल ब्लफ्स (आयोवा)। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया। 20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया। पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था। खिताबी जीत तक का सफर आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा। उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया। दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी। सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ। पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया। तन्वी शर्मा ने रचा इतिहास, बनीं सबसे युवा फाइनलिस्ट वहीं महिला एकल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, हालांकि वह खिताब जीतने से चूक गईं। फाइनल में उनका सामना अमेरिका की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर 21 बेइवेन झांग से हुआ, जहां उन्हें 21-11, 16-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि तन्वी ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी भी फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज तन्वी ने पहले दौर में दूसरी वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर तहलका मचा दिया। इसके बाद उन्होंने थाईलैंड की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन पिचामोन ओपटनिपुथ को 21-18, 21-16 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मलेशिया की करुपथेवन लेटशाना को 21-13, 21-6 से हराया। सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीय पोलीना बुह्रोवा को 21-14, 21-16 से हराकर उन्होंने फाइनल में जगह बनाई।

कोच पीआर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई

नई दिल्ली,30 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने सोमवार को आगामी एफआईएचपुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 के लिए हाल ही में घोषित पूल पर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा पूल बी चिली, स्विट्जरलैंड और पाकिस्तान के साथ एक अच्छी चुनौती पेश करता है।

उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक गेम में एक-एक कदम आगे बढ़ाएंगे और क्वार्टर फाइनल में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल करने के लिए अधिक से अधिक अंक हासिल करेंगे।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में श्रीजेश ने कहा कि पहली बार एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप को 24 टीमों तक विस्तारित किया गया है और हम तदनुसार अपनी तैयारियों की योजना बना रहे हैं। इस नए प्रारूप में खेलना बहुत रोमांचक होगा।

एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के आगामी संस्करण में 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जबकि पिछले संस्करणों में 16 टीमें हिस्सा लेती थीं।

यह पहली बार होगा जब 24 टीमें विश्व कप खेलेंगी। यह विश्व कप शुरू में 12 टीमों का टूर्नामेंट था, जिसे 2001 के संस्करण से बढ़ाकर 16 टीमें कर दिया गया था। इस साल विश्व कप के लिए नए प्रारूप के तहत टीमों को 6 पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक पूल में 4 टीमें हैं।

एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 के पिछले संस्करण में भारतीय टीम पोडियम से चूक गई थी और चौथे स्थान पर रही थी। टीम का सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2001 और 2016 में आया था, जब उसने पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप खिताब जीते थे।

जर्मनी पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में सबसे सफल टीम रही है जिसने सात बार खिताब जीता है और वे वर्तमान में गत विजेता भी हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब बिहार में...

बंदूक कारखाने के संचालक संदीप शर्मा ने कहा, वर्तमान में कारखाने में मात्र पांच लोग ही हथियार निर्माण कर रहे हैं। नए आर्म्स एक्ट के तहत सिंगल बैरल गन-एसबीबीएल और डबल बैरल गन (डीबीबीएल) बनाया जाता था। वर्ष 2016 से मुंगेर में फाइव शॉट पंप एक्शन गन बनाने की स्वीकृति सरकार से मिली थी। पहले बंदूक फैक्ट्री में हर साल 12,882 से ज्यादा हथियार मुंगेर में बनाए जाते थे। आज यह सिमट कर दो हजार से भी नीचे पहुंच गया है। बिहार में लाइसेंस की प्रक्रिया और प्रणाली काफी जटिल है। पिछले कुछ साल से लोगों को लाइसेंस नहीं दिया जा रहा है, जिसका असर है कि बंदूक निर्माण और आपूर्ति ठप्प होती जा रही है।

टी राजा सिंह ने ...

दिसंबर 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी बहुमत के लिए जरूरी 60 का आंकड़ा पार करते हुए 64 सीटें जीती थी, जबकि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 39 सीटें मिलीं। भाजपा को आठ, एआईएमआईएम को सात और एक सीट सीपीआई के खाते में गई थी।

टी राजा सिंह के इस्तीफे की वजह नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति है। भाजपा आलाकमान रामचंद्र राव को तेलंगाना का अध्यक्ष नियुक्त करने के मूड में है। जबकि टी राजा सिंह इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने अपने इस्तीफे में भी लिखा है, रामचंद्र राव को तेलंगाना के लिए भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जाना तय है। यह निर्णय न केवल मेरे लिए बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं, नेताओं और मतदाताओं के लिए भीषण झटका और निराशा की तरह आया है, जो हर उतार-चढ़ाव में पार्टी के साथ खड़े रहे हैं। ऐसे समय में जब भाजपा तेलंगाना में अपनी पहली सरकार बनाने की दहलीज पर खड़ी है, इस तरह का चयन हमारी दिशा के बारे में गंभीर संदेह पैदा करता है।

टी. राजा ने अपने पत्र में लिखा, हमारे राज्य में कई योग्य वरिष्ठ नेता, विधायक और सांसद हैं जिन्होंने भाजपा के विकास के लिए अथक काम किया है और जिनके पास पार्टी को आगे ले जाने के लिए ताकत, विश्वसनीयता और संपर्क है। दुर्भाग्य से, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ व्यक्तियों ने, निजी हितों से प्रेरित होकर, केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया है और पर्दे के पीछे से शो चलाकर निर्णय लिए हैं। यह न केवल जमीनी कार्यकर्ताओं के बलिदान को कमतर करके आंकना है बल्कि पार्टी को खाई में धकेलने का जोखिम भी पैदा करता है।

टी राजा सिंह ने लिखा, मैं एक समर्पित कार्यकर्ता रहा हूं, जिसे लोगों के आशीर्वाद और पार्टी के समर्थन से लगातार तीन बार चुना गया है। लेकिन आज, मुझे चुप रहना या यह दिखावा करना मुश्किल लगता है कि सब ठीक है। यह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के बारे में नहीं है, यह पत्र उन लाखों वफादार भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के दर्द और हताशा को दर्शाता है जो खुद को दरकिनार और अनसुना महसूस करते हैं। तेलंगाना में भाजपा को सत्ता में लाने का हमारे पास वर्षों में सबसे अच्छा अवसर था। लेकिन यह उम्मीद धीरे-धीरे निराशा और हताशा में बदल रही है, लोगों की वजह से नहीं, बल्कि नेतृत्व को शीर्ष पर बिठाए जाने की वजह से। बहुत दुःख के साथ मैंने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। किशन रेड्डी, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया तेलंगाना विधानसभा के माननीय अध्यक्ष को सूचित करें कि टी. राजा सिंह अब भाजपा के सदस्य नहीं हैं टी राजा सिंह ने कहा, यह एक कठिन निर्णय है, लेकिन जरूरी भी है। बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं जो हमारे साथ विश्वास के साथ खड़े थे और जो आज निराश महसूस कर रहे हैं। मैं हमारे वरिष्ठ नेतृत्व - माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीएल संतोष से भी विनम्रतापूर्वक अपील करता हूं कि वे इस निर्णय पर पुनर्विचार करें। तेलंगाना भाजपा के लिए तैयार है, लेकिन हमें उस अवसर का सम्मान करने और उसे हाथ से जाने न देने के लिए सही नेतृत्व चुनना चाहिए। जय हिंद, जय श्री राम!

सज्जाद लोन, यासीन...

लोगों ने बहुत कष्ट सहे हैं और हम बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गठबंधन ने बंजर राजनीतिक परिदृश्य में अच्छा विकल्प पेश किया है। वहीं थोकर ने कहा कि हम अकेले सफल नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि लोगों की प्रभावी ढंग से सेवा करने के लिए एकता होनी चाहिए। हालांकि गठबंधन के सहयोगियों की जमीनी स्तर पर मौजूदगी कम है, लेकिन उनकी साझेदारी कुछ सीटों पर चुनावी संतुलन बिगाड़ सकती है।सज्जाद लोन की हंदवाड़ा सीट एकमात्र सीट थी जिसे उनकी पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनावों में जीता था। जमात समर्थित उम्मीदवार 10 सीटों पर निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने के बावजूद एक भी सीट जीतने में विफल रहे। यासीन (जिन्होंने पहले खानसाहिब विधानसभा सीट पर दो बार निर्दलीय के रूप में जीत हासिल की थी) 2024 के चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस से हार गए।

सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का प्रभाव कुछ क्षेत्रों में है, खासकर सीमावर्ती जिले कुपवाड़ा और बारामूला के पट्टन में। जमात की कश्मीर घाटी में मौजूदगी है। हालांकि, यह देखना होगा कि जमात के कार्यकर्ता और उसके समर्थक जेडीएफ के पीछे खड़े होते हैं या नहीं। जमात के कई वरिष्ठ नेता और उसके कार्यकर्ता जेडीएफ को घाटी में खुफिया एजेंसियों की उपज के रूप में देखते हैं और उन्होंने खुद को पार्टी से दूर कर लिया है। जम्मू कश्मीर का नया गठबंधन उमर अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के लिए कितनी बड़ी मुसीबत बनेगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन इस गठबंधन के बनने से दोनों दलों में चिंता जरूर है।

सिगाची फार्मा ...

जो सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), इंटरमीडिएट्स, एक्सिपिएंट्स, विटामिन-मिनरल मिक्सचर्स, संचालन और प्रबंधन (ओएंडएम) सेवाओं के लिए काम करती है।तेलंगाना के पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कहा, हमने मांग की है कि सरकार मृतकों के परिजनों को एक करोड़ रुपए और घायलों को 50 लाख रुपए दे। घायलों को तुरंत कॉरपोरेट अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए। तुरंत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कुशल श्रमिक यहां काम नहीं कर रहे हैं और इसीलिए ऐसी घटनाएं हो रही हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा, पटंचेरू के पासमैलाराम औद्योगिक क्षेत्र में रिएक्टर विस्फोट बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है और मैं सरकार से इस घटना की गहन जांच करने की मांग करता हूं।

एक महिला समेत...

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। अभी तक घटनाओं के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। अधिकारियों के अनुसार फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद से मणिपुर में हिंसा में कमी आई है। वहीं नागरिकों की मौत और घायल होने की संख्या में भारी कमी आई है। इसके अलावा मादक पदार्थों की जब्ती में वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और अन्य अर्धसैनिक बल भी मई 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए हजारों हथियारों को बरामद करने की कोशिश कर रहे हैं।

केरल ले जाकर...

वह आगरा के दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट से पढ़ी हुई है। इस लड़की की दोस्ती एक मुस्लिम लड़की सायमा से थी। सायमा जम्मू-कश्मीर के उधमपुर की रहने वाली थी। सायमा उर्फ खुशबू ने हिंदू लड़की का ब्रेनवॉश किया और उसे गायब करा दिया। उस लड़की की छोटी बहन को भी इस गिरोह ने उसी तरह फंसाया और उसे 25 मार्च 2025 को आगरा से गायब करा दिया। उन दोनों बहनों का पता ही नहीं चला कि वे कहां गईं।थक हार कर यह परिवार पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने दोनों लड़कियों के बालिग होने की बात कह कर कार्रवाई करने में ढिलाई बरती। सामाजिक दबाव पर पुलिस ने 4 मई 2025 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में पीड़ित पिता ने बताया कि सायमा ही उनकी दोनों बेटियों को ले गई है। लेकिन पुलिस सायमा को अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। जांच में पुलिस को यह पता चला कि यह मामला फिल्म द केरल स्टोरी वाला है। दोनों बहनें अब इस्लामी धर्मांतरण गिरोह का हिस्सा बन चुकी हैं और गिरोह के लिए काम कर रही हैं। सायमा का कोई अता-पता नहीं है। पुलिस ने इस मामले में यह भी पता किया कि इस केस के तार जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और दिल्ली-एनसीआर से भी जुड़े हैं। इस मामले की जांच में केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है।

केंद्र सरकार ...

अगर कोई व्यक्तिगत रूप से या फिर डिजिटल माध्यम से कमर्शियल लोन देने का कारोबार करता है तो उसे आरबीआई से या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कानून 1955 या फिर किसी राज्य के मनी लेंडिंग कानून के तहत मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। मंजूरी नहीं लेने वालों को दो से सात साल तक की जेल और दो लाख से एक करोड़ तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। प्रस्तावित कानून (बिल) में कर्ज देने वाली एजेंसी या ऐप का एक डाटाबेस होगा। किसी रिश्तेदार से लिए जाने वाले कर्ज को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।आजकल कई डिजिटल लोन ऐप चंद मिनटों में लोन देने का दावा करते हैं। ये खुद को अधिकृत संस्था की तरह दिखाते हैं, लेकिन असल में इनका मकसद लोगों को धोखा देना होता है। ऐसे में लोन ऐप डाउनलोड करने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, ताकि आप साइबर ठगी और डेटा लीक जैसे खतरों से बच सकें। ये लोन देने के नाम पर लोगों से जरूरी दस्तावेज, फोटो और बैंक डिटेल्स मांगते हैं। बाद में मोटी रकम वसूलने के लिए धमकी देते हैं या फिर ग्राहक का डेटा ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल करते हैं।

वे फोन में मौजूद फोटो, कॉन्टैक्ट और फाइल्स को एक्सेस कर लेते हैं और जब लेनदार उन्हें उनके मुताबिक रुपए नहीं लौटाता या उनका विरोध करता है तो वे उनकी फोटो मॉर्फ करके वायरल करने और रिश्तेदारों को गलत मैसेज भेजने की धमकी देते हैं। कई लोग बदनामी के डर से फर्जी ऐप को मोटी रकम ट्रांसफर भी कर देते हैं। वहीं कुछ लोग दवाब में आकर आत्महत्या कर लेते हैं। इसलिए कभी भी लोन ऐप की विश्वसनीयता की जांच किए बिना उसे डाउनलोड न करें। हमेशा लोन लेने के लिए आरबीआई से रजिस्टर्ड बैंक या गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर भरोसा करें। ये ऐप सुरक्षित होते हैं और लोगों की व्यक्तिगत जानकारी को गुप्त रखते हैं। आरबीआई के पोर्टल से आप इन ऐप की पुष्टि भी कर सकते हैं। तुरंत लोन जैसे ऑफर्स वाले लिंक पर क्लिक करने से बचें। एपीके लिंक से ऐप डाउनलोड न करें। फोटो, कॉन्टैक्ट या फाइल्स एक्सेस मांगने वाले ऐप को डाउनलोड न करें। किसी भी लोन ऐप के नियम व शर्तें ध्यान से जरूर पढ़ें। ऐसा करके आप फर्जी लोन ऐप के झांसे में आने से बच सकते हैं।

जुलाई माह में 3 ग्रह करेंगे राशि परिवर्तन

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ज्योतिष की दृष्टि से वर्ष 2025 काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। अब जुलाई का महीना ज्योतिष और ग्रहों की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है इस महीने में सूर्य, मंगल, और शुक्र ग्रह अपनी राशि परिवर्तन करेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि जुलाई में 3 प्रमुख ग्रह मंगल, सूर्य, और शुक्र अपनी चाल बदलेंगे। शुक्र मिथुन में गोचर, सूर्य देव कर्क राशि में गोचर और मंगल कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। इसका सभी राशियों पर शुभ अशुभ असर पड़ेगा। गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में उदित होंगे, शनि देव मीन राशि में वक्री होंगे, बुध कर्क में वक्री और बुध कर्क राशि में अस्त होंगे। इसके साथ ही शनि मीन राशि में, गुरु मिथुन राशि में, राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में गोचर करते हुए सभी राशियों को प्रभावित करेंगे। चंद्रमा हर सवा 2 दिन के बाद अपनी चाल बदलते रहते हैं।

जुलाई में ग्रहों की जो स्थिति बनने जा रही है वह बड़े परिवर्तनों की ओर इशारा कर रही है। शुक्र मंगल और सूर्य के राशि परिवर्तन से व्यापार में तेजी आएगी। खेती और इससे जुड़े कामों में नुकसान होने के योग बन रहे हैं। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है

जुलाई में ग्रहों का गोचर

9 जुलाई - गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में उदित होंगे
13 जुलाई - शनि देव मीन राशि में वक्री होंगे
16 जुलाई - सूर्य देव कर्क राशि में गोचर करेंगे
18 जुलाई - बुध कर्क में वक्री होंगे
24 जुलाई - बुध कर्क राशि में अस्त होंगे
26 जुलाई - शुक्र मिथुन में गोचर करेंगे
28 जुलाई - मंगल कन्या राशि में प्रवेश करेंगे

जुलाई में व्रत और त्यौहार

3 जुलाई	गुरुवार	मासिक दुर्गाष्टमी
6 जुलाई	रविवार	देवश्यनी एकादशी
6 जुलाई	रविवार	गौरी व्रत
8 जुलाई	मंगलवार	भौम प्रदोष व्रत
9 जुलाई	बुधवार	आषाढ़ चौमासी चौदस
10 जुलाई	गुरुवार	कोकिला व्रत
10 जुलाई	गुरुवार	आषाढ़ पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा
11 जुलाई	शुक्रवार	सावन शुरू
14 जुलाई	सोमवार	सावन पहला सोमवार
15 जुलाई	मंगलवार	मंगला गौरी व्रत
16 जुलाई	बुधवार	कर्क संक्रांति
21 जुलाई	सोमवार	सावन दूसरा सोमवार
21 जुलाई	सोमवार	कामिका एकादशी
22 जुलाई	मंगलवार	दूसरा मंगला गौरी व्रत/ सावन प्रदोष व्रत
23 जुलाई	बुधवार	सावन शिवरात्रि
24 जुलाई	गुरुवार	हरियाली अमावस्या
27 जुलाई	रविवार	हरियाली तीज
28 जुलाई	सोमवार	सावन का तीसरा सोमवार व्रत/ विनायक चतुर्थी
29 जुलाई	मंगलवार	नाग पंचमी
29 जुलाई	मंगलवार	तीसरा मंगला गौरी व्रत
30 जुलाई	बुधवार	स्कंद षष्ठी और कल्की जयंती
31 जुलाई	गुरुवार	तुलसीदास जयंती

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

जुलाई में ग्रहों की जो स्थिति बनने जा रही है वह बड़े परिवर्तनों की ओर इशारा कर रही है। शुक्र बुध मंगल और सूर्य के राशि परिवर्तन से व्यापार में तेजी आएगी। खेती और इससे जुड़े कामों में नुकसान होने के योग बन रहे हैं। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना।

राशियों को होगा फायदा

मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन राशि के जातकों को हर क्षेत्र में सफलता मिलने वाली है। आर्थिक मामलों में भी फायदा मिलेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्य स्थल में आपके काम की प्रशंसा होगी। ऐसे में पदोन्नति भी मिल सकती हैं। व्यापारी वर्ग के लोगों को भी मुनाफा मिलेगा। कार्यों में अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी।

शुभ प्रभाव - मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन
अशुभ प्रभाव - वृष, सिंह, तुला और कुंभ
मिलाजुला प्रभाव - मेष कर्क, कन्या और धनु

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

देवशयनी एकादशी व्रत 5 को रखा जाएगा

देवशयनी एकादशी का पर्व आषाढ़ मास की एकादशी तिथि को रखा जाता है एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति को बैकुंठ में स्थान प्राप्त होता है। साथ ही व्यक्ति की वर्तमान जीवन में सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही इस व्रत को करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। देवशयनी एकादशी का महत्व विशेष माना जाता है। दरअसल, इस दिन से भगवान विष्णु चार महीने के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं और इन चार महीने फिर भगवान शिव के अंश रुद्र धरती का लालन पालन करते हैं।

देवशयनी एकादशी तिथि का आरंभ 5 जुलाई को शाम में 6 बजकर 59 मिनट पर एकादशी तिथि का आरंभ होगा और 6 जुलाई को रात में 9 बजकर 16 मिनट तक एकादशी तिथि रहेगी। ऐसे में उदय तिथि में होने से एकादशी तिथि का व्रत किया जाएगा। इसी दिन चतुर्मास का आरंभ होगा एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि में 7 जुलाई को सुबह 9 बजकर 30 मिनट तक कर लेना उत्तम रहेगा।

देवशयनी एकादशी का महत्व

देवशयनी एकादशी का महत्व पुराणों में बेहद ही विशेष बताया गया है। इस एकादशी तिथि से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने के लिए चले जाते हैं। करीब 4 महीने के लिए भगवान विष्णु आराम करते हैं इसलिए इसे चतुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य जैसे शादी, मुंडन आदि नहीं किया जाता है। हालांकि, इस दौरान धरती के संचालन भगवान शिव के रुद्र अंश करते हैं।

देवशयनी एकादशी पर क्या करें?

देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु और माता पार्वती की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। सुबह उठकर स्नान के बाद पीले रंग के वस्त्र धारण करें और व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा अर्चना करें और भगवान विष्णु को तुलसी के पत्ते के भोग लगाएं।

इसके बाद देवशयनी एकादशी व्रत कथा का पाठ करें और अंत में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आरती करें।

जो लोग एकादशी का व्रत करते हैं या नहीं करते उन्हें विशेष रूप से इसका ध्यान रखना चाहिए कि एकादशी के दिन चावल का सेवन व करें।

फलाहार करके ही एकादशी व्रत का पारण करें।

शुक्र ग्रह में केंद्र त्रिकोण राजयोग से कुछ राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

वैदिक ज्योतिष अनुसार शुक्र ग्रह 1 साल बाद अपनी स्वराशि वृष में संचरण करने जा रहे हैं। जिससे केंद्र त्रिकोण राजयोग और मालव्य राजयोग बनने जा रहा है। जिससे कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही इन राशियों की आय में वृद्धि और नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

मेष राशि -आप लोगों के लिए केंद्र त्रिकोण राजयोग का बनना लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। क्योंकि शुक्र ग्रह आपकी राशि से धन भाव पर भ्रमण करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपको समय- समय पर आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। साथ ही इस अवधि में आप विभिन्न स्रोतों से अधिक लाभ कमाएंगे। आप अच्छी मात्रा में धन बचाएंगे जो आपको वित्तीय विकास देगा। वहीं इस समय आपकी कड़ी मेहनत और ईमानदार प्रयास आपके वरिष्ठ या बॉस को पसंद आएंगे और आपको कार्यस्थल पर वेतन वृद्धि और पदोन्नति मिलेगी। आपके परिवार और जीवनसाथी के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे।

वृष राशि -आप लोगों के लिए केंद्र त्रिकोण राजयोग का बनना सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह राजयोग आपक गोचर कुंडली से लग्न स्थान पर बनेगा। इसलिए इस अवधि में आपके व्यक्तित्व में निखार होगा। इस दौरान आप अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम ज्यादा बीताएंगे। अपने पार्टनर के साथ और परिवार के साथ बातचीत रखें।साथ ही जीवनसाथी की तरक्की हो सकती है। साथ ही शुक्र ग्रह आपकी राशि से छठे भाव के स्वामी हैं। इसलिए इस समय आपको कोर्ट- कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। वहीं जो अविवाहित लोग हैं, उनको विवाह का प्रस्ताव आ सकता है। वहीं पार्टनरशिप के काम में आपको लाभ हो सकता है।

कन्या राशि -आप लोगों के लिए केंद्र त्रिकोण राजयोग अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह राजयोग आपकी राशि से भाग्य और विदेश भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस अवधि में आपकी किस्मत चमक सकती है। साथ ही आप छोटी या बड़ी यात्रा कर सकते हैं। वहीं प्रेम संबंधित मामलों में रुचि बढ़ेगी। घर में सुख और शांति बनी रहेगी। साथ ही आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। वहीं पर्सनल लाइफ की बात करें तो आपके अपने पार्टनर के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। हालांकि, इस दौरान आपको विरासत से लाभ मिल सकता है। पैतृक संपत्ति से आप अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

सावन शिवरात्रि का व्रत 23 को

हिंदू धर्म में सावन महीने की शिवरात्रि का खास महत्व होता है। इस दिन महादेव के भक्त विधि-विधान से शिवजी की पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। ऐसा करने से भक्तों पर भगवान शिव की विशेष कृपा बनी रहती है और जीवन में खुशहाली बनी रहती है। शिवरात्रि के साथ-साथ सावन का पूरा महीना शिवजी और माता पार्वती की पूजा-पाठ के लिए समर्पित होता है। यही कारण है कि सावन के महीने की शिवरात्रि बेहद खास होती है। सावन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। वहीं, इस बार शिवरात्रि पर आर्द्रा नक्षत्र संयोग भी बन रहा है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि इस साल 23 जुलाई, बुधवार के दिन सुबह 04 बजकर 40 मिनट से शुरू हो जाएगी। वहीं, 23 तारीख को मध्य रात्रि में 02 बजकर 29 मिनट पर इस तिथि का समापन होगा। ऐसे में 23 तारीख के दिन ही शिवरात्रि का व्रत रखा जाएगा और इसी दिन रुद्राभिषेक भी होगा। माना जाता है कि शिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करने से भक्तों को विशेष फल की प्राप्ति होती है। वहीं, इस बार सावन शिवरात्रि पर आर्द्रा नक्षत्र का संयोग भी बन रहा है और चंद्रमा मिथुन राशि में होंगे।

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, व्रत का संकल्प लें और पूजा स्थल को सजा लें। मंदिर में एक चौकी रखकर उस पर लाल वस्त्र बिछाएं। अब माता पार्वती और भगवान शिव की प्रतिमा चौकी पर रखें। इसके बाद, कच्चा दूध, दही, गंगाजल और जल के साथ शिवजी का अभिषेक करें और फिर, भोलेनाथ को चंदन का तिल भी अवश्य लगाएं। साथ ही, माता पार्वती को कुमकुम का तिलक लगाएं। अब देसी घी का दीपक शिव भगवान और पार्वती के सामने रखें। इसके बाद, विधि-विधान से शिवजी की पूजा करें और आरती व शिव चालीसा का पाठ भी अवश्य कर लें। पूजा समाप्त होने के बाद भगवान शिव को फल और मिठाई का भोग लगाएं।

2027 तक इन राशियों पर रहेगा शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती का कष्टमय प्रभाव!

वैदिक ज्योतिष में शनि ग्रह को आयु, दुख, रोग, पीड़ा, विज्ञान, तकनीकी, लोहा, खनिज तेल, कर्मचारी, सेवक, जेल आदि के कारक माने जाते हैं। साथ ही शनि देव मकर और कुंभ राशि पर आधिपत्य है। वहीं तुला राशि शनि की उच्च राशि है जबकि मेष इसकी नीच राशि मानी जाती है। आपको बता दें कि शनि देव अभी मीन राशि में संचरण कर रहे हैं और साल 2027 तक वह यही संचरण करेंगे। ऐसे में इन राशियों पर शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव रहेगा। जिससे इन राशियों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। साथ ही इन राशियों को धनहानि और सेहत खराब के योग बन रहे हैं।

इन राशियों पर रहेगा साढ़ेसाती का अशुभ प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र मुताबिक मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का कष्टमय प्रभाव रहेगा। वहीं मीन राशि पर दूसरे चरण की, और कुंभ राशि पर तीसरे एवं अंतिम चरण की साढ़ेसाती का असर रहेगा। ऐसे में इन राशियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। साथ ही इन राशियों को मानसिक परेशानियां हो सकती है। वहीं इस व्यापारियों की आय धीमी होगी। साथ ही इस समय आपको नौकरीपेशा लोगों को नौकरी नहीं बदलनी चाहिए।

इन राशियों पर रहेगा ढैय्या का कष्टमय प्रभाव

शनि देव के मीन राशि में संचरण करते हुए धनु और सिंह राशि पर ढैय्या का कष्टमय प्रभाव रहेगा। मतलब इन राशियों पर साल 2027 तक शनि की ढैय्या रहेगी। इसलिए इन लोगों की सेहत खराब हो सकती है। साथ ही कोई पुराना रोग उभर सकता है। वहीं इस समय किसी बात को लेकर मानसिक तनाव रह सकता है। वहीं आपको धन कहीं फंस सकता है।

करें ये उपाय

* शनिवार के दिन शनि प्रतिमा के आगे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। साथ ही शनि चालीसा का पाठ करें।
* पीपल में नियमित रूप से हर शनिवार दूध और जल मिलाकर चढ़ाएं। ऐसा करने से शनि देव की कृपा आपको प्राप्त होगी।
* शनिवार के दिन गरीबों और जरूरतमंदों को कंबल, सरसों का तेल और काली दाल का दान करना चाहिए।
* शनि के बीज मंत्र ओम शं नो देवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये। शं योरभि स्रवन्तु नः।' का प्रतिदिन जाप करना चाहिए।

मंगलवार को हनुमानजी की पूजा में पांच चीजों को रखने से सब अमंगल होंगे दूर

मंगलवार का दिन हनुमानजी को समर्पित है। हनुमान जी को कलयुग का देवता कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी व्यक्ति हनुमानजी की पूजा करता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है लेकिन, शास्त्रों में हनुमान जी की पूजा के कुछ विशेष नियम बताए हैं जिनका पालन करने से व्यक्ति की सारी इच्छा पूर्ण होंगी। मान्यता है कि मंगलवार के दिन हनुमानजी की पूजा विधि विधान से करने से व्यक्ति को शनि दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही मानसिक रूप व्यक्ति मजबूत बनता है। साथ ही हनुमान जी का पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में सुख समृद्धि और शत्रुओं पर विजय मिलती है। ऐसे में मंगलवार के दिन हनुमानजी की पूजा में 5 चीजों को यदि आप रखते हैं तो हनुमानजी की पूजा सफल हो सकती है। आइए जानते हैं मंगलवार के दिन हनुमानजी की पूजा में क्या क्या चीजें रखनी चाहिए।

मंगलवार के दिन पंचमुखी दीप

सबसे पहले हनुमान जी की पूजा में पंचमुखी दीपक जलाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि हनुमानजी की पूजा में पंचमुखी घी का दीपक जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इतना ही नहीं व्यक्ति की धन धान्य में वृद्धि होती है। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें की दीपक में लंबी बत्ती का इस्तेमाल करें। गोल बत्ती न रखें।

आज के दिन मीठी रोटी और आटे का लड्डू

मंगलवार के दिन मीठी रोटी और बूंदी के लड्डू का भोग हनुमानजी को अर्पित करना चाहिए। हनुमान जी को लड्डुओं और मीठी रोटी का भोग लगाने से व्यक्ति की विशेष वरदान प्राप्त होता है। मनोकामनाएं पूर्ण होने के साथ साथ व्यक्ति की सारी इच्छाएं भी पूरी होती है।

मंगलवार के दिन सिंदूर और चमेली तेल

हनुमान की पूजा में सिंदूर और चमेली के तेल का विशेष महत्व बताया गया है। हनुमान जी की पूजा में विशेष रूप से सिंदूर और चमेली के तेल चढ़ाने से हनुमान जी जल्दी प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को वरदान देते हैं। साथ ही व्यक्ति के रुके हुए काम बनने लगते हैं। इतना ही नहीं आर्थिक स्थिति भी व्यक्ति मजबूत होती है।

तुलसी पत्ते की माला अर्पित करें

अगर किसी व्यक्ति की मंगल की महादशा या मंगल दोष है तो ऐसे लोगों को तुलसी के पत्ते लेकर उसपर राम नाम लिखकर तुलसी के पत्ते की माला हनुमानजी को अर्पित करें कम से कम ये उपाय 7 मंगलवार जरूर करें। वैसे 40 मंगलवार यह उपाय आप करते हैं तो आपके लिए अत्यंत शुभ फलदायी रहेगा आपको लाभ खुद ब खुद दिखाई देने लेंगे।

आम या केला का फल चढ़ाएं

मंगलवार के दिन हनुमान जी को आम जरूर अर्पित करें। जिन लोगों को वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ रही है या स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो हनुमानजी को मंगलवार के दिन गर्मी के मौसम में आम अर्पित करें। गर्मी के बाद आप चाहें तो हनुमानजी को केले अर्पित कर सकते हैं। यह उपाय भी कम से कम 5,7,11 या 21 बार जरूर करें।

पाक कलाकार को लेकर विवाद, नसीरुद्दीन शाह बोले

कास्टिंग का जिम्मेदार दिलजीत नहीं, डायरेक्टर

जाने-माने एक्टर नसीरुद्दीन शाह अपने बेबाकपन के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर फिल्मों और राजनीति पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। इस कड़ी में उन्होंने फिल्म सरदार जी 3 विवाद मामले में अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ का खुलकर समर्थन किया। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीयों में पाकिस्तान को लेकर नाराजगी है, जिसके बाद से लोग पड़ोसी मुल्क के साथ-साथ पाकिस्तानी कलाकारों का भी विरोध कर रहे हैं।

दिलजीत की नई फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं। ऐसे में लोगों ने इस फिल्म के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। लोगों के विरोध-प्रदर्शन को देख दिलजीत और मेकर्स ने मिलकर इसे भारत में रिलीज न करने का फैसला लिया। यह फिल्म विदेशों और पाकिस्तान में रिलीज की गई।

इसी विवाद के बीच नसीरुद्दीन शाह ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर दिलजीत का समर्थन किया और कला, सरहदों और रचनात्मक स्वतंत्रता को लेकर अपनी बात रखी।

नसीरुद्दीन शाह ने लिखा, मैं दिलजीत के साथ पूरी मजबूती से खड़ा हूं। जुमला पार्टी का 'डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट' बहुत समय से दिलजीत पर हमला करने का मौका ढूंढ रहा था। अब उन्हें लगता है कि आखिरकार वो मौका मिल गया है।''

वह आगे कहते हैं कि फिल्म में जिस पाकिस्तानी अभिनेत्री को कास्ट किया गया है, उसका फैसला दिलजीत ने नहीं बल्कि डायरेक्टर ने किया था। लेकिन लोग डायरेक्टर को नहीं जानते, दिलजीत को जानते हैं इसलिए उसी पर हमला किया जा रहा है।

अभिनेता ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''फिल्म की कास्टिंग के लिए दिलजीत जिम्मेदार नहीं हैं, निर्देशक हैं। लेकिन कोई नहीं जानता कि वह कौन हैं, जबकि दिलजीत को पूरी दुनिया जानती है। उन्होंने कास्ट के लिए इसलिए हामी भरी क्योंकि उनके दिमाग में कोई जहर नहीं भरा हुआ था। लेकिन कुछ गुंडे भारत और पाकिस्तान के आम लोगों के बीच रिश्ते और मेल-जोल खत्म करना चाहते हैं, पर हम ऐसा नहीं होने देंगे। मेरे खुद के कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त पाकिस्तान में हैं, और मुझे उनसे मिलने या प्यार करने से कोई नहीं रोक सकता।

नसीरुद्दीन के इस पोस्ट पर एक फेसबुक यूजर ने लिखा, आप बॉलीवुड के कुछ गिने-चुने एक्टर्स में से एक हैं, जिनमें हिम्मत और सच्चाई के लिए खड़े होने का साहस है। आपको धन्यवाद सर।

अंशुला कपूर का द ट्रेटर्स में सफर खत्म, बोलीं-शो चुनौती भरा रहा

करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स का फिनाले आने वाला है। इसी बीच बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर शो से बाहर हो गई हैं। उन्होंने बात करते हुए शो के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि शो का सफर चुनौती भरा था। अंशुला कपूर ने बताया कि शो 'द ट्रेटर्स' में उनकी 'चाची' महीप कपूर उनके साथ थीं, जिससे उन्हें सामान्य और सुरक्षित महसूस हुआ। जब उनसे पूछा गया कि चाची महीप की मौजूदगी उनके लिए कितनी अहम थी, अंशुला ने कहा कि इससे उन्हें भावनात्मक सहारा मिला।

उन्होंने बताया, मैंने पहले कभी रियलिटी टीवी शो या इतना लंबा कोई प्रोजेक्ट नहीं किया था। आमतौर पर जब शूटिंग होती है, तो आप घर जाकर आराम कर लेते हैं। लेकिन, इस शो में हम सब एक ही जगह पर बंद थे और बाकी सभी कंटेस्टेंट मेरे लिए अजनबी थे। शो का सफर चुनौती भरा था। ऐसे में 'चाची' का साथ होना बहुत सुकून और हिम्मत देने वाला था।

बता दें कि सर्किल ऑफ शक राउंड में महीप कपूर और आशीष विद्यार्थी को वोट देकर शो से बाहर कर दिया गया। वहीं, ट्रेटर्स ने मुकेश छाबड़ा को टारगेट करके एलिमिनेट कर दिया। इस एपिसोड में बड़ा मोड़ तब आया, जब रफ्तार ने अचानक शो छोड़ दिया। यह फैसला सूफी मोतीवाला के इमोशनल ब्रेकडाउन के बाद हुआ, जिसने सभी को भावुक कर दिया।

अपने एविक्शन के बारे में बात करते हुए अंशुला कपूर ने बताया, जब मुझे वोट देकर बाहर किया गया, तो मेरे दिल या सोच ने कभी नहीं कहा कि एलनाज नौरोजी ट्रेटर हो सकती है। मैंने उसे पूरी तरह से सपोर्ट किया, हालांकि टीवी पर सब कुछ नहीं दिखाया गया। शायद इसी वजह से जो लोग मेरे बारे में पहले से कन्फ्यूज थे, उन्होंने मुझ पर शक करना शुरू कर दिया।

अंशुला ने कहा, एक तरह से मेरा गेम एलनाज के साथ ही खत्म हो गया था, लेकिन मैं मुस्कुराते हुए शो से बाहर निकली। मैं घर लौटकर खुश हूं।

रियलिटी शो द ट्रेटर्स का पहला सीजन अपने आखिरी चरण में पहुंच गया है। इस हफ्ते शो में बड़ा मोड़ आया, जब एक साथ पांच कंटेस्टेंट्स अंशुला कपूर, जानवी गौर, एलनाज नौरोजी, सूफी मोतीवाला और जन्नत जुबैर को बाहर कर दिया गया।

इस शो का ग्रैंड फिनाले 3 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा।

असल ज़िंदगी का गीत: कृति खरबंदा ने किया अपने जब वी मेट वाले पल को याद

कृति खरबंदा, जो इन दिनों अपनी ओटीटी डेब्यू वेब सीरीज़ राणा नायडू 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं, हाल ही में एक बेबाक इंटरव्यू में अपने चुलबुले और बिंदास अंदाज़ की झलक देती नज़र आईं। अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने खुलकर बताया कि कैसे जब वी मेट उनके लिए सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं थी, बल्कि वो उनके बचपन की शख्सियत का आईना भी थी। मुझे बोलना बहुत पसंद है। हम ये इंटरव्यू 6 घंटे तक कर सकते हैं, मैं थकूंगी नहीं। बोलना मेरा सबसे पसंदीदा टाइमपास है,

कृति ने अपनी ख़ास मुस्कान के साथ बेझिझक कहा। इसके बाद उन्होंने स्कूल के दिनों का एक किस्सा साझा किया, जब जब वी मेट रिलीज़ हुई थी और कैसे उन्होंने खुद को उसमें पूरी तरह पाया। मुझे याद है जब जब वी मेट आई थी, मैं 11वीं या 12वीं कक्षा में थी। मेरे दोस्त सुबह का शो देखकर आए और बोले - 'कृति, हमने तुम्हें ही स्क्रीन पर देखा। रियल लाइफ गीत।'

वो हँसते हुए याद करती हैं। और ये सिलसिला रुका ही नहीं। सच बताऊं तो मैंने असल में ये डायलॉग कई बार यूज़ किया है - 'आप कन्विन्स हो गए या मैं और बोलूं?' और ये जब वी मेट से पहले की बात है! तो हुआ यूं कि उसी दिन मैंने दोपहर में दोस्तों के साथ फिल्म देखी, फिर रात में अपने माता-पिता को लेकर दोबारा देखने गई। उस दिन मैंने जब वी मेट तीन बार देखी क्योंकि मुझे लगा कि ये किरदार बिल्कुल मेरे जैसा है।

हालांकि आज वो इस तुलना पर हँसती हैं, पर मानती हैं कि उस दौर में उनके अंदर पूरी तरह 'गीत' वाली ऊर्जा हुआ करती थी। अब मैं थोड़ी शांत, मैच्योर और नाज़ुक हो गई हूं... लेकिन तब मैं सच में एक तूफ़ानी लड़की थी। काम के मोर्चे पर, कृति ने हाल ही में राणा नायडू 2 से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है, जिसमें उन्होंने एक जटिल किरदार को बेहद दमदार और गहन अंदाज़ में निभाया। इस भूमिका ने न केवल उनके करियर को एक नई दिशा दी है, बल्कि उन्हें खूब सराहना भी मिल रही है।

आने वाले समय में कृति रिस्की रोमियो में नजर आएंगी, जो एक नॉयर शैली की लव स्टोरी है, जिसमें उनके साथ सनी सिंह नज़र आएंगे। यह फिल्म रोमांस के अंधेरे और तीखे पहलुओं को दिखाने का वादा करती है और एक बार फिर कृति की बहुमुखी प्रतिभा और बेखौफ़ अभिनय शैली को दर्शाएगी।

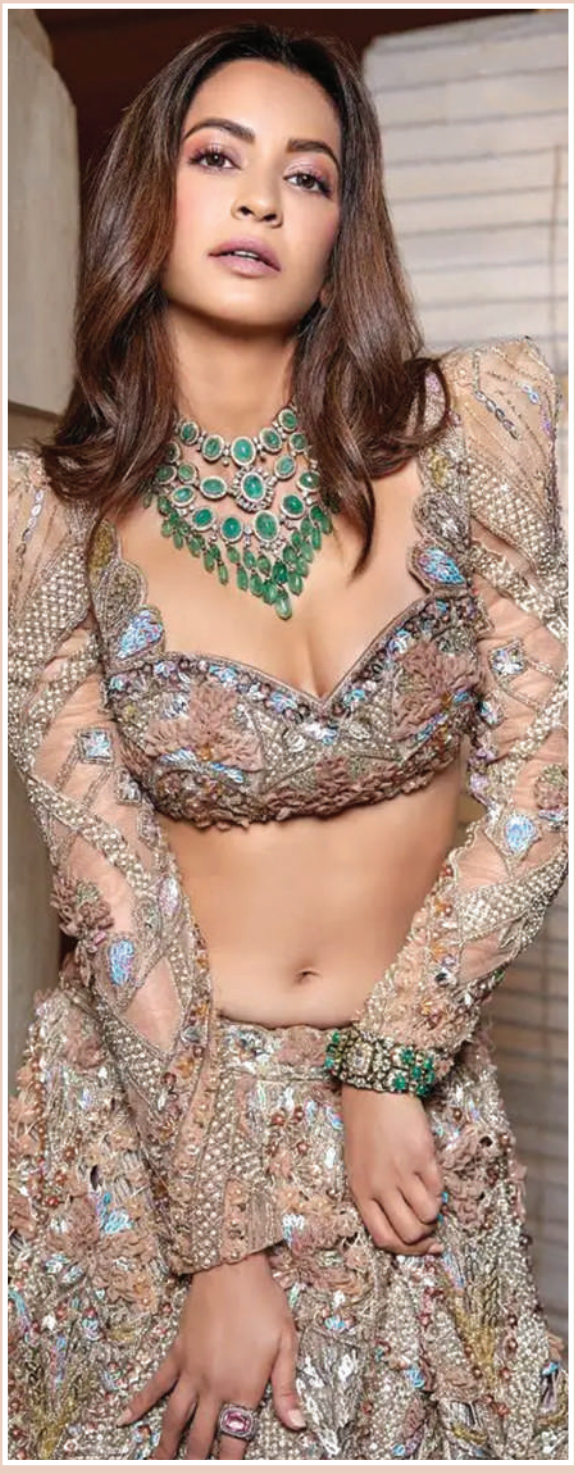

बर्थडे स्पेशल: जेल में काटी रातें तो महेश भट्ट संग जुड़ा नाम, फिल्मी है रिया की कहानी

1 जुलाई, 1992 को बेंगलुरु के एक बंगाली परिवार में जन्मीं रिया चक्रवर्ती का 32वां जन्मदिन है। भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल रहे पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती और मां संध्या चक्रवर्ती की बेटी रिया की कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं। एमटीवी इंडिया पर वीजे के रूप में शुरुआत करने वाली रिया ने छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक का सफर तय किया, लेकिन उनकी जिंदगी में उतार-चढ़ाव और विवादों ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं।

रिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में एमटीवी इंडिया के रियलिटी शो टीवीएस स्कूटी टीन एक्ट्रेस से की, जहां वह रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने पेप्सी के एड और 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' जैसे शोज होस्ट किए।

उनकी चुलबुली अदा और स्क्रीन प्रेजेंस ने जल्द ही दर्शकों का चहेता बना दिया। साल 2012 में तेलुगू फिल्म 'तुनीगा-तुनीगा' से एक्टिंग डेब्यू करने के बाद रिया ने बॉलीवुड का रुख किया और साल 2013 में यशराज बैनर की फिल्म 'मेरे डैड की मारुति' में नजर आईं। उनके किरदार को काफी सराहना मिली। इसके बाद वह साल 2014 में 'सोनाली केबल', 2017 में 'बैंक चोर', 2018 में 'जलेबी' और 2021 में 'चेहरे' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी दिखाई। हालांकि, ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में असफल रहीं, जिसका सीधा असर उनके करियर पर देखने को मिला।

रिया का नाम तब सबसे ज्यादा चर्चा में आया, जब साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने सुसाइड कर लिया था। सुशांत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया पर उनके परिवार ने आत्महत्या के लिए उकसाने और 15 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। सुशांत के पिता केके सिंह ने दावा किया कि साल 2019 में सुशांत के खाते में 17 करोड़ रुपए थे, जिनमें से 15 करोड़ रुपए कथित तौर पर किसी अन्य खाते में ट्रांसफर किए गए। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। इसके अलावा, ड्रग्स से जुड़े मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने रिया को गिरफ्तार किया। सितंबर 2020 में रिया को लगभग एक महीने तक जेल में रहना पड़ा। लेकिन, अक्टूबर में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी।

साल 2024 रिया के लिए एक नई सुबह और राहत लेकर आया, जहां सीबीआई ने सुशांत केस में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर रिया को क्लीन चिट दे दिया, जिसके बाद उन्होंने सिद्धिविनायक मंदिर में जाकर आशीर्वाद लिया था।

रिया का नाम फिल्म मेकर महेश भट्ट के साथ भी जुड़ा था। महेश भट्ट के जन्मदिन पर रिया की ली एक तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर हो-हल्ला मचा। यूजर्स ने उन्हें जमकर ट्रोल किया। इसके अलावा, साल 2024 में दिल्ली पुलिस ने एक मोबाइल एप घोटाले में भी रिया को समन भेजा, जिसमें उन पर एक फ्रॉड एप के प्रचार का आरोप है। हालांकि, इस मामले में जांच जारी है।

विवादों के बाद रिया ने धीरे-धीरे अपने करियर को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश शुरू की। साल 2021 में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी स्टारर 'चेहरे' में उनकी अदायगी को पसंद किया गया। जानकारी के अनुसार वह संजय लीला भंसाली की मोस्टअवेटेड फिल्म 'बैजू बावरा' में एक अहम भूमिका में नजर आ सकती हैं। इसकी आधिकारिक पुष्टि बाकी है। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं।

इसके अलावा, रिया का 'टॉक शो चैप्टर 2' काफी चर्चा में रहा, जिसमें सुष्मिता सेन और आमिर खान जैसे सितारे शिरकत कर चुके हैं।

रियलिटी शो 'रोडीज 20' में रिया गैंग लीडर के रूप में नजर आई थीं, जिसमें उनका बेबाक और जोश से भरा अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया। शो के विजेता एल्विश यादव टीम के मेंबर कुशाल तंवर बने।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। हालांकि वरिष्ठों से कुछ विरोध के स्वर सुनाई देंगे– लेकिन फिर भी आपको दिमाग़ ठण्डा रखने की ज़रूरत है। यात्रा और भ्रमण वग़ैरह न सिर्फ़ आनन्ददायक सिद्ध होंगे, बल्कि काफ़ी शिक्षाप्रद भी रहेंगे। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफ़ी मांगें। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अगर आप और आपका जीवनसाथी खाने–पीने पर ज़्यादा ध्यान देंगे, तो सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। रोमानी नज़रिए से वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। काम का तनाव आपके दिमाग़ पर छा सकता है जिसकी वजह से परिवार और मित्रों के लिए वक़्त नहीं निकाल सकेंगे। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत महसूस करेंगी । आपको एहसास होगा शाम का वक्त सुकून भरा हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज अच्छी सेहत का मज़ा लेने से आप वंचित हो सकते हैं। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

तनाव और चिंता में इज़ाफ़ा मुमकिन है। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। एक बढ़िया जीवनसाथी के साथ जीवन वाक़ई अद्भुत लगता है और आज आप इस बात का अनुभव कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। बहुत ख़ूबसूरत और प्यारे इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खूबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 जुलाई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़, शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 10:23 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी प्रातः 08:54 तक
योग : व्यतिपात सायं 05:18 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:23 तक
चन्द्रराशि : सिंह सायं 03:24 तक
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कात्यायनी पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पिंजौर के यादवेन्द्र गार्डन की विरासत को संजोते हुए इसे और अधिक सुंदर बनाया जाए : सैनी

चंडीगढ़, 30 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी अनटैप्ड सीवरेज या औद्योगिक अपशिष्ट जल ड्रेन में प्रवाहित न हो, इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा ऐसे सभी स्थानों की पहचान कर प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि गंदे पानी को ड्रेनों में गिरने से पूरी तरह रोका जा सके। प्रारंभिक चरण में अंबाला, कुरुक्षेत्र एवं यमुनानगर जिलों में इस दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आगामी तीन माह के भीतर इन जिलों में उल्लेखनीय सुधार किया जाए। मुख्यमंत्री आज यहां बजट घोषणाओं की प्रगति के बारे में बुलाई गई एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं में किए गए सभी वादों को समय पर पूरा किया जाए ताकि प्रदेशवासियों को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्री का दायित्व भी है, ने इस वर्ष मार्च में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान वर्ष 2025–26 के लिए राज्य बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं।

अरावली क्षेत्र में बनने वाली जंगल सफारी की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां ऐसे जानवर रखें जाएं जो मानवता के लिए हानिकारक न हों। जंगल सफारी केंद्रीय जू अथॉरिटी के नियमों के तहत स्थापित की जाए। साथ ही मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए वहां ऐसे पौधों के बीज डाले जाएं जो प्राकृतिक रूप से उगकर स्थिर हो सकें। उन्होंने पर्यावरण एवं वन विभाग की अन्य घोषणाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।पर्यटन एवं विरासत विभाग की घो–षणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तीज–त्योहार, मेले और उत्सवों पर जनभागीदारी बढ़ाने के लिए इस वर्ष बजट में 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पर्यटन एवं विरासत विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के साथ समन्वय कर ऐसे सभी मेलों का आयोजन सुनिश्चित करे, ताकि प्रदेश के सभी वर्गों में उत्साह एवं उल्लास की भावना का संचार हो सके। उन्होंने कहा कि पिंजौर के यादवेंद्र गार्डन की विरासत को संजोते हुए इसे और अधिक सुंदर बनाया जाए ताकि देशभर के पर्यटक यहां आकर आनंद ले सकें। बैठक में बताया गया कि केंद्र सरकार ने यादवेंद्र गार्डन और टिक्करताल, मोरनी के पुनर्विकास के लिए 90 करोड़ से अधिक की राशि मंजूर की है।बैठक में यह भी बताया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय सुरजकुंड क्राफ्ट्स मेले का आयोजन दूसरी बार दशहरा और दीपावली पर्व के बीच भी किया जाएगा, जिससे जनता को एक सशक्त मंच प्रदान हो सके और वे इस सांस्कृतिक महोत्सव का भरपूर आनंद उठा सकें।नायब सिंह सैनी ने खेल विभाग के लिए की गई बजट घोषणाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और उन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए।

कोचिंग घोटाले में बड़ी कार्रवाई

मास्टर माइंड क्लासेज के पूर्व मैनेजर राजेन्द्र भदकारिया गिरफ्तार

चंडीगढ़, 30 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में अनुसूचित जाति के छात्रों को तकनीकी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित मुफ्त कोचिंग योजना में हुए 15.68 करोड़ के घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो पंचकूला ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मास्टर माइंड क्लासेज प्रा. लि., ग्वालियर के तत्कालीन फ्रेंचाइज़ी मैनेजर राजेन्द्र भदकारिया को मध्यप्रदेश के माधवगंज, ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 28 जून को की गई, जिसके बाद आरोपी को 29 जून को पंचकूला स्थित माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया। 30 जून को पुनः न्यायालय में पेश कर आरोपी को केंद्रीय जेल अंबाला भेज दिया गया।

यह मामला वर्ष 2008 से 2011 के बीच हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई उस कल्याणकारी योजना से जुड़ा है, जिसके तहत अनुसूचित जाति के छात्रों को एआईईईई और डीईटी जैसी तकनीकी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त कोचिंग दी जानी थी। इसके लिए 20 जून 2008 को मास्टर माइंड क्लासेज प्रा. लि., ग्वालियर के साथ अनुबंध किया गया था। लेकिन जांच में सामने आया कि संस्था द्वारा कुछ छात्रों का वास्तविक दाखिला दिखाकर, अधिकांश छात्रों का फर्जी नामांकन कर, बिना कक्षाएं संचालित किए विभागीय अधिकारियों व अन्य संस्थानों की मिलीभगत से 15.68 करोड़ का फर्जी भुगतान प्राप्त किया गया।इस घोटाले में पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें मास्टर माइंड क्लासेज के मालिक नवीन गुप्ता और प्रवीण गुप्ता, चंडीगढ़ शाखा से जुड़े वेद प्रकाश और हरजीत सिंह, तकनीकी शिक्षा विभाग के उप निदेशक राजेन्द्र शर्मा और लिपिक राजकुमार शामिल हैं। अब राजेन्द्र भदकारिया की गिरफ्तारी के साथ ही इस घोटाले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या सात हो गई है। यह मामला अभियोग संख्या 6, दिनांक 14 जुलाई 2022 के अंतर्गत दर्ज किया गया था। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 201, 409, 420, 467, 468, 471 और 120–बी के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(डी) के तहत आरोप तय किए गए हैं। मामले की जांच एसीबी पंचकूला द्वारा की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

नींद में सोई भाजपा सरकार के कारण प्रदेश की व्यवस्था फेल : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 30 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार की अनदेखी ने प्रदेश की सारी व्यवस्था बिगाड़ कर रख दी है। उन्होंने कहा कि बदहाल कानून व्यवस्था के साथ–साथ राजस्व घाटा, बिजली दामों में बढ़ोत्तरी, एचएयू छात्र आंदोलन, डीएपी की कमी जैसे अनेक ऐसे मुद्दे हैं जिनसे युवा, गरीब, किसान और कमेरा वर्ग परेशान है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि आज बदमाशों के हौंसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे सरेआम बिना किसी खौफ के बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे है लेकिन पुलिस और सरकार नींद में सोई हुई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सुरक्षा देने में नाकाम मुख्यमंत्री किसी तरह शराब के ठेके छुड़वाने में लगे हुए हैं जबकि शराब ठेकेदार बदमाशों के डर से घर बैठे हैं।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जींद से सोनीपत जा रही सवारियों से भरी रोडवेज बस के सामने पिस्तौल लहराते शख्स का वीडियो चौंकाने वाला है। इससे स्पष्ट है कि शरारती तत्वों को कानून का बिल्कुल ख़ौफ़ नहीं है और साफ दिख रहा है कि हरियाणा में कानून व्यवस्था भगवान भरोसे है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि ठेके कम बिकने की वजह से इस बार आबकारी राजस्व घाटे में जाता दिख रहा है।

दिग्विजय ने कहा कि आबकारी राजस्व के घाटे की पूर्ति के लिए ही सरकार बिजली के दामों में बढ़ोतरी कर जनता पर बोझ डाल रही है। उन्होंने डीएपी की कमी का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज सरकार पुलिस को लगाकर किसानों को डीएपी बांट रही है और लंबी लाइनें लगाकर किसान डीएपी मिलने की आस में दिनभर खड़े रहते है।

जलभराव से निपटने के लिए नदियों के तटबंध और नालों की समय से सफाई, मरम्मत हो: दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 30 जून (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में पहली बारिश में ही तमाम सरकारी दावे फेल हो गए। पहली बारिश ने ही इगझ सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोलकर रख दी। गाँव से लेकर शहरों तक जलनिकासी की पुख्ता व्यवस्था न होने से फसल, संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है। राज्य के अनेक जिलों में चरमराई जलनिकासी व्यवस्था के कारण खेतों, गलियों, सड़कों और कॉलोनियों में लोगों को भारी जलभराव का सामना करना पड़ रहा है। कई कॉलोनियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों में घुटनों तक पानी भर गया है।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर कीचड़, फिसलन, बदबू फैलने से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सरकार सुनिश्चित करे कि जलभराव वाले निचले इलाकों में पर्याप्त संख्या में पम्प, बिजली मोटर, बिजली कनेक्शन आदि की व्यवस्था

हो। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि शहरी इलाकों में बरसाती जलभराव से सड़कों पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं। प्रदेशभर की सड़कें तो पहले से ही जर्जर थीं, बरसात के कारणत उनकी हालत और ज्यादा खराब हो चुकी है। सड़क धँसने, आवागमन के दौरान लोगों के गिरकर चोटिल होने की खबरें आम हैं। ऐसे में सरकार जलनिकासी के साथ ही प्रदेश भर की सड़कों की मरम्मत और गड्ढे भरवाने का काम कराए।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार हर साल करोड़ों रुपये खर्च करके सफाई कराने के बड़े–बड़े दावे करती है। लेकिन बारिश होते ही अधिकांश जगहों पर व्यापक जलभराव की समस्या खड़ी हो जाती है। सरकार यदि सीवर, ड्रैनेज की सफाई, जलनिकासी की सही ढंग से व्यवस्था करती है तो फिर इतना बुरा हाल कैसे हो जाता है।

रोहतक में 300 करोड़ रुपए के अमृत योजना घोटाले का जिक्र करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सफाई का जो पैसा शहर के सीवरेज सिस्टम, ड्रेनेज सफाई, पार्कों के रख रखाव पर खर्च होना था, वो पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। शहर तो साफ नहीं हुआ रुपया साफ हो गया।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जरा सी बारिश से ही पूरे प्रदेश में बुरा हाल हो गया, जब अभी ये हाल है तो जुलाई अगस्त में बरसात के पीक सीजन में क्या होगा।

अब हर महीने मिलेगी मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक योजना की राशि

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत अब दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को हर महीने भुगतान मिलेगा। इसके लिए पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में डेयरी विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में डेयरी मंत्री कुमावत ने इस योजना के तहत अटके हुए भुगतान को जल्द से जल्द जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि साल 2024–25 के लिए इस योजना में राज्य सरकार द्वारा 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, जिसे संशोधित कर 500 करोड़ रुपए किया गया। इस 500 करोड़ रुपए के विरुद्ध राज्य सरकार ने 468.32 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। इसमें से महज 12.27 करोड़ रुपए कोषागार जयपुर में भुगतान हेतु लंबित है। इसके अलावा शेष 19.41 करोड़ रुपए का भुगतान ईआरपी सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि

के पश्चात कोषागार जयपुर को प्रेषित कर दिया जाएगा।मंत्री कुमावत ने बताया कि वितीय वर्ष 2025–26 हेतु योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 650 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके विरूद्ध 164 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके विरुद्ध 122.27 करोड़ रुपए के स्वीकृति आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसके बाद इसी सप्ताह दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को जनवरी, फरवरी व मार्च–2025 तक का भुगतान हो जाएगा। अप्रेल, मई व जून माह का भुगतान भी जुलाई के अंत तक कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जुलाई माह से पशुपालकों को इस योजना के तहत दी जाने वाली राशि हर महीने मिलना शुरू हो जाएगी।

निजी ऑफिस में घूस लेते पकड़े गए दो पटवारी

झुंझुनूं, 30 जून (एजेंसियां)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. चौकी झुंझुनूं इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपी सुरेन्द्र सिंह पटवारी पटवार हल्का बडबर तहसील बुहाना जिला झुंझुनूं को 8000/– रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है एवं धर्मपाल सिंह पटवारी पटवार हल्का गादली, तहसील बुहाना को परिवादी से पूर्व में रिश्वत मांग सत्यापन के समय परिवादी से 7000 रुपये रिश्वत की मांग कर प्राप्त करना एवं 8000 रुपये सुरेन्द्र सिंह पटवारी को देने के लिए कहने की पुष्टि होने पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो केअतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव,(कार्यवाहक महानिदेशक, एसीबी) ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी झुंझुनूं को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी ने पैतृक जमीन का सीमा ज्ञान करवाने के लिये तहसीलदार बुहाना को ऑनलाईन प्रार्थना पत्र भिजवाया था। हल्का पटवारी धर्मपाल सिंह, पटवार हल्का गादली ने नाम सीमा ज्ञान करने की एवज में 18,000 हजार रूपये रिश्वत की मांग की तथा परिवादी से 7000 रुपये रिश्वत के रूप में ले लिये। रिश्वत मांग सत्यापन वार्ता दिनांक 18.06.2025 को आरोपी धर्मपाल सिंह पटवारी ने परिवादी से 7000 रुपये लेना स्वीकार किया तथा शेष रिश्वत राशि अपने साथी सुरेन्द्र सिंह पटवारी को देने के लिए कहा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े से गांव–ढाणी में कार्यों को मिली नई गति

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महिला, युवा, मजदूर और किसान के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता पर आगे बढ़ते हुए शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े (24 जून से 9 जुलाई) की पहल की है जिसके माध्यम से गांव–ढाणी में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लंबित कार्यों के निष्पादन के साथ ही उनके लिए लोककल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इस पखवाड़े के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों से 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प की सिद्धि का मार्ग तेजी से प्रशस्त हो रहा है।

शर्मा ने जयपुर जिले की दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस पखवाड़े का नामकरण महान विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया गया जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। प्रदेश के हर गांव और हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना इस पखवाड़े का मूलमंत्र है। यह पखवाड़ा विकास के उजियारे को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है और अब तक (29 जून) के आंकड़े इसकी सफलता की कहानी को दर्शाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख समस्या राजस्व से संबंधित

रहती हैं। इन समस्याओं के निष्पादन से किसान, मजदूर और जरूरतमंद व्यक्ति को व्यापक स्तर पर राहत पहुंचायी जा सकती है। इसके दृष्टिगत पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित शिविरों में राजस्व संबंधी प्रमुख प्रकरणों के निष्पादन का कार्य तत्परता से किया जा रहा है। अब तक की प्रगति के अनुसार पखवाड़े में सीमाज्ञान के 18 हजार 15, नामांतरण के 43 हजार 120, सहमति विभाजन के 8 हजार 531 और रास्तों के 9 हजार 96 प्रकरणों को निस्तारण करते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है। वहीं, इसके अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग ने विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने के कुल 53 हजार 202 आवेदन प्राप्त किए गए हैं और पंचायती राज विभाग ने 52 हजार 183 स्वामित्व पट्टों का वितरण किया है।

प्रदेश के सभी अंचलों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है। इसी क्रम में पखवाड़े के अंतर्गत विद्युत सुदृढ़ीकरण सहित मरम्मत कार्यों को गति दी जा रही है। अब तक 13 हजार 684 झूलते तारों को खिचवाने और 10 हजार 195 विद्युत पोल सही करने का कार्य किया गया है। इस अवधि में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 15 हजार 722 लंबित नल कनेक्शन जारी किए गए हैं जिससे उपभोक्ता को सुगम जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वहीं, 5 हजार 356 पानी की टंकियों की सफाई और 11 हजार 668 लीकेज की मरम्मत भी की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' अभियान चलाया है। इस अभियान का प्रमुख ध्येय प्रदेश में ग्रीन कवर बढ़ाना है। इसी कड़ी में पखवाड़े के अंतर्गत नर्सरियों से आमजन को 68 लाख 67 हजार 138 पौधों का वितरण किया गया है। वहीं, 'हरियालो राजस्थान' के अंतर्गत 38 लाख 45 लाख 483 पौधों का रोपण किया गया है। इस दौरान खाद्य विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत 54 हजार 711 आवेदनों का निस्तारण किया है। खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत 4 लाख 70 हजार 713 परिवार एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के साथ ही 5 लाख 8 हजार 173 की ई–केवाईसी भी की गई है।

नारियल के पेड़ों में संक्रमण

सीएम सिद्धरामैया ने रोग के नियंत्रण पर विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट मांगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पूरे राज्य में नारियल के बागानों में ब्लैक-हेडेड कैटरपिलर रोग से उत्पन्न कथित खतरे और इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपायों पर बागवानी विभाग से रिपोर्ट मांगी है। एमएलसी दिनेश गुलीगौड़ा द्वारा प्रस्तुत एक ज्ञापन का जवाब देते हुए, जिन्होंने हाल के वर्षों में नारियल के पेड़ों में ब्लैक-हेडेड कैटरपिलर रोग में उल्लेखनीय वृद्धि पर चिंता व्यक्त की, जिससे उपज में भारी गिरावट आई, सिद्धरामैया ने बागवानी विभाग के निदेशक को तुरंत एक विशेषज्ञ पैनल से एक रिपोर्ट प्राप्त करने और रोग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए एक कार्य योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अपने ज्ञापन में गुलीगौड़ा ने कहा कि ब्लैक-हेडेड कैटरपिलर (ओपिसिना एरेनोसेला) का संक्रमण फैलने से नारियल की

फसल को भारी नुकसान हो रहा है, जो मांड्या, तुमकुरु, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, कोलार, मैसूरु, चामराजनगर और हासन जिलों में एक प्रमुख व्यावसायिक फसल है, जिससे किसान परेशान हैं। यह कीट तटीय और अंतर्देशीय दोनों क्षेत्रों में नारियल के पेड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। कैटरपिलर पत्तियों के नीचे बनी रेशमी दीर्घाओं में रहते हैं और हरे हिस्से को खाते हैं, जिससे पौधे की प्रकाश संश्लेषण क्षमता कम हो जाती है। जब संक्रमण गंभीर होता है, तो पेड़ झुलसे हुए दिखाई देते हैं। यदि समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो उपज 80 प्रतिशत तक कम हो सकती है। वर्तमान में, यह बीमारी मांड्या और आस-पास के जिलों में अधिक प्रचलित है। एमएलसी ने किसानों के हित में मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा यदि त्वरित और स्थायी समाधान लागू नहीं किया गया, तो यह संक्रमण पूरे राज्य में फैल सकता है, जिससे नारियल के बागानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और राज्य को बड़ा आर्थिक झटका लग सकता है। उन्होंने कहा कि चूंकि कीट हवा के माध्यम से तेजी से फैलता है, इसलिए इस बीमारी का प्रभावी ढंग से प्रबंधन तभी किया जा सकता है, जब क्लस्टर क्षेत्रों में सभी प्रभावित किसानों द्वारा सामूहिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने नारियल विकास बोर्ड के साथ समन्वय में बागवानी विभाग द्वारा तत्काल उपाय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हालांकि बागवानी विभाग और बोर्ड वर्तमान में नीम आधारित कीटनाशकों के उपयोग, जड़ों को पोषण देने और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के साथ गोनियोजस परजीवी को छोड़ने जैसी नियंत्रण रणनीतियों को लागू कर रहे हैं, जो सराहनीय है, लेकिन समस्या को और अधिक गंभीर होने से रोकने के लिए अतिरिक्त और दीर्घकालिक उपाय तत्काल करने की तत्काल आवश्यकता है। गुलीगौड़ा ने सुझाव दिया कि न केवल पहले से प्रभावित क्षेत्रों में बल्कि अप्रभावित क्षेत्रों में भी ग्राम पंचायत स्तर पर किसान सहायकों की नियुक्ति करके व्यापक सर्वेक्षण किया जाए ताकि संक्रमण की सीमा का सही आकलन किया जा सके। उन्होंने स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्रों, बागवानी और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से त्वरित प्रतिक्रिया टीमों का गठन करते हुए प्रयोगशालाओं को बड़े पैमाने पर गोनियोजस परजीवी का उत्पादन करने में सक्षम बनाने के लिए कदम उठाने की भी मांग की। गुलीगौड़ा ने पौधों की वृद्धि के लिए नीम आधारित कीटनाशकों, नीम केक, नाइट्रोजन फॉस्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) के अलावा किसानों को मुफ्त या सब्सिडी दर पर कीट और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले जैव-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति की भी मांग की।

भाजपा राजनीतिक क्रांति का दिवास्वप्न देख रही है: गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने राजनीतिक क्रांति के अनावश्यक बयान पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पार्टी और सरकार के लिए ठीक नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना के बयान पर असंतोष व्यक्त किया। कुछ लोगों को माइक्रोफोन मिलते ही बोलने की आदत होती है। उन्हें पार्टी और सरकार के लिए इसके परिणामों के बारे में सोचना चाहिए। मुझे नहीं पता कि उन्होंने किस अर्थ में सितंबर क्रांति कहा। राजन्ना को खुद इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। मुझे समझ में नहीं आ रहा कि वे किस क्रांति की बात कर रहे हैं। राजन्ना के बयान के बाद अधिक प्रतिक्रियाएं व्यक्त किया जाना ठीक नहीं है। कोई क्रांति नहीं होगी। हमारी सरकार मजबूत है। भाजपा हर बार तीन महीने में सरकार गिरने का सपना देख रही है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि वे सपना देख रहे हैं

कि हम सरकार बनाएंगे। खराब सरकार चलाने के बाद भाजपा बुरी तरह हार गई है। हालांकि, उन्होंने सत्ता का लालच नहीं छोड़ा है। वे पिछले दरवाजे से सरकार बनाने का सपना देख रहे हैं। भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा उन्हें देखना चाहिए कि उनकी पार्टी में सब ठीक है या नहीं। अगर हमारी थाली में मच्छर है, तो उनकी थाली में भी मच्छर है। आर. अशोक ऊंची आवाज में बात कर रहे हैं। उन्हें देखना चाहिए कि पहले उनकी स्थिति जारी रहती है या नहीं। हमारी सरकार मजबूत है। कोई मतभेद नहीं है। सभी एक साथ हैं। एआईसीसी महासचिव सुरजेवाला राज्य में आ चुके हैं और पार्टी विधायकों की राय सुनेंगे। चूंकि यह एक बड़ी पार्टी है, इसलिए राय स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि मैं जल्द ही सुरजेवाला से मिलूंगा। बीआर पाटिल ने कहा है कि आवास आवंटन के संबंध में रिश्वत ली जा रही है। कोई यह नहीं कह सकता कि भ्रष्टाचार नहीं है। यह देश में व्यापक है। गुंडूराव ने कहा कि यदि कोई विशिष्ट शिकायत की जाती है, तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हमारी सरकार भ्रष्टाचार को खत्म करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वे तटीय जिलों में रेत खनन को वैध बनाने का प्रयास कर रहे हैं और केंद्र और राज्य सरकारों के कानूनों का उपयोग करके कार्रवाई करेंगे।

कुंजालू में गाय का सिर मिला

एसपी हरिराम शंकर ने दिया कड़ी कार्रवाई का आश्वासन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले के ब्रह्मवर के पास कुंजालू में रविवार देर रात करीब 11:30 बजे एक गाय का कटा हुआ सिर और शरीर के अन्य अंग मिले। घटना के बाद, उडुपी के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की गंभीरता को संबोधित करते हुए एक औपचारिक बयान जारी किया। एसपी ने पुष्टि की कि एक औपचारिक महाजर (मौके का निरीक्षण) किया गया और एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। स्थानीय पंचायत को पशु अवशेषों के निपटान के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। एसपी हरिराम

शंकर ने कहा संभावना है कि असामाजिक तत्व तटीय क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। यह अवैध पशु परिवहन से भी जुड़ा हो सकता है। हम दोनों कोणों से जांच कर रहे हैं। गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए, चार पुलिस दल बनाए गए हैं। उन्होंने कहा हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर अनावश्यक अटकलें न लगाएं। पुलिस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कड़ी निगरानी रख रही है। अधिकारी आसपास के क्षेत्र से सीसीटीवी फुटेज सहित तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। एसपी ने जोर देकर कहा हमें दो से तीन दिनों के भीतर अपराधियों का पता लगाने का भरोसा है। मामले को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सख्त समय सीमा तय करना मुश्किल है, लेकिन जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और हर संभव सुराग का पता लगाया जा रहा है।

श्री राम सेना के युवकों पर हमला करने के आरोप में चार गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी जिले के इंगली गांव में चार युवकों पर हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी भीमाशंकर एस. गुलेड ने सोमवार को बेलगावी में संवाददाताओं को बताया कि ग्रामीण इस बात से नाराज थे कि युवक एक घर में जबरन घुस गया था, जहां उस समय केवल महिलाएं ही रह रही थीं। उन्होंने श्री राम सेना द्वारा लगाए गए उन आरोपों से इनकार किया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा युवकों पर हमला करने वाले ग्रामीणों ने कानून का उल्लंघन किया है और अपराध किया है। हालांकि, पीड़ित निर्दोष नहीं लग रहे हैं। उनमें से एक उपद्रवी है, जो निर्वासन में है। ऐसा लगता है

कि युवक किसी संगठन के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने एसआरएस के इस आरोप से भी इनकार किया कि हमले के आरोपी मुस्लिम थे। उन्होंने कहा आरोपियों में से एक हिंदू है। पहली नजर में यह सांप्रदायिक हिंसा का मामला नहीं लगता।

हुब्बल्ली एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। एयरपोर्ट के निदेशक को धमकी भरा संदेश मिला और एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हुब्बल्ली एयरपोर्ट में प्रवेश करने वाले यात्रियों की जांच बढ़ा दी गई है।

बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, पुलिस अधिकारी, आंतरिक सुरक्षा कर्मी और खुफिया विभाग के कर्मचारी नजर रख रहे हैं। हाल ही में कर्नाटक में बम से उड़ाने की कई धमकी वाले मामले सामने आए हैं। घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कर ली गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष बने अशोक भंडारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट की आम सभा का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। सामूहिक मंगलाचरण से सभा की शुरुआत हुई। सर्वप्रथम अध्यक्ष सुरेश धोका ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं सभी के प्रति अनुमोदना व्यक्त की। जिन्होंने 2 वर्ष में सेवा के कार्यों में सहयोग दिया। मंत्री सुरेश मांडोत ने पिछली सभा की रिपोर्ट पेश की जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा में अध्यक्ष सुरेश धोका ने अपने कार्यकाल के पूर्णाहुति की घोषणा की एवं आगे की कार्यवाही प्रारंभ की। जिसके तहत अशोक भंडारी को सर्वसम्मति से वर्ष 25-27 हेतु अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। अशोक भंडारी ने सभी से सहयोग की अपेक्षा की एवं पदभार संभाला। इस अवसर पर सभी ट्रस्टीगण एवं जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुनोत, नीरज कटारिया उपस्थित रहे।

ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा परिवार की मस्तीशाला कार्यक्रम प्रस्तुत

नीलम ललवानी ने परिवार में सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कला सिखाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा एवं महिला विंग द्धारा प्रसिद्ध एंकर नीलम ललवानी के मार्गदर्शन में पारिवारिक रिश्तों को संजोता हुआ कार्यक्रम 'परिवार की मस्तीशाला' प्रस्तुत किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले बेंगलूरु के अनेक परिवारों के सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया और आज की विषम परिस्थितियों में एकल परिवारों को संयुक्त परिवारों की विशेषता बताई और उनकी सहभागिता के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक आनंद कुमार, अरुण कुमार, प्रिया नाहर थे जिनका बहुमान अभिनन्दन युवा शाखा द्वारा शाल, माला, चूंदड़ी, स्मृति चिन्ह के द्वारा किया गया। ब्यावर संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी, कार्यक्रम की संयोजिका लेडीज विंग की सीमा बोहरा, जिया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका

कुमट, संगीता पारख ने औपचारिक शुरुआत करते हुए दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम में नीलम ललवानी ने अपने जीवन की स्वकथा को आधार बनाते हुए हमें पारिवारिक रिश्तों को किस तरह बचाना है और उनमें मिठास घोलते हुए इस पर बहुत ही निराले अंदाज में हंसी-खुशी के साथ बताया। थोड़ा भावुक होते हुए उन्होंने जीवन में आने वाले कुछ दुख और दर्द भरे समय में हमें किस तरह आगे बढ़ना है इसके बारे में बताया। युवा शाखा द्वारा श्री मरुधर केसरी जैन युवा मंडल द्वारा दी जा रही चिकित्सीय उपकरणों की सुविधा समाज के बीच प्रदान की जा रही है उसकी भी भूरी भूरी अनुमोदना करते हुए संस्था को अनेक कार्यकारिणी सदस्यों के सहयोग से सहायता राशि प्रदान की। सहायता राशि का चैक दिलीप जिया हिंगड़, नरेश रोहित बोहरा, प्रवीन प्राची कक्कड, वर्धमान श्रीश्रीमाल, अमित कोठारी, हेमन्त गुलेच्छा, अरुण नाहर, बहादुर कांकरिया के हाथों प्रदान किया गया। एंकर नीलम ललवानी का अभिनन्दन माला, चूंदड़ी, स्मृति चिन्ह और यादगार स्वरूप परमात्मा जीरावला पार्श्वनाथ की रजत प्रतिमा भेंटकर किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम के विषय की मुक्त कंठ से सराहना की और समाज हित में आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का निवेदन किया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद मंत्री कुलदीप छाजेड़ और सहमंत्री नरेश बोहरा ने प्रदान किया।

कचरा संग्रहण कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के प्रतिष्ठित विद्यालय जैन पब्लिक स्कूल में 'रीसाइकल ड्राइव'अर्थात पुनर्चक्रण ड्राइव (कचरा संग्रहण कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जैन पब्लिक स्कूल तथा अनुभूति संस्था द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पालक वर्ग तथा छात्रों में रीसाइकलिंग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और कचरा प्रबंधन में सुधार करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के स्वागत से हुई। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मधुसूदन (मेडिकल हेल्थ ऑफिसर जयनगर बी.बी.एम.पी.), जैन पब्लिक स्कूल की निदेशक वीणा गौतम चंद तथा विद्यालय के प्राचार्या मंजुला कमलेश मंच पर उपस्थित थे। शुरुआत में विद्यालय के शिक्षकों द्वारा मेहमानों तथा पालक वर्ग का स्वागत किया गया, तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने प्रभावशाली भाषण से लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में रंग भरने के लिए कक्षा चौथी तथा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रदर्शन तथा नुक्कड़ नाटक किया गया। उपस्थित लोगों के अंदर कचरा संग्रहण के संबंध में जागरूकता फैलाई गयी। इस कार्यक्रम में छात्रों तथा पालक वर्ग द्वारा कचरा एकत्रित किया गया, जिसमें घरों, कार्यालय और सार्वजनिक स्थानों से प्लास्टिक, कागज, किताबें, अखबार, रद्दी आदि शामिल थे। एकत्र किए गए कचरे को अलग कर रीसाइकलिंग के लिए दिया गया तथा प्रसंस्करण कर रीसाइक्लिंग के लिए भेजा गया। इस कार्यक्रम में पालक वर्ग की प्रतिक्रिया काफी अच्छी रही, कम से कम 4 से 6 टन कचरा इकट्ठा किया गया। इसके अतिरिक्त स्कूल के प्रांगण में मनोरंजन संबंधी विविध गतिविधियाँ शामिल थे, जैसे बच्चों के लिए मनोरंजन खेल, खान-पान की व्यवस्था तथा प्रदर्शनी और बिक्री के लिए प्राकृतिक चीजों से बने (जैसे बांस) वस्तुओं को रखा गया था।

हाईकमान को आगे की कार्रवाई करने का अधिकार: खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस नेताओं द्वारा राज्य में मुख्यमंत्री के संभावित बदलाव पर खुलेआम चर्चा के बीच, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि ऐसे मामलों पर फैसला पार्टी हाईकमान को करना है और किसी को भी अनावश्यक समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। खड़गे राज्य में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा अक्टूबर में मुख्यमंत्री पद में बदलाव का दावा करने के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। देखिए, यह हाईकमान के हाथ में है। यहां कोई नहीं कह सकता कि हाईकमान में क्या चल रहा है। यह हाईकमान पर छोड़ दिया गया है, और हाईकमान को आगे की कार्रवाई करने का अधिकार है। लेकिन अनावश्यक रूप से, किसी को भी समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। 2023 में, जब कांग्रेस दक्षिणी राज्य में सत्ता संभालेगी, तो ऐसी अटकलें थीं कि सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार रोटेशनल फॉर्मूले के अनुसार 2.5-2.5 साल के लिए राज्य की कमान संभालेंगे, इस दावे की पार्टी ने न तो पुष्टि की है और न ही इसे खारिज किया है। वर्तमान में सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं और शिवकुमार उनके उप-मुख्यमंत्री हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com